THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

मुंबई हिट एंड रन केस, मुख्य आरोपी मिहिर शाह गिरफ्तार

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई बीएमडब्ल्यू हिट एंड रन केस के मुख्य आरोपी मिहिर शाह को मंगलवार दोपहर को गिरफ्तार कर लिया। मिहिर की गिरफ्तारी घटना के करीब 60 घंटे बाद हुई। मिहिर, शिवसेना नेता राजेश शाह का बेटा है। मिहिर को पकड़ने के लिए मुंबई पुलिस ने 11 टीमें बनाई थीं। साथ ही क्राइम ब्रांच को भी शामिल किया। उसके खिलाफ एक लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) भी जारी किया गया था। इससे पहले वर्ली पुलिस ने पिता राजेश शाह और ड्राइवर राजऋषि राजेंद्र सिंह बीदावत को गिरफ्तार कर किया था। दोनों को 8 जुलाई को सेवरी कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने सुनवाई के बाद राजेश को शाह को ज्यूडीशियल कस्टडी और ड्राइवर बीदावत को एक दिन की पुलिस रिमांड में भेजा था।

वर्ष-29 अंक : 108 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आषाढ शु.4 2081 बुधवार,** 10 जुलाई-2024

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

'युद्ध के मैदान में समाधान संभव नहीं, शांति के लिए वार्ता जरूरी'

पुतिन से मुलाकात में बोले पीएम मोदी

मॉस्को, 9 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय रूस के दौरे पर हैं। आज अपने दौरे के दूसरे दिन पीएम मोदी ने द्विपक्षीय वार्ता में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से चर्चा कर रहे हैं। पीएम ने पुतिन से वार्ता के दौरान आतंकवाद का मुद्दा उठाया है। पीएम ने कहा कि आतंकवाद हर देश के लिए खतरा बना हुआ है। साथ ही पीएम ने अपनी बातचीत के दौरान कोरोना काल के वक्त हुई भारत-रूस की पेट्रोल-डीजल डील की भी सराहना की है। साथ ही व्लादिमीर पुतिन ने पीएम मोदी को कजान में ब्रिक्स सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया है। ये शिखर सम्मेलन 22 से 24 अक्टूबर को रूस में आयोजित किया जाएगा। पीएम ने कहा कि संघर्ष से मानव के लिए संकल्प भारत-रूस मित्रता के करण में अपने किसानों के लिए फूड, फ्यूल और उर्वरक प्राप्त करने में सक्षम था। ये सब हमारी दोस्ती की भूमिका के कारण हुआ। हमारे किसानों के प्रति प्रतिबद्धता, रूस भारत सहयोग और बढ़े, आम आदमी को भोजन और ईंधन की मदद मिले। ऐसे समय अपने के सहयोग के चलते पेट्रोल-डीजल की महंगाई से बचाया। दुनियाभर को ये समझना होगा कि भारत-रूस का पेट्रोल-डीजल पर सहयोग सराहनीय है। हमारे इस कारोबार के कारण भारत के लोगों को पेट्रोल डीजल की मार से बचा पाए इसके लिए मैं रूस का धन्यवाद करता हूं।

'मेकिंग इंडिया से भारतीय युवाओं को मिला रोजगार' :

भारत का जो मेकिंग इंडिया का आइडिया है उसकी तारीफ करनी होगी। इससे भारतीय युवाओं के लिए रोजगार के लिए नए आयाम बना है। आने वाले दिनों में इसके अच्छे परिणाम मिलने और भारत-रूस की दोस्ती और मजबूत होगी। भारत और रूस के बीच समझौता दुनिया में स्थिरता लाई है। दुनिया के अन्य हिस्सों में पेट्रोल-डीजल का संकट है, लेकिन भारत पर इसका असर नहीं है, रूस ने भारत को महंगाई से बचाया, भारत में विनिर्माण रूस का ही सहयोग है। इससे भारत में युवाओं के लिए नौकरियां मिली और विनिर्माण के नए रास्ते खुले।

हमने 4 से 5 घंटे मुद्दों पर किया विश्लेषण

पीएम मोदी ने आगे कहा कि मेरी इस रूस की यात्रा पर पूरी दुनिया का ध्यान केंद्रित है और हम एक साथ 4 से 5 घंटे अपने मुद्दों पर विश्लेषण कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन पर बोलते हुए कहा कि यूक्रेन पर सम्मानजनक तरीके से विचारों का आदान-प्रदान किया गया। भारत ने सफलतापूर्वक जी-20 का आयोजन किया गया। सभी लोग विश्व में शांति चाहते हैं, मानवता शांति चाहती है, छोटे बच्चों को मारा जाना हृदय विदारक है, यह डरावना है। हमने विस्तार से बात की, जब निर्दोष लोग मरते हैं तो मानवता लहूलुहान हो जाती है।

कांग्रेस पर जमकर बरसे केटीआर, लगाए गंभीर आरोप

* राहुल गांधी पर भी बोला हमला, कहा-यह किस तरह का पाखंड?

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने तेलंगाना में विधायकों के अवैध दलबदल को बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस के खिलाफ अपनी लड़ाई तेज करने का फैसला किया है। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि वे लोगों के सामने कांग्रेस के पाखंड और दोहरे मानदंडों को उजागर करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। रामा राव पूर्व मंत्री टी हरीश राव के साथ दिल्ली में रुके थे और दलबदलू निर्वाचित प्रतिनिधियों को अयोग्य ठहराने की मांग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के तरीके तलाशने के लिए कई कानूनी और संवैधानिक विशेषज्ञों से परामर्श किया था।

उन्होंने कहा कि हमने दलबदलू विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग करते हुए तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष और तेलंगाना उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी याचिकाएं पहले ही प्रस्तुत कर दी हैं। हम परिणाम के आधार पर आगे कदम उठाएंगे। मंगलवार को दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए रामा राव ने इस संबंध में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और भारत के चुनाव आयोग से संपर्क करने की योजना का खुलासा किया। पार्टी आगे की रणनीति पर चर्चा करने के लिए कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में समान विचारधारा वाले राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित करने पर भी विचार कर रही है। पार्टी ने भाजपा और कांग्रेस के सभी पीड़ितों को दलबदल के खिलाफ संयुक्त लड़ाई के लिए एक साथ आने का निमंत्रण दिया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने दलबदल के लिए पर्दा उठाया और भारत में 'आयाराम-गयाराम' संस्कृति की शुरूआत की, लेकिन उसी पार्टी ने 1987 में दलबदल विरोधी कानून पेश किया। एक बार फिर, कांग्रेस उसी दलबदल विरोधी कानून का घोर उल्लंघन करते हुए तेलंगाना में दलबदल को बढ़ावा दे रही है। >14

'पांच सैन्यकर्मियों की हत्या का बदला लेंगे'

सरकार की बुरी ताकतों को चेतावनी

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में कल आतंकवादियों ने हमला किया था। इससे उत्तराखंड के पांच जवान शहीद हो गए। इस खबर के बाद से देवभूमि शोक में डूब गई है। परिजन सदमे में है तो वहीं बलिदानियों के घर-गांव में मातम पसर गया है। इस बीच, रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने कड़े शब्दों में कहा कि पांचों जवानों की हत्या का बदला लिया जाएगा और भारत इस हमले के पीछे की बुरी ताकतों को छोड़ेगा नहीं। वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जवानों की शहादत पर दुख जताया और कहा कि सशस्त्र सेनाएं क्षेत्र में शांति लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू :

गौरतलब है, कठुआ के बिलावर उपजिले में बदनोता के बरनूड इलाके में जेंडा नाले के पास सेना के एक वाहन पर आतंकियों ने सोमवार को घात लगाकर हमला कर दिया था। आतंकी हमले में पांच जवान बलिदान हो गए। वहीं कुछ अन्य बुरी तरह से घायल हो गए। हाई अलर्ट और हमले के इनपुट के बीच जम्मू-कश्मीर में एक माह में सबसे बड़ा आतंकी हमला अंजाम दिया गया। हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया जा चुका है।

कठिन समय में परिवार के साथ खड़ा देश :

रक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, जम्मू कश्मीर के बदनोता में आतंकवादी हमले में भारतीय सेना के पांच बहादुर जवानों की शहादत से दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। देश इस कठिन समय में उनके साथ खड़ा है। आतंकवाद रोधी अभियान जारी है और हमारे सैनिक क्षेत्र में शांति और व्यवस्था कायम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

विश्व हिंदू परिषद ने मंदिरों और तीर्थ स्थलों से मुस्लिम दुकानों को बंद करवाने की मांग की

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने सभी राज्य सरकारों से हिंदू मंदिरों और तीर्थ स्थलों के क्षेत्रों से मुस्लिम दुकानों को बंद करवाने की मांग की है। विहिप के केंद्रीय महामंत्री बजरंग बागड़ा ने कहा कि उन्हें अनेक स्थानों से जानकारी मिली है कि जो लोग 'भारत माता की जय' या 'वंदे मातरम' भी नहीं बोल सकते और मूर्ति पूजा के विरोधी हैं, वे छद्म नामों से या हिंदू देवी-देवताओं के नामों से या हिंदू आस्था केंद्रों के नाम से हिंदू धर्म स्थलों पर प्रसाद और पूजा सामग्री बेच रहे हैं। देशभर से अनेकों प्रत्यक्ष ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जहां सब्जियों सहित अन्य खाद्य एवं पेय सामग्रियों पर थूककर उन्हें अपवित्र करने के बाद श्रद्धालुओं को बेचा जाता है, जिससे हिंदुओं की भावनाएं आहत हो रही हैं। विहिप महामंत्री ने आगे कहा कि देश के अनेक तीर्थों में भगवान के भोग, श्रृंगार व अर्पण इत्यादि से जुड़ी अनेक वस्तुओं को मुस्लिम समाज के लोग अपवित्र कर बेच रहे हैं, जो कि हिंदू आस्था के साथ खिलवाड़ है, जिसे अविलंब रोका जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू परिषद सभी राज्य सरकारों से मांग करती है कि वे हिंदू मंदिरों व धर्मस्थलों की पवित्रता को बनाए रखने हेतु मजहबी धोखेबाजों के विरूद्ध तुरंत प्रभावी कदम उठाएं, जिससे समाज की आस्था व विश्वास को किसी प्रकार की क्षति ना पहुंचे।

पतंजलि ने 14 प्रोडक्ट्स की बिक्री रोकी

* सुप्रीम कोर्ट में जानकारी दी

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड ने बाजार में अपने 14 प्रोडक्ट्स की बिक्री रोक दी है। उत्तराखंड ने अप्रैल में इन प्रोडक्ट्स के मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस सस्पेंड किए थे। पतंजलि ने मंगलवार (9 जुलाई) को सुप्रीम कोर्ट में इसकी जानकारी दी। कंपनी ने जस्टिस हिमा कोहली और संदीप मेहता की बेंच को बताया कि लाइसेंस रद्द होने के बाद 5,606 फ्रेंचाइजी स्टोर्स को 14 प्रोडक्ट्स वापस लेने का निर्देश दिया गया है। साथ ही मीडिया प्लेटफार्म्स से भी प्रोडक्ट्स के विज्ञापन वापस लेने का निर्देश दिया गया है। बेंच ने पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड को दो सप्ताह के भीतर एक एफिडेविट दायर करने का निर्देश दिया है। इसमें कंपनी को बताना है कि क्या सोशल मीडिया को-आर्डिनेटर्स ने इन प्रोडक्ट्स के विज्ञापन हटाने के उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया है और क्या उन्होंने विज्ञापन वापस ले लिए हैं। इस मामले की अगली सुनवाई अब 30 जुलाई को होगी। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 14 मई को पतंजलि आयुर्वेद से पूछा था कि जिन 14 प्रोडक्ट्स के लाइसेंस कैंसिल किए गए हैं। उनके विज्ञापन वापस लेने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। कोर्ट ने पतंजलि को एफिडेविट फाइल करने के लिए 3 हफ्ते का वक्त दिया था। सुप्रीम कोर्ट पतंजलि के खिलाफ इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें पतंजलि पर कोविड वैक्सीनेशन और एलोपैथी इलाज के खिलाफ बदनामी का अभियान चलाने का आरोप लगाया गया है। >14

सुप्रीम कोर्ट करेगी हाथरस भगदड़ मामले की सुनवाई

तय हुई तारीख; याचिका में की गई ये मांगें

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। हाथरस भगदड़ मामले को लेकर बड़ा अपडेट आया है। दरअसल, अब इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में होगी जिसकी तारीख भी तय हो चुकी है। भगदड़ को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जनहित याचिका पर जल्द से जल्द सुनवाई की मांग की गई है। बता दें कि इस हादसे में 121 लोगों की मौत हुई थी।

किसने की याचिका दाखिल?

हाथरस भगदड़ मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट के वकील विशाल तिवारी ने याचिका दाखिल की है। जनहित याचिका में भगदड़ की जांच के लिए शीर्ष अदालत के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति गठित करने की मांग की गई है। याचिका में घटना के जिम्मेदार लोगों और अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए भी कहा गया है।

हाथरस मामले में क्या बोले सीजेआई चंद्रचूड़?

याचिकाकर्ता और अधिवक्ता विशाल तिवारी ने तत्काल सुनवाई के लिए अपनी याचिका का उल्लेख किया है। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने इस मामले को लेकर कल (सोमवार) को ही याचिका को सूचीबद्ध करने का आदेश दे दिया था। इसके अलावा उत्तर प्रदेश सरकार को 2 जुलाई की घटना पर स्थिति रिपोर्ट पेश करने और अधिकारियों, कर्मचारियों और अन्य के खिलाफ उनकी लापरवाही के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है।

कैसे हुआ हाथरस हादसा?

पिछले मंगलवार को हाथरस में एक धार्मिक समागम में भगदड़ मचने से 121 लोगों की मौत हो गई थी। हाथरस जिले के फुलराई गांव में बाबा नारायण हरि द्वारा आयोजित 'सत्संग' के लिए 2.5 लाख से अधिक श्रद्धालु एकत्र हुए थे, जिन्हें साकार विश्वहरि भोले बाबा के नाम से भी जाना जाता है।

शिवकाशी में पटाखा बनाने वाली फैक्ट्री में विस्फोट

आसमान में छाया काले धुंए का गुबार; 2 की झुलसने से मौत

चैन्नई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले के शिवकाशी में मंगलवार को एक पटाखा निर्माण फैक्ट्री में जोरदार विस्फोट हुआ। इस धमाके में दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। अग्निशमन विभाग ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए शिवकाशी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। धमाके का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में इलाके से भारी मात्रा में धुआं निकलता हुआ दिख रहा है। राहत और बचावकर्मी इस समय घटनास्थल पर मौजूद है। इससे पहले 9 मई को भी शिवकाशी के पास एक पटाखा निर्माण कारखाने में जोरदार विस्फोट हुआ था।

'इतना भी स्कोर नहीं कर सकते और वकील बनना चाहते हैं', किस बात पर भड़के सीजेआई चंद्रचूड़

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ अक्सर अपनी हाजिरजवाबी के लिए चर्चा में बने रहते हैं। अक्सर सुप्रीम कोर्ट में उनके पास कई ऐसे मामले आते हैं जिनसे सीजेआई चंद्रचूड़ भी हैरान हो जाते हैं और उन्हें भड़कना पड़ता है। ऐसा ही एक मामला मंगलवार को सामने आया जब उनके समक्ष अखिल भारतीय बार परीक्षा में योग्यता अंक कम करने की मांग को लेकर याचिका पहुंची। आइए जानते हैं कि इस याचिका पर सुनवाई में क्या सब हुआ।

क्या की गई है याचिका में मांग?

सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई याचिका में मांग की गई है कि अखिल भारतीय बार परीक्षा में योग्यता अंक कम किया जाए। याचिका में कहा गया है कि परीक्षा में योग्यता अंक सामान्य वर्ग/ओबीसी के लिए 40% और एससी/एसटी उम्मीदवारों के लिए 35% होना चाहिए। वर्तमान में जरूरी अंक 45% और 40% हैं।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने क्या कहा?

सुप्रीम कोर्ट ने अखिल भारतीय बार परीक्षा में योग्यता अंक कम करने की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि आप इतना भी स्कोर नहीं कर सकते लेकिन वकील बनना चाहते हैं? आप पढ़ो।

आईएम के आतंकी फैजान को लेकर एटीएस पहुंची खंडवा, फिर मांगेगी रिमांड

खंडवा, 9 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश एंटी टेररिज्म स्क्वॉड (एमपी एटीएस) मंगलवार सुबह इंडियन मुजाहिदीन के संदिग्ध आतंकी फैजान को लेकर खंडवा पहुंची। उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। उसकी पांच दिन की रिमांड अवधि पूरी हो चुकी है और इस दौरान पूछताछ में उसने कई अहम खुलासे किए हैं। खंडवा जिले के वार्ड क्रमांक 11 स्थित एक मकान से गुरुवार को फैजान को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। मध्य प्रदेश एटीएस की टीम ने उसके साथ एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया था। आतंकी फैजान पर आरोप है कि उसके संबंध इंडियन मुजाहिदीन जैसे खूंखार आतंकवादी संगठनों से हैं। बीते कई साल से प्रतिबंधित इस्लामी आतंकी संगठन सिमी के सदस्यों के साथ भी फैजान लगातार संपर्क में था। पुलिस के विशेष दल की उस पर नजर थी। पुलिस ने आतंकी फैजान से पूछताछ के लिए खंडवा न्यायालय से उसका पांच दिन का रिमांड लिया था। मंगलवार को यह अवधि समाप्त हो रही है। उसे खंडवा कोर्ट में पेश किया जाएगा। इस संबंध में फैजान को लेकर मध्य प्रदेश एटीएस की टीम भोपाल से खंडवा पहुंच गई है। फैजान ने रिमांड अवधि के दौरान पूछताछ में कई अहम खुलासे किए हैं। पूछताछ में बताया गया कि वह लोन-वुल्फ अटैक (अकेले ही हमला) करने की योजना बना रहा था। उसके घर से बड़ी मात्रा में पुलिस को कट्टर विचारधारा की प्रतिबंधित सामग्री भी मिली थी।

गंदा वीडियो रिकॉर्ड करने के लिए बच्चे को थमाया था फोन

कोर्ट पहुंचा मामला क्या बोले जज?

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने यौन गतिविधियों को बच्चे से रिकॉर्ड कराने वाले आरोपी को अग्रिम जमानत दे दी है। हाईकोर्ट ने पॉक्सो एक्ट के केस में एक शख्स को राहत दी है। शख्स पर कथित तौर पर आरोप है कि वो पीड़ित बच्चे की मां के साथ यौन संबंध में बना रहा था और उसी समय उसने बच्चे को वीडियो रिकॉर्ड करने को कहा था। पीड़ित बच्चे की मां पर भी आरोप होने के कारण हाईकोर्ट ने बच्चे को लीगल सर्विसेज देने की बात कही है।

साथ ही उसके लिए वकील की भी सुविधा दी जाए। लाइव ला की रिपोर्ट के अनुसार, अदालत

भी इस बात से हैरान रह गई कि इस मामले में पीड़ित बच्चे की मां पर भी वीडियो बनाने के आरोप लगे थे।

इस मामले की अगली सुनवाई 19 जुलाई को होनी है। अगली सुनवाई तक आरोपी को जमानत से राहत मिली रहेगी।

कोर्ट ने जमानत का क्या बताया आधार?

कोर्ट ने कहा जमानत का आधार बताया कि यदि आरोपी यानि आवेदक जांच में सहयोग कर रहा है, इसलिए उसे अंतरिम जांच के तहत सुरक्षा दी जा रही है। कोर्ट ने कहा कि ये सुरक्षा अगली सुनवाई तक के लिए है। कोर्ट ने कहा कि आवेदक अदालत की कार्रवाई में सहयोग कर रहा है, इसलिए उसे अंतरिम जमानत दे दी गई है, अगर वो जमानत की शर्तों को तोड़ता है तो उसकी जमानत रद्द कर दी जाएगी।

क्या है मामला?

नवी मुंबई में एक एफआईआर दर्ज की गई, जिसमें आरोपी और पीड़ित बच्चे की मां पर आरोप था कि दोनों ने ही साथ मिलकर यौन संबंध बनाने की गतिविधियों की रिकॉर्डिंग के लिए मोबाइल बच्चे को दिया था। इस मामले में जमानत पाने के लिए आवेदक ने हाईकोर्ट का दरवाजा अग्रिम जमानत के लिए खटखटाया। आरोपी को अग्रिम जमानत मिल गई है। फिलहाल, मोबाइल को जब्त कर लिया गया है। अगली सुनवाई तक उसे अग्रिम जमानत से राहत मिली रहेगी।

ऑर्गन ट्रांसप्लांट रैकेट चलाने के आरोप में महिला डॉक्टर समेत 7 गिरफ्तार, बांग्लादेश से जुड़े तार

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मंगलवार को ऑर्गन ट्रांसप्लांट रैकेट को लेकर बड़ा खुलासा किया है। इस मामले में क्राइम ब्रांच की टीम ने 50 साल के एक डॉक्टर समेत 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच के मुताबिक इस रैकेट में शामिल लोगों के तार बांग्लादेश से जुड़े हुए हैं दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच के अनुसार ह्यूमन ऑर्गन ट्रांसप्लांट रैकेट में शामिल लोग हर ट्रांसप्लांट के लिए 25 से 30 लाख रुपये लेते थे। डोनर और रिसीवर दोनों ही बांग्लादेश से थे। रैकेट में शामिल लोग साल 2019 से मानव अंगों की तस्करी का रैकेट चला रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली पुलिस का दावा है कि बांग्लादेश से संचालित किडनी रैकेट के सिलसिले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है। रैकेट में शामिल लोगों ने अब तक उत्तर प्रदेश के नोएडा के एक अस्पताल में करीब 16 मरीजों का ऑपरेशन किया है। यह रैकेट बांग्लादेश से राजस्थान तक चलाया जा रहा था। पुलिस के मुताबिक इन डोनर्स को बांग्लादेश से उपचार या फिर जॉब दिलाने के नाम पर यहां लाया जाता था, किडनी निकाल लिया जाता था। पुलिस उपायुक्त (अपराध) अमित गोयल ने के मुताबिक गिरफ्तार डॉक्टर जिसकी पहचान विजया कुमारी के रूप में हुई है। वह दिल्ली के सरिता विहार के एक अस्पताल में कार्यरत थी। हालांकि, उसने नोएडा के एक अस्पताल में करीब 16 में ऑर्गन ट्रांसप्लांट में मदद की थी। पुलिस की जांच में पता चला था कि डॉक्टर दिल्ली के अस्पताल में पेरोल पर थी।

युवा किसान शुभकरण के परिवार को 1 करोड़ का चेक

सरकारी नौकरी भी मिली, सीएम मान सौंपा नियुक्ति पत्र

चंडीगढ़, 9 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब के युवा किसान शुभकरण की किसानों के प्रदर्शन के दौरान मौत हो गई थी। मंगलवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान मृतक किसान शुभकरण के परिवार से मिले और उन्होंने परिवार को एक करोड़ रुपये का चेक सौंपा। शुभकरण के परिजन मुख्यमंत्री आवास सीएम मान से मिलने पहुंचे थे। इस दौरान परिवार को 1 करोड़ रुपये का चेक और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र भी दिया गया। शुभकरण की इसी साल फरवरी में किसान प्रदर्शन के दौरान मौत हुई थी। पंजाब-हरियाणा सीमा पर फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी देने वाले कानून की मांग को लेकर प्रदर्शन के दौरान

शुभकरण की मौत हुई थी। घटना 21 फरवरी को घटी थी। आरोप है कि हरियाणा पुलिस द्वारा चलाई गई गोली लगने से उसकी मौत हो गई। इस मामले में पंचकूला निवासी एडवोकेट उदय प्रताप सिंह ने पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए जांच की मांग की थी।

न्यायिक कमेटी कर रही जांच

हाईकोर्ट ने 7 मार्च को शुभकरण सिंह की मौत की जांच के लिए एक सेवानिवृत्त हाई कोर्ट के जज की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की थी।

3 सदस्यीय कमेटी की अध्यक्षता पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट की पूर्व जस्टिस जयश्री ठाकुर को सौंपी गई थी। उनके साथ हरियाणा के एडीजीपी अमिताभ सिंह ढिल्लों व पंजाब के एडीजीपी प्रमोद बन को कमेटी का हिस्सा बनाया गया था। कमेटी को जांच करनी थी कि शुभकरण की मौत हरियाणा के क्षेत्राधिकार में हुई थी या पंजाब के क्षेत्र में, मौत का कारण क्या था और किस हथियार का इस्तेमाल किया गया था। इसके साथ ही आंदोलनकारियों पर बल प्रयोग किया गया था क्या वह परिस्थितियों के अनुरूप था या नहीं और शुभकरण की मौत के मुआवजे को लेकर भी कमेटी को फैसला लेना है।

खराब विजिबिलिटी के कारण कतर एयरवेज की गोवा जाने वाली फ्लाइट को बेंगलुरु किया गया डायवर्ट

आईएमडी ने जारी किया रेड अलर्ट

पणजी, 9 जुलाई (एजेंसियां)। बदले हुए खराब मौसम के कारण कई हवाई सेवाएं बाधित हो रही हैं। जिसके कारण यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मनोहर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एमआईए) पर खराब विजिबिलिटी के कारण दोहा से गोवा जाने वाली कतर एयरवेज की उड़ान को मंगलवार तड़के बेंगलुरु की ओर मोड़ दिया गया। इसकी जानकारी एक अधिकारी ने दी। एमआईए के एक अधिकारी ने बताया कि कतर एयरवेज की उड़ान (क्यूआर522) को रात 1.50 बजे खराब विजिबिलिटी के कारण उत्तरी गोवा के मोपा स्थित मनोहर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने की मंजूरी नहीं मिल सकी। अधिकारी ने बताया कि विमान दोहा से आया था।

बस में सवार थे 30 यात्री

अचानक बीच सड़क पर धू-धूकर जलने लगी

बेंगलुरु, 9 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के एमजी रोड पर मंगलवार सुबह महानगर निगम की बस में आग लग गई। बस में 30 लोग सवार थे। हालांकि, समय रहते सभी को सुरक्षित बस से उतार लिया गया। बेंगलुरु महानगर निगम ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन के अधिकारियों के मुताबिक, बस कोरमंगला डिपो से अटैच्ड थी। जब एमजी रोड पर अनिल कुंबले सर्किल के पास से गुजर रही थी, तभी बस के इंजन में अचानक आग लग गई। ड्राइवर ने बस को तुरंत रोका और उसमें सवार 30 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। अग्निशमन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर तत्काल बस में लगी आग पर काबू पा लिया।

अमेठी में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर हादसा

इसके अलावा यूपी अमेठी में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर आधी रात को बड़ा हादसा हो गया। दिल्ली से सिवान जा रही बस की अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई। इस हादसे में बस सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 12 लोग घायल हो गए। घटना मंगलवार रात 2:00 बजे की है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का एक हिस्सा उड़ गया। हादसा शुक्ला बाजार थाना के पास हुआ। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से घायल तीन यात्रियों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

बेगूसराय में ऑटो-कार की जोरदार टक्कर

वहीं, बिहार के बेगूसराय में मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। ऑटो और कार की जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में छह लोगों ने जान गंवा दी। कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटना एफसीआई थाना क्षेत्र के बीहट रतन चौक के पास एनएच- 31 की है।

पीएम मोदी रूस, इटली और लंदन जाते हैं

लेकिन मणिपुर क्यों नहीं जाते हैं: संजय राउत का हमला

इंफाल, 9 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर में हुई हिंसा को लेकर विपक्षी पार्टियां मोदी सरकार पर हमलावर है। इस बीच शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वो मणिपुर क्यों नहीं जाते हैं। राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा, "पीएम मोदी क्यों नहीं जा रहे हैं मणिपुर? मणिपुर का मुद्दा तो लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी उठा। पीएम मोदी रूस, इटली, लंदन जाते हैं।।महाराष्ट्र में 10 बार आते हैं। मणिपुर क्यों नहीं जाते हैं, मणिपुर हमारे देश का हिस्सा नहीं है? कश्मीर में क्यों नहीं जाते हैं।"

राहुल गांधी का मणिपुर दौरा

उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मणिपुर दौरे को लेकर सवाल किया गया था। रायबरेली से सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को मणिपुर में हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने पीएम पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा, ''प्रधानमंत्री को बहुत पहले ही मणिपुर का दौरा कर लेना चाहिए था।

उनका मणिपुर आना बहुत जरूरी है। मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वह मणिपुर आएं और यहां क्या हो रहा है, इसे समझने का प्रयास करें। लोगों की पीड़ा सुनें, इससे उन्हें राहत मिलेगी।'' राहुल गांधी ने कहा कि पिछले साल मई में हिंसा शुरू होने के बाद से यह राज्य की उनकी तीसरी यात्रा है, लेकिन उन्हें स्थिति में कोई सुधार नहीं दिख रहा है। उन्होंने राज्यपाल से भी मुलाकात की। मणिपुर में पिछले साल मई से मेइती और कुकी समुदायों के बीच हुई जातीय हिंसा में 200 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

तमिलनाडु सरकार ने नए क्रिमिनल लॉ में संशोधन के सुझाव देने के लिए किया समिति का गठन, पी चिदंबरम ने फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने मंगलवार को तीन नए आपराधिक कानूनों में राज्य-विशिष्ट संशोधनों का सुझाव देने के लिए एक समिति नियुक्त करने के तमिलनाडु सरकार के फैसले का स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आपराधिक कानून एक समवर्ती सूची का विषय है जो राज्य विधायिका को संशोधन करने के लिए सक्षम बनाता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि आपराधिक न्यायशास्त्र के आधुनिक सिद्धांतों के अनुरूप आपराधिक कानून बनाए जाने चाहिए।

तमिलनाडु सरकार के फैसले का करता हूं स्वागत- चिदंबरम

पूर्व गृह मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं 1 जुलाई 2024 को लागू होने वाले तीन आपराधिक कानूनों में राज्य संशोधन का सुझाव देने के लिए एक समिति नियुक्त करने के तमिलनाडु सरकार के फैसले का स्वागत करता हूं। चिदंबरम ने कहा कि आपराधिक कानून संविधान की समवर्ती सूची का विषय है और राज्य विधानमंडल इसमें संशोधन करने के लिए सक्षम है।

समिति करे सभी हितधारकों से साथ चर्चा- चिंदबरम

उन्होंने कहा, मैं न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) श्री के। सत्यनारायणन की एक-व्यक्ति समिति के रूप में नियुक्ति का भी स्वागत करता हूं। मैं समिति से अनुरोध करता हूं कि वह न्यायाधीशों, वकीलों, पुलिस, विधि शिक्षकों, विद्वानों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं सहित सभी हितधारकों के साथ परामर्श करे। नए आपराधिक कानूनों में तमिलनाडु-विशिष्ट संशोधनों को प्रभावी करने की दिशा में पहला कदम उठाते हुए, मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के नेतृत्व में एक सदस्यीय समिति गठित करने का आदेश दिया, जो तीनों कानूनों का अध्ययन करेगी और संशोधन करने के संबंध में राज्य सरकार को सिफारिशें करेगी।

एक सदस्यीय समिति गठित करने का निर्देश

केंद्रीय कानूनों में राज्य के संशोधनों पर विचार-विमर्श के लिए यहां सचिवालय में एक उच्च स्तरीय परामर्श बैठक की अध्यक्षता करने के बाद स्टालिन ने अधिकारियों को मद्रास उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति एम सत्यनारायणन के नेतृत्व में एक सदस्यीय समिति गठित करने का निर्देश दिया। पैनल तीनों कानूनों के लिए 'राज्य स्तरीय नाम परिवर्तन' सहित संशोधनों का प्रस्ताव करने के लिए नए कानूनों का अध्ययन करेगा। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह समिति नए कानूनों की स्पष्ट रूप से जांच करेगी, राज्य स्तर पर अधिवक्ताओं सहित हितधारकों के साथ परामर्श करेगी और एक महीने के भीतर राज्य सरकार को (राज्य स्तरीय संशोधनों पर) एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

चिदंबरम ने नए कानून बनाने के तरीके पर किया हमला

नए आपराधिक कानूनों पर कांग्रेस नेता पी।चिदंबरम के 'पार्ट टाइमर' पर उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के कड़ी आपत्ति जताने के बाद रविवार को चिदंबरम ने नए कानून बनाने के तरीके पर कड़ा प्रहार किया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि ऐसे अहम बिल को विधि आयोग को मूर्त रूप देना चाहिए था, नाकि एक समिति के 'पार्ट टाइम' सदस्यों को इसका मसौदा तैयार करना चाहिए था। चिदंबरम ने एक्स पर पोस्ट जारी करते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मई, 2020 में एक समिति का गठन किया था। आपराधिक कानूनों में सुधार के लिए इस समिति में एक अध्यक्ष, संयोजक और सदस्य थे। लेकिन एक को छोड़कर ज्यादातर सदस्य विभिन्न विश्वविद्यालयों के सेवारत प्रोफेसर थे। इनमें समिति में बतौर 'पार्ट टाइम' सदस्य के रूप में कार्य किया।

कठुआ में आतंकियों ने इस्तेमाल की चाइनीज गोलियां और ग्रेनेड?

कठुआ, 9 जुलाई (एजेंसियां)। बीते सोमवार की रात भारत के लोगों के लिए दुख भरी रही। जम्मू कश्मीर के कठुआ में आतंकियों ने घात लगाकर भारतीय सेना की बस पर हमला किया। इस कायराना हमले में सेना के 5 जवान शहीद हो गए और 5 घायल भी हुए हैं।

इस घटना के बाद से भारतीय सेना के जवान आतंकियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। वहीं, अब इस पूरी आतंकी साजिश को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। जिस जगह पर भारतीय सेना पर हमला हुआ है वह इलाका एक तरफ से हिमाचल प्रदेश को पहाड़ों को पार करते हुए कनेक्ट करता है तो दूसरी तरफ उधमपुर और तीसरी तरफ के पहाड़ भद्रवाह की तरफ जाते हैं। आतंकियों ने गाड़ी के ऊपर पहाड़ से छुप कर और फिर नीचे उतर पर सामने से फायरिंग की है। ये पहाड़ी इलाके हैं और इस समय बहुत सारी गुफाएं और आतंकियों के छुपने की जगहें हैं।

आम आदमी पार्टी की जमीन तैयार करने वाले नेता प्रदीप छाबड़ा का देहांत, पीजीआई में ली अंतिम सांस

चंडीगढ़, 9 जुलाई (एजेंसियां)। चंडीगढ़ के पूर्व मेयर और पंजाब के लार्ज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बोर्ड के चेयरमैन प्रदीप छाबड़ा का आज पीजीआई में देहांत हो गया। वह चंडीगढ़ के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक माने जाते थे। उनके देहांत पर चंडीगढ़ नगर निगम में मौन भी रखा गया। बता दें कि चंडीगढ़ नगर निगम की हाउस की मीटिंग शुरू हो चुकी है। इसमें भाजपा के पार्षद कंवरजीत राणा ने कहा कि प्रदीप छाबड़ा चंडीगढ़ के पूर्व में रहे हैं। इसलिए उनके सम्मान में आज की बैठक को रद्द कर देना चाहिए। जिसको लेकर हाउस की बैठक में बहस शुरू हो गई। जानकारी के अनुसार बैठक में आज अनिल मसीह भी पहुंचे हैं। उनको लेकर हंगामा शुरू हुआ और आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के पार्षदों ने उनका विरोध किया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 10 जुलाई, 2024 3

सुविचार

अहंकार मनुष्य का बहुत बड़ा दुश्मन है। वह सोने के हार को भी मिट्टी का बना देता है।

मुख्यमंत्री रेवंत ने राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया

एनएचएआई के अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में पूर्ण सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को यहां अपने आवास पर सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी के साथ भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि यदि सड़कों के निर्माण में कोई बाधा आती है तो राज्य सरकार सभी समस्याओं का समाधान करने और कार्यों के निष्पादन में पूर्ण सहयोग देने के लिए तैयार है। बैठक के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को तेलंगाना में एनएचएआई द्वारा किए जा रहे सड़कों के निर्माण में उत्पन्न होने वाली विभिन्न समस्याओं के बारे में बताया। जवाब में रेवंत रेड्डी ने कहा कि मुद्दों को हल करने के लिए बुधवार को सचिवालय में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने एनएचएआई अधिकारियों को सुझाव दिया कि हैदराबाद और मन्नेगुडा सड़क का काम तुरंत शुरू किया जाना चाहिए। अधिकारियों को हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण को तुरंत शुरू करने की सलाह दी गई। हैदराबाद-विजयवाड़ा के बीच ग्रीन फील्ड हाईवे की मंजूरी के लिए आंध्र प्रदेश सरकार के प्रयासों की याद दिलाते हुए मुख्यमंत्री ने एनएचएआई अधिकारियों से क्षेत्रीय रिंग रोड के निर्माण में सहयोग करने को कहा, जिसे तेलंगाना सरकार ने प्रतिष्ठापूर्वक अपने हाथ में लिया है।

रेवंत रेड्डी ने यह भी याद दिलाया कि हाल ही में नई दिल्ली की अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई भारत माला योजना के तहत आरआरआर परियोजना को हाथ में लेने का अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री ने बताया, आउटर रिंग रोड और रीजनल रिंग रोड के बीच कुल 12 रेडियल सड़कें बनाई जा रही हैं। इनके बीच कई क्लस्टर और सैटेलाइट टाउनशिप बसाए जाएंगे। चूंकि तेलंगाना में तटीय क्षेत्र नहीं है, इसलिए एक ड्राई पोर्ट बनाया जाएगा और इसके लिए बंदर पोर्ट को जोड़ने के लिए एक हाई स्पीड एक्सप्रेसवे बनाया जाएगा।

उन्होंने अधिकारियों को हैदराबाद-कलवाकुर्ती राष्ट्रीय राजमार्ग का काम शुरू करने का सुझाव भी दिया क्योंकि यह सड़क दोनों तेलुगु राज्यों के लिए रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है, जो तिरुपति की दूरी को 70 किमी कम कर देती है। इसके अलावा, प्रस्तावित राजमार्ग महाराष्ट्र, कर्नाटक राज्यों के साथ-साथ हैदराबाद से तिरुपति जाने वालों के लिए सुविधाजनक होगा।

निरंजन ने चंद्रबाबू को तेलंगाना मामलों पर बात न करने की चेतावनी दी

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी. निरंजन ने आज कहा कि यदि तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के तेलुगु लोगों को आपसी सहयोग से विकास करना है, तो चंद्रबाबू को तेलंगाना की राजनीति में रुचि लेना बंद कर देना चाहिए और तेलंगाना में टीडीपी को समाप्त कर आंध्र क्षेत्र तक सीमित कर देना चाहिए। तेलंगाना के लोग हैदराबाद में चंद्रबाबू को दिए गए स्वागत और सम्मान से खुश नहीं हैं। अति महत्वाकांक्षी चंद्रबाबू ने एनटीआर भवन में बोलते हुए घोषणा की कि वे तेलंगाना में टीडीपी को मजबूत करने में रुचि लेंगे। यदि आप हैदराबाद के विकास के लिए खुद पर गर्व करते हैं, तो हमें तेलंगाना को हुए नुकसान का खुलासा करना होगा। तेलंगाना के गठन की प्रक्रिया शुरू करने के लिए 9 दिसंबर 2009 को चिदंबरम के बयान का स्वागत करने वाले चंद्रबाबू ने तुरंत अपना रुख बदल दिया और तेलंगाना के गठन में बाधाएं पैदा कीं। तेलंगाना के लोगों ने चंद्रबाबू को दूसरी बार आंध्र का मुख्यमंत्री बनने के लिए बधाई दी, लेकिन अगर उन्होंने तेलंगाना की राजनीति में अपनी उंगली डाली तो वे उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे।

किसी भी बीआरएस विधायक को कांग्रेस में शामिल होने के लिए मजबूर नहीं किया गया : बीरला

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी सचेतक बीरला इलैया ने स्पष्ट किया है कि किसी भी बीआरएस विधायक को कांग्रेस में शामिल होने के लिए मजबूर नहीं किया गया है और विपक्षी पार्टी के विधायक तेलंगाना में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की सरकार के प्रदर्शन को देखने के बाद ही स्वेच्छा से सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल हो रहे हैं। यहां मंगलवार को कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के मीडिया हॉल में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, कांग्रेस विधायक ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार में, विधायक पदों और अनुबंधों के लिए बीआरएस पार्टी में शामिल हुए थे, लेकिन आज बीआरएस विधायक रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार के बेहतरीन प्रशासन को देखने के बाद कांग्रेस पार्टी के दरवाजे खटखटा रहे हैं। उन्होंने हरीश राव और केटी रामा राव सहित बीआरएस नेताओं की विधायकों के दलबदल के बारे में बोलने के लिए आलोचना की और कहा कि उन्हें इस मामले पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव तेलंगाना में दलबदल की नैतिक प्रथा शुरू करने वाले पहले व्यक्ति थे। बीरला इलैया ने कहा, बीआरएस नेता कोई सबक नहीं सीख रहे हैं, भले ही लोगों ने विधानसभा और लोकसभा चुनावों में बीआरएस पार्टी को बुरी तरह हराया हो। उन्होंने आगे कहा कि बीआरएस विधायक अपने नेता के चंद्रशेखर राव के रवैये से तंग आ चुके हैं और अन्य 25 बीआरएस विधायक जल्द ही कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के लिए तैयार हैं।

'आरआर' टैक्स वसूलने में व्यस्त सीएम रेवंत : किशन रेड्डी

भूल गए चुनावी वादे

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने अपनी भ्रामक चुनावी गारंटी से लोगों को धोखा दिया, जो अब शर्तों से भरी हुई है। मंगलवार को धरना चौक पर भाजपा महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि 7 महीने बीत जाने के बावजूद कांग्रेस सरकार ने चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा नहीं किया है। आरटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा सुविधा को छोड़कर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने एक भी वादा पूरा नहीं किया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अभी तक महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति माह की वित्तीय सहायता, किसानों और बटाईदार किसानों को 15,000 रुपये प्रति एकड़ रैयत भरोसा, धान के लिए 500 रुपये प्लस एमएसपी का बोनस और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 4,000 रुपये की मासिक बढ़ी हुई पेंशन को लागू नहीं किया है। उन्होंने आगे कहा कि कल्याण लक्ष्मी योजना के तहत कांग्रेस ने प्रत्येक महिला को एक लाख रुपये और एक तोला सोना देने का वादा किया था, लेकिन अभी तक इस बारे में कोई घोषणा नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री राज्य में राहुल-रेवंत 'आरआर' टैक्स वसूलने में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनावी वादों को पूरा करने की बजाय उद्योगपतियों और ठेकेदारों से पैसा वसूलने में अधिक रुचि रखती है।

हॉस्टल कैंटीन की चटनी में तैरता मिला चूहा

छात्रों ने किया विरोध प्रदर्शन

संगारेड्डी, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सुल्तानपुर स्थित जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के छात्रावास कैंटीन में मूंगफली की चटनी के एक बड़े बर्तन में एक जिंदा चूहा तैरता हुआ मिलने से मंगलवार सुबह छात्रों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, हॉस्टल स्टाफ ने मंगलवार को नाश्ते में मूंगफली की चटनी के साथ इडली बनाई थी। छात्रों ने चटनी में जिंदा चूहे को घूमते हुए देखा और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। कुछ ही समय में यह वीडियो वायरल हो गया। छात्र और बीआरएस कार्यकर्ता इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं, जबकि छात्रावास प्रबंधन छात्रों को शांत करने की कोशिश कर रहा है।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मारी

भाजपा कार्यकर्ता की मौत

मेदक, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक के चेगुंटा मंडल में वडियारम-रामंतपुर थांडा मार्ग पर मंगलवार को सड़क दुर्घटना में भाजपा के एक बूथ अध्यक्ष की मौत हो गई। मृतक की पहचान नागुपल्ली निवासी कावेरी जयपाल रेड्डी (46) के रूप में हुई है। यह घटना उस समय हुई जब वह अपने दोपहिया वाहन से वडियारम जा रहा था, तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। रेड्डी की मौके पर ही मौत हो गई। मामला दर्ज कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए रामायमपेट के क्षेत्रीय अस्पताल ले जाया गया।

कांग्रेस सरकार ने बुनकरों को छोड़ा

केटीआर ने साधा निशाना * फैसले पर पुनर्विचार करे कांग्रेस

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बथुकम्मा साड़ियों का वितरण रोकने के लिए कांग्रेस सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने बुनकरों को छोड़ दिया है। उन्होंने राज्य सरकार से अपने निर्णय पर पुनर्विचार करने और बतुकम्मा साड़ियों का वितरण पुनः शुरू करने का आग्रह किया, जो कि बीआरएस सरकार द्वारा 7 वर्षों तक कायम रखी गई परंपरा थी।

रामा राव ने संकट में फंसे गरीब बुनकरों के लिए गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने बुनकरों के लिए एक और मौत की घंटी बजा दी है। उन्होंने बथुकम्मा साड़ियों का वितरण बंद करने के निर्णय की आलोचना की, जिसे बीआरएस सरकार ने दशहरा, रमजान और क्रिसमस जैसे त्योहारों के दौरान एक वार्षिक प्रथा बना दिया था।

बीआरएस सरकार के तहत, हर साल लगभग एक करोड़ साड़ियां वितरित की जाती थीं और इसका वार्षिक बजट 350 करोड़ रुपये था। इस योजना ने न केवल बुनकरों और सहायक श्रमिकों को आजीविका प्रदान की, बल्कि त्यौहारों के मौसम में गरीब महिलाओं के लिए खुशी भी लाई।

उन्होंने कहा कि यह पहल सिर्फ साड़ियों के वितरण से कहीं अधिक थी, यह अनगिनत परिवारों के लिए जीविका का साधन थी। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने बताया कि बुनाई क्षेत्र में संकट के कारण पिछले कुछ महीनों में 10 से अधिक बुनकरों ने आत्महत्या कर ली है। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस सरकार बथुकम्मा साड़ियों का उत्पादन बंद कर रही है। रामा राव ने मांग की कि कांग्रेस सरकार को अपने बिना सोचे-समझे फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए।

यौन उत्पीड़न मामले में पुलिस खामोश

पेड्डापल्ली में महिला ने किया प्रदर्शन

पेड्डापल्ली, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बेगमपेट की एक विवाहित महिला ने मंगलवार को रामगिरी पुलिस स्टेशन के सामने विरोध प्रदर्शन किया और उसके साथ यौन दुर्व्यवहार करने वाले व्यक्ति की गिरफ्तारी की मांग की। उसने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी के परिवार के सदस्य उसे धमकी दे रहे हैं कि अगर उसने अपनी शिकायत वापस नहीं ली तो वे उसे जान से मार देंगे। उसने कहा कि आरोपी और उसके रिश्तेदार स्थानीय विधायक और आईटी मंत्री डी श्रीधर बाबू का समर्थन होने का दावा कर रहे हैं। रामगिरी मंडल के बेगमपेट की रहने वाली महिला के अनुसार, शिव कुमार नामक व्यक्ति ने उसके बच्चों को जान से मारने की धमकी देकर कई बार उसका यौन शोषण किया। उसने उससे शादी करने का वादा भी किया, लेकिन बाद में मुकर गया। इसके बाद, उसने 25 मई को शिव कुमार और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ रामगिरी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

महिला ने शिकायत में कहा कि शिव कुमार ने उससे पांच तोला सोना और पांच लाख रुपये कथित तौर पर ले लिए थे, लेकिन उसने नकदी और सोना वापस करने से इनकार कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि एक महीने बाद भी पुलिस ने राजनीतिक दबाव के कारण आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया। उन्होंने कहा कि हालांकि उन्होंने डीसीपी से भी मुलाकात की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

इस बीच, शिव कुमार के भाई दसारी श्रीनिवास और बहन श्रावणी ने उसे शिकायत वापस न लेने पर जान से मारने की धमकी दी, उसने बताया कि सोमवार शाम को जब वह मेडिकल शॉप जा रही थी, तो उन्होंने उसे रोक लिया और जान से मारने की कोशिश की। उसने तुरंत अपने भाइयों और पुलिस को फोन किया। महिला ने आरोप लगाया कि शिव कुमार के रिश्तेदारों ने दावा किया है कि उन्हें मंत्री श्रीधर बाबू का समर्थन प्राप्त है। साथ ही, उसने यह भी आरोप लगाया कि कमानपुर मंडल कांग्रेस अध्यक्ष वैनाला राजू भी उनका समर्थन कर रहे हैं।

वायु प्रदूषण के कारण हैदराबाद में होती हैं हर साल 1500 मौतें : अध्ययन

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विभिन्न शोध विधियों का उपयोग करके पिछले कुछ वर्षों में किए गए एक अध्ययन में कहा गया कि हैदराबाद शहर में हर साल लगभग 1,500 मौतें वायु प्रदूषण के कारण होती हैं। लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल ने हाल ही में 'भारत के 10 शहरों में परिवेशी वायु प्रदूषण और दैनिक मृत्यु दर' पर एक लेख प्रकाशित किया, जिसमें हैदराबाद में 2008 और 2019 के बीच लगभग 5.6 प्रतिशत मौतें पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) 2.5 के संपर्क में आने के कारण हुईं।

पीएम 2.5 कण प्रदूषक की एक श्रेणी को संदर्भित करता है जो आकार में 2.5 माइक्रोन या उससे छोटा होता है। जब वे इतने छोटे होते हैं, तो वे आसानी से हमारे शरीर की सुरक्षा जैसे नाक के बाल, बलगम और अन्य को दरकिनार कर सकते हैं, और हमारे शरीर में गहराई तक प्रवेश कर सकते हैं। जब ऐसी हवा के संपर्क में लंबे समय तक रहा जाता है, तो यह खांसी, घरघराहट, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी का कारण बनता है।

अशोका विश्वविद्यालय, सेंटर फॉर क्रॉनिक डिजीज कंट्रोल, कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट, हार्वर्ड विश्वविद्यालय और बोस्टन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन में यह भी पता चला है कि 2008 से 2019 के बीच हैदराबाद में 5,552 मौतें वायु प्रदूषण के कारण हुईं।

नौकरशाह के घर को चोरों ने बनाया निशाना

कीमती सामान लेकर फरार

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को चोरों ने एक नौकरशाह के घर को निशाना बनाया। बड़े आराम से कीमती सामानों पर हाथ साफ किया और चलते बने। यह घटना उस समय हुई जब परिवार विजयवाड़ा गया हुआ था और मंगलवार को सुबह-सुबह घर लौटा। वापस लौटने पर उन्होंने पाया कि घर में चोरी हो चुकी है और सामान गायब है। शिकायत के आधार पर नरसिंगी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

शहर में सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए : आम्रपाली काटा

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली काटा ने संबंधित अधिकारियों को शहर में सफाई पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया है। मंगलवार को आयुक्त ने बुद्ध भवन में राजस्व, सफाई, नगर नियोजन और वित्त विभागों के मुद्दों की समीक्षा की और कई सुझाव दिए। इस अवसर पर बोलते हुए, आयुक्त ने अधिकारियों को जीएचएमसी में किए गए बुनियादी ढांचे के कार्यों को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया और कहा कि राजस्व बढ़ाने के लिए नियोजित जीएएस सर्वेक्षण को निर्धारित समय के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए कि टाउन प्लानिंग स्पेशल टास्क फोर्स की टीमें क्षेत्र की सीमाओं के भीतर प्रभावी ढंग से काम करें। जीवीपी को कैसे खत्म किया जाए और तैरती हुई सामग्री को तुरंत कैसे हटाया जाए, इस पर कई सुझाव दिए गए ताकि नालों का बाढ़ का पानी स्थिर न हो। उन्होंने सुझाव दिया कि सार्वजनिक शौचालयों का रखरखाव ठीक से किया जाना चाहिए और जीएचएमसी में सभी सार्वजनिक शौचालयों का उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए कि स्वच्छ ऑटो द्वारा घर-घर जाकर कचरा संग्रहण किया जाए। बैठक में जोनल कमिश्नर अनुराग जयंती, हेमंत केशव पाटिल, अपूर्व चौहान, रवि किरण, उपेंद्र रेड्डी, वेंकन्ना, अतिरिक्त कमिश्नर स्नेहा सबरीश, गीता राधिका, लेखा परीक्षक वेंकटेश्वर रेड्डी, कर मूल्यांकन अधिकारी महेश कुलकर्णी, वित्त सलाहकार सरथ चंद्रा और अन्य ने भाग लिया।

पुलिस ने ओयू में बीआरएसवी के विरोध को विफल किया

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय में आज तनाव व्याप्त हो गया। पुलिस ने उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर में बीआरएसवी कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित एक विरोध कार्यक्रम को विफल कर दिया। बीआरएसवी नेताओं द्वारा ओयू आर्ट्स कॉलेज के सामने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का पुतला जलाया गया। उन्होंने इस अवसर पर रेवंत रेड्डी के खिलाफ नारे भी लगाए। आंदोलनकारी बीआरएसवी नेताओं को पुलिस ने घेर लिया और हिरासत में ले लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, बीआरएसवी नेताओं ने कहा कि उन्होंने अपना गुस्सा व्यक्त किया कि कांग्रेस सरकार ने बेरोजगारों को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी बेरोजगारों के वोटों से जीती है। उन्होंने कहा कि यह बेरोजगारों के लिए आंसू बहाने का कारण है। उन्होंने मांग की कि बेरोजगारों की समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाना चाहिए। बीआरएसवी नेताओं ने यह भी मांग की कि डीएससी को स्थगित किया जाए और 25,000 पदों के साथ मेगा डीएससी की स्थापना की जाए। उन्होंने दावा किया कि आने वाले दिनों में बेरोजगार इस कांग्रेस सरकार को करारा जवाब देंगे। दूसरी ओर, ओयू में बड़ी संख्या में पुलिस तैनात की गई है। स्थानीय पुलिस और सीआरपीएफ के जवान भी तैनात हैं। पुलिस ने जैसे ही छात्रों को देखा, उन्हें हिरासत में ले लिया। पुलिस ने छात्रों से जबरन मोबाइल फोन छीन लिए। छात्रों ने पुलिस से पूछा कि वे उनके फोन क्यों छीन रहे हैं। छात्रों ने पुलिस बल पर गहरी चिंता व्यक्त की। कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार को अलग तेलंगाना आंदोलन की स्थितियों की याद दिलाई। उन्होंने पूछा कि पुलिस को विश्वविद्यालय में प्रवेश करने की अनुमति कैसे दी जाएगी।

हम भाजपा को सशर्त समर्थन देने को तैयार हैं : पूर्व मंत्री हरीश राव

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री हरीश राव ने आज मीडिया से बातचीत में तीखी टिप्पणी की। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर तेलंगाना राज्य के लिए कुछ अच्छा होता है तो उनकी पार्टी प्रतिद्वंद्वी भाजपा नीत केंद्र सरकार का समर्थन करने को तैयार है। अगर तेलंगाना में अच्छी चीजें होती हैं, तो भाजपा को बीआरएस पार्टी का समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा, हम मुद्दों के आधार पर केंद्र को अपना समर्थन देंगे। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे राजनीतिक रूप से तटस्थ रहेंगे। हरीश राव ने कहा कि टीआरएस पार्टी को बीआरएस पार्टी में बदलने का फैसला पार्टी का था। पार्टी विधायकों और एमएलसी के दलबदल पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि दलबदल से बीआरएस पार्टी को कोई नुकसान नहीं हुआ है। हरीश राव ने आलोचना की कि वे कांग्रेस पार्टी की तरह घर-घर जाकर दुपट्टा नहीं ओढ़ते। उन्होंने विश्वास जताया कि उनकी पार्टी तेलंगाना में फिर से सत्ता में आएगी। हरीश राव ने बातचीत में कहा कि उनका कांग्रेस सरकार को गिराने का कोई इरादा नहीं है। हरीश राव की टिप्पणी तेलंगाना में एक गर्म विषय बन गई है।

केटीपीपी ने बनाया 202 दिन तक बिना रुके चलने का रिकॉर्ड

निर्बाध बिजली उत्पादन करके हासिल की उपलब्धि

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जयशंकर भूपलपल्ली जिले के चेलपुर गांव में स्थित काकतीय थर्मल पावर प्लांट (केटीपीपी) ने 202 दिनों तक निर्बाध बिजली उत्पादन करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। केटीपीपी प्लांट में दो यूनिट हैं। यह 1,100 मेगावाट की कोयला आधारित बिजली परियोजना है। पहली यूनिट की क्षमता 500 मेगावाट और दूसरी यूनिट की क्षमता 600 मेगावाट है। 600 मेगावाट का यह प्लांट 15 दिसंबर 2023 से 4 जुलाई तक 202 दिनों तक लगातार चला और 85.36 प्रतिशत पीएलएफ (प्लांट लोड फैक्टर) हासिल किया।

ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, 202 दिन तक लगातार चलने के बाद केटीपीपी सरकारी बिजलीघरों में 600 मेगावाट की श्रेणी में देश में सबसे लंबे समय तक चलने वाली इकाई बन गई है। अधिकारियों ने बताया कि इस इकाई में 202 दिन में करीब 2,460.2 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ। उन्होंने बताया कि इससे पहले जयपुर मंडल के मंचेरियल जिले में सिंगरेनी थर्मल पावर प्लांट (एसटीपीपी) की 600 मेगावाट की इकाई लगातार 194 दिन तक चली थी। केटीपीपी ने उस रिकॉर्ड को तोड़ दिया और 202 दिन तक लगातार काम करने वाला बिजली उत्पादन केंद्र बन गया।

2009 में शुरू हुए केटीपीपी की पहली इकाई प्रतिदिन 12 मिलियन यूनिट की दर से बिजली पैदा कर रही है, जबकि 2016 में चालू हुई दूसरी इकाई प्रतिदिन 14.4 मिलियन यूनिट की दर से उत्पादन कर रही है। इस

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.: VSKP-ELECTG-24-25-WC-10, दिनांक: 03.07.2024

कार्य का नाम: अमृत भारत योजना के तहत दुव्वाडा सिम्हाचलम एवं कोट्टावलासा स्टेशनों पर स्टेशन बिल्डिंग का उन्नयन पुनर्विकास।

निविदा मूल्य : ₹2,63,48,619.74

निविदा सुरक्षा : ₹2,81,800/-

निविदा सूचना सं.: VSKP-ELECTG-24-25-WC-17, दिनांक: 03.07.2024

कार्य का नाम: अमृत भारत योजना के तहत विजयनगरम, चिपुरुपल्ले एवं बोब्बिली स्टेशनों पर स्टेशन बिल्डिंग का उन्नयन पुनर्विकास।

निविदा मूल्य : ₹2,20,15,159.30

निविदा सुरक्षा : ₹2,60,100/-

पूर्णता अवधि: 120 दिन (सभी निविदाओं के लिए)

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 25.07.2024 को 1330 बजे (सभी निविदाओं के लिए)

निविदा खुलने की तिथि एवं समय: 25.07.2024 को 1600 बजे (सभी निविदाओं के लिए)

निविदा दस्तावेज पूर्ण विवरण www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं।

निविदादाता को जारी किए गए शुद्धिपत्र के लिए वेबसाइट नियमित रूप से देखना चाहिए।

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता(जी), वाल्टियर

PR-284/P/24-25

नीतीश कुमार फंसाते भी हैं, बचाते भी हैं

तेजस्वी यादव सीएम पर क्यों भड़के? कहा- 'सत्ता किसी एक आदमी के हाथ में रहने वाली चीज नहीं है

पटना, 9 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर विपक्ष लगातार एनडीए सरकार पर हमला कर रहा है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव हर दिन प्रदेश में बढ़ते अपराध को लेकर एक्स पर पोस्ट भी कर रहे हैं। अब तेजस्वी यादव ने एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि सत्ता किसी एक आदमी के हाथ में रहने वाली चीज नहीं है। कुर्सी पर जो लोग आते हैं वह बदलते रहते हैं। दरअसल, तेजस्वी यादव विधानसभा सीट के लिए होने वाले उपचुनाव को लेकर अपनी पार्टी की प्रत्याशी बीमा भारती के लिए प्रचार करने गए थे। इसके बाद पूर्णिया के भवानीपुर में गोपाल यादुका के परिजनों से मुलाकात की। पीड़ितों परिजनों को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। बता दें कि बीते दो जून को गोपाल यादुका की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

'नीतीश कुमार जो कहते हैं उसका उल्टा करते हैं'

मीडिया से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार कहते हैं कि हम ना किसी को बचाते हैं ना किसी को फंसाते हैं। एक बात तो सत्य है कि वह जो कहते हैं उसका उल्टा ही वह करते हैं। वह फंसाते भी हैं और दोषियों को बचाते भी हैं। अभी निर्दोषों को फंसाया जा रहा है। इसे सरकार को और प्रशासन को देखने की जरूरत है। तेजस्वी यादव ने पुलिस-प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि सत्ता किसी एक आदमी के हाथ में रहने वाली चीज नहीं है। कुर्सी पर जो लोग आते हैं वह बदलते रहते हैं, लेकिन जो कानून है, जो सिस्टम है, जो पुलिस है उसको सदैव यहीं रहना है। इसलिए न्यायपूर्ण फैसला अधिकारी को करना चाहिए। लोकतंत्र का जो सबसे बड़ा मंदिर है वहां हम इस बात को उठाएंगे। तेजस्वी यादव ने कहा, बिहार में सिर्फ पूर्णिया ही नहीं हमारे ट्विटर हैंडल पर जाइए, फेसबुक पर जाकर देखें, जब से यह लोग आए हैं तब से पूरे बिहार में अपराधियों का बोलबाला है। लगातार अपराध चरम सीमा पर है। किसी को न्याय नहीं मिल रहा है। कोई भी सिस्टम से काम नहीं करता है।

एनजीओ में काम करने वाली युवती के साथी और सिपाही ने किया दुष्कर्म पुलिस आयुक्त के निर्देश पर एफआईआर

वाराणसी, 9 जुलाई (एजेंसियां)। वाराणसी जिले के बेनीपुर रोड, पहड़िया क्षेत्र में किराये पर कमरा लेकर रहने वाली एक युवती के साथ काम करने वाले युवक ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। इसके बाद उस युवक के सिपाही दोस्त ने भी युवती के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर प्रकरण को लेकर लालपुर पांडेयपुर थाने में अंबेडकर नगर जिले के म्योरी गांव निवासी नवीन यादव उर्फ सूरज और सिपाही विवेक यादव के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया है।

मैं उनका एहसान नहीं भूलूंगी, पप्पू यादव के समर्थन देने पर भावुक हुईं बीमा भारती

भवानीपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। (पूर्णिया)। 2024 जब भी मेरे ऊपर विपत्ति आई है, तब हमारे अभिभावक सांसद पप्पू यादव ने हमेशा साथ दिया है। मैं उनका यह एहसान जिंदगीभर नहीं भूलूंगी। जब भी उन्हें मेरी जरूरत पड़ेगी, मैं और मेरा परिवार उनके लिए हमेशा खड़े रहेगा। ये बातें रुपौली से राजद प्रत्याशी और पूर्व विधायक बीमा भारती ने कही। राजद प्रत्याशी भारती पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव और वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी के साथ चुनावी सभा को संबोधित कर रहीं थीं।

'मुझे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था'

चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक बीमा भारती ने कहा कि सत्ता पक्ष में रहने के बावजूद उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। जब भी मैं दबे, कुचले, गरीब, गुरबा, शोषित, वंचितों की आवाज उठाती थी, तब सत्ता पक्ष द्वारा मुझे दबाने का प्रयास किया जाता था। उन्होंने कहा कि इस वजह से मैंने सत्ता में रहने के बजाय गरीबों, शोषितों, वंचितों, दबे, कुचलों की पार्टी राजद में जाने का निर्णय लिया।

'रुपौली की जनता करेगी फैसला'

उन्होंने कहा अब मैं जनता की अदालत में खड़ी हूं, जिसका फैसला रुपौली विधानसभा की जनता करेगी। मैं लगातार रुपौली की जनता की सेवा करती रही हूं और यहां के मतदाताओं के आशीर्वाद से आगे भी करती रहूंगी।

हिंदू प्रेमी, मुस्लिम प्रेमिका और लिव इन अयोध्या पुलिस पर क्यों खफा हो गया हाई कोर्ट?

अयोध्या/लखनऊ, 9 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को दरकिनार करना अयोध्या पुलिस को भारी पड़ रहा है। हाई कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए कहा है कि मुस्लिम युवती और हिंदू युवक के शांतिपूर्ण जीवन में अयोध्या पुलिस बाधा बन गई है। दरअसल, पुलिस ने कोर्ट के आदेश के विपरीत जाकर युवती को उसके पिता को सौंप दिया था। हिंदू युवक ने इस पर कोर्ट से गुहार लगाई थी। लखनऊ पीठ के जस्टिस राजीव सिंह ने प्रेमी की तरफ से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए पूरा कलंदर थाने के एसएचओ रमा शंकर सरोज को नौ जुलाई को व्यक्तिगत रूप से तलब किया है। युवक ने अपनी याचिका में कहा है कि वह हिंदू है जबकि उसकी प्रेमिका मुस्लिम समुदाय से है। प्रेमिका के पिता उनके संबंधों का विरोध करते हैं। इन दोनों ने लिव इन में रहते हुए हाई कोर्ट में रिट याचिका दाखिल करते हुए सुरक्षा की मांग की थी। इस पर कोर्ट ने पांच मार्च, 2024 को अयोध्या पुलिस को उनके शांतिपूर्ण जीवन में दखल न देने का आदेश दिया था। युवक का आरोप है कि कोर्ट के आदेश के बावजूद पुलिस ने जबरन प्रेमिका को उसके पिता को सौंप दिया है। हाई कोर्ट ने मुस्लिम युवती को तलब किया था। कोर्ट के समक्ष युवती ने अपने प्रेमी के साथ रहने की इच्छा जताई। कोर्ट ने जब पुलिस से जानकारी मांगी तो बताया गया कि युवती के पिता ने बेटी को लेकर शिकायत की थी।

सीएम योगी की बैठक में नहीं पहुंचीं अनुप्रिया पटेल

क्या अपना दल (एस) प्रमुख ने भाजपा से बनाई दूरी?

लखनऊ, 9 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभ चुनाव 2024 में उत्तर प्रदेश के भीतर अच्छा प्रदर्शन न करने के बाद से सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के कैंप में हलचल मची हुई है। भाजपा इस हार की समीक्षा में लगी हुई है। अभी हालिया भाजपा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष ने सीएम योगी आदित्यनाथ समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं के साथ समीक्षा बैठक की।

वहीं, इस बीच भजपा की सहयोगी और अपना दल (एस) की मुखिया अनुप्रिया पटेल को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। आपको बता दें कि अनुप्रिया पटेल लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद से भाजपा पर हमलावर दिख रही हैं। अभी हाल ही में सीएम योगी ने हार की समीक्षा के लिए मंडल स्तर की बैठक बुलाई थी, जिसमें अनुप्रिया पटेल और उनकी पति आशीष पटेल नहीं पहुंचे। बता दें कि अनुप्रिया पटेल मोदी सरकार ने मंत्री जबकि उनके पति योगी सरकार में मंत्री हैं।

शहर में डीएम मैडम का एक्शन

सड़क पर उतरकर दर्जनों गाड़ियों का कटवाया चालान; 30 वाहन जब्त

जहानाबाद, 9 जुलाई (एजेंसियां)। परिवहन विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने दो दिनों पूर्व जहानाबाद में समीक्षा बैठक में यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्ती से कार्य करने का निर्देश दिया था। पहले चरण में रोको टोको व दूसरे चरण में जुर्माना वसूली करने को कहा था, जिससे खासकर हेलमेट का उपयोग बाइक सवारों की आदतों में शामिल हो जाए। सचिव के इस निर्देश बाद जिलाधिकारी अलंकृता पांडे यातायात नियमों का पालन कराने स्वयं सड़कों पर उतर गईं। शहर के अंबेडकर चौक से लेकर स्टेशन चौक तक डीएम ने विभिन्न जगहों पर बाइक व कार-जीप को रोककर जांच की। यातायात नियमों के उल्लंघन पर बाइक व कार चालकों से ऑन द स्पॉट जुर्माना वसूला गया। नो पार्किंग में खड़े वाहनों पर भी जुर्माना किया गया। शहर के ऊंटा मोड पर जांच की जद में जहानाबाद के एक पूर्व विधायक सच्चिदानंद प्रसाद भी आ गए। उनकी स्कॉर्पियो नो पार्किंग में खड़ी थी, जिसपर 500 रुपये जुर्माना किया गया। डीएम का काफिला अचानक अरवल मोड़ के पास रुका और डीएम सड़क पर उतरकर वाहनों की जांच करने लगीं। यह देख वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। जिनके पास कागजात नहीं थे, उनसे ऑन द स्पॉट जुर्माना वसूल किया गया। यातायात नियमों के उल्लंघन पर कुल 30 वाहनों को जब्त किया गया। बिना हेलमेट वाले कई बाइक सवार गाड़ी घुमाकर भागते दिखे। कुछ सड़क किनारे गाड़ी खड़ी कर अपने-अपने कागजात ढूंढने लगे कि कहीं वो लाना तो नहीं भूल गए। मौके पर कई पुलिस पदाधिकारी भी पहुंच गए।

डीएम मैडम ने की जनता से अपील

डीएम ने लोगों से अपील की कि यातायात नियमों का पालन जरूर करें, ताकि खुद भी सुरक्षित रहें और लोग भी सुरक्षित रह सकें। चालक यातायात नियमों का पालन करेंगे तो सड़क दुर्घटना नहीं होगी। डीएम ने कहा कि यह कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। सड़क को भी अतिक्रमण मुक्त किया जाएगा, अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

छिन गया चाचा पशुपति पारस का बंगला और दफ्तर, चिराग पासवान को हुआ अलॉट

पटना, 9 जुलाई (एजेंसियां)। आरएलजेपी संरक्षक पशुपति पारस का बंगला और दफ्तर उनसे वापस लेकर एलजेपीआर चीफ चिराग पासवान को दे दिया गया है। राष्ट्रीय लोजपा का दफ्तर अब चिराग पासवान को मिल गया है। पशुपति पारस इस बंगले में पार्टी का दफ्तर भी चलाते थे। स्व। रामविलास पासवान भी इसी दफ्तर से पार्टी चलाते थे। इससे पहले बीते 13 जून को ही बिहार भवन निर्माण विभाग ने नोटिस भेजकर रालोजपा कार्यालय का आवंटन रद्द कर दिया था। बताया गया था कि पार्टी द्वारा टैक्स का भुगतान नहीं किया गया है। विभाग ने अधिकारिक रूप से अधिसूचना जारी कर पार्टी को इसकी सूचना दी थी। अब बंगले का जाना पशुपति पारस के लिए बड़ा झटका है। भवन निर्माण विभाग ने अब बंगला और दफ्तर चिराग पासवान को आवंटित कर दिया है, जो पार्टी में टूट के बाद पशुपति पारस को मिल गया था। भवन निर्माण विभाग ने जो पत्र जारी किया है उसमें कहा है कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष ने दिनांक-04.07.2024 को पार्टी कार्यालय के लिए आवास मुहैया कराने का अनुरोध किया था।

आजम खान के रिसॉर्ट पर जेसीबी चली

सरकारी जमीन पर किया था अवैध कब्जा

रामपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। सीतापुर जेल में बंद समाजवादी पार्टी नेता आजम खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। पूर्व मंत्री आजम खान के अवैध रिसॉर्ट पर एक बार फिर से एक्शन हुआ है। अवैध कब्जा कर बनाए गए हमसफर रिसॉर्ट पर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए जेसीबी चलाई है। सपा नेता आजम खान के अवैध रिसॉर्ट पर जेसीबी से बाउंड्री वॉल को धवस्तीकरण शुरू किया। इसके बाद प्रशासन ने रिसॉर्ट के अन्य हिस्सों पर कार्रवाई की। सरकारी गढ़ों की जमीन पर अवैध कब्जों का मामला सामने आया था। आजम खान के जिस अवैध हमसफर रिसॉर्ट पर कार्रवाई हुई है बताया जा रहा है कि वह उनकी पत्नी तजीन और बेटे अब्दुल्ला के नाम पर है। दरअसल, अवैध रूप से बने इस रिसॉर्ट का मामला बीते दिनों सामने आया था। तब बीजेपी नेता आकाश सक्सेना ने एसडीएम सदर को सरकारी गधों की जमीन को खाली करने के लिए पत्र लिखा था। इसके बाद प्रशासन के ओर से उसपर कार्रवाई की गई। अब जाकर आजम खान के हमसफर रिसॉर्ट पर बुलडोजर एक्शन लिया गया है।

डूंगरपुर बस्ती मामले मिली थी राहत

इससे पहले बीते दिनों आजम खान को डूंगरपुर बस्ती मामले राहत मिल गई थी। तब रामपुर कोर्ट ने आजम खान समेत इस मामले में 7 अन्य आरोपियो को बरी कर दिया था। रामपुर कोर्ट ने डुंगरपुर बस्ती मामले में आजम खान समेत फसाहत खान शानू, शाहजेब खान, बरकत अली ठेकेदार, इमरान, इकराम, परवेज और फिरोज सभी को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया था। फसाहत खान शानू और शाहजेब खान साल 2022 में आजम खान का साथ छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए थे। बता दें कि साल 2019 में डूंगरपुर बस्ती मामले में पुलिस थाने में 13 मुक़दमे दर्ज कराए गए थे। इस बस्ती में रहने वाले लोगों ने आजम खान के खिलाफ डूंगरपुर बस्ती खाली कराने के इरादे से यहां के लोगों से लूटपाट, चोरी, मारपीट, छेड़खानी का आरोप लगाया था।

धोखाधड़ी मामले में राहत पाने के लिए हाईकोर्ट पहुंचे कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा

5 करोड़ के 10 करोड़ देने का किया था वादा

प्रयागराज, 9 जुलाई (एजेंसियां)। कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा ने गाजियाबाद के सिहानी गेट थाने में आठ साल पहले धोखाधड़ी के मुकदमे राहत पाने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। रेमो ने हाईकोर्ट से निचली अदालत की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है। इस मामले में अंडरवर्ल्ड डॉन प्रसाद पुजारी का नाम भी शामिल है। शिकायतकर्ता सत्येंद्र त्यागी के अधिवक्ता पंकज त्यागी और डॉ। आकाश त्यागी ने बताया कि उन्हें नोटिस प्राप्त हो गई है। सुनवाई की तिथि पर वह इस मामले में सत्येंद्र त्यागी की तरफ से बहस करेंगे।

'पांच करोड़ लगाओगे तो दस करोड़ रुपए दूंगा'

रेमो डिसूजा पर आरोप है कि उन्होंने शिकायतकर्ता से फिल्म के निर्माण के लिए पांच लाख रुपए की मांग की। यह भी कहा कि बहुत बड़ी फिल्म है, जिसमें काफी लाभ होगा। पांच करोड़ लगाओगे तो दस करोड़ रुपए दूंगा। एक वर्ष में रकम लौटा दूंगा। रेमो की बात पर भरोसा करते हुए शिकायतकर्ता ने दो लाख रुपए नकद और तीन लाख रुपए चेक के माध्यम से अदा दिया। कोरियोग्राफर ने पैसे लौटाने के स्थान पर शिकायतकर्ता को अंडरवर्ल्ड डॉन प्रसाद पुजारी से फोन करवाकर पैसा न मांगने की धमकी दिलवाने लगा।

सिहानी गेट थाने में आठ साल पहले दर्ज कराया केस

इस मामले में सिहानी गेट थाने में 16 दिसंबर 2016 को केस दर्ज किया गया। पुलिस ने जांच करने के बाद रेमो डिसूजा और प्रसाद पुजारी के खिलाफ गाजियाबाद ट्रायल कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल कर दिया। कोर्ट ने आरोप पत्र का संज्ञान लेते हुए रेमो डिसूजा को कोर्ट के समक्ष उपस्थित होने के लिए समन जारी किया है। इस मामले में रेमो डिसूजा ने अग्रिम जमानत करा रखी है, लेकिन समन पर रोक लगाने की मांग करते हुए हाई कोर्ट के समक्ष गुहार लगाई है।

यूपी में 11 जिलों में हाईअलर्ट, पीलीभीत में वायुसेना ने किया 7 का रेस्क्यू, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, एनडीएमए अलर्ट पर

पीलीभीत, 9 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के 11 जिलों में हाईअलर्ट जारी किया गया है। नेपाल से आ रहे पानी को लेकर मैदानी इलाकों में सरकार और अन्य एजेंसियां अलर्ट हैं। इस बीच नेपाल सीमा से सटे जिलों में संभावित बाढ़ की स्थिति को लेकर नदियों के बढ़ते जलस्तर पर राहत आयुक्त कार्यालय की परियोजना निदेशक अदिति उमराव ने कहा, नेपाल में लगातार भारी बारिश हो रही है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र नेपाल, उत्तराखंड और अन्य आसपास के क्षेत्रों में बारिश की स्थिति पर नजर रख रहा है। हमें कल पीलीभीत में शारदा नदी में जलस्तर बढ़ने की सूचना मिली। कल अचानक पानी आने से पीलीभीत के बिनौरा वन क्षेत्र में 7 लोग फंस गए थे। आज सुबह, आईएएफ ने सभी 7 लोगों को बचा लिया। आईएएफ और स्थानीय प्रशासन ने तत्परता से प्रतिक्रिया दी। उमराव ने कहा कि एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, एनडीएमए और प्रशासन अलर्ट पर हैं। हम स्थिति के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए हर गाँव में 'राहत चौपाल' का आयोजन कर रहे हैं। हमारा हेल्पलाइन नंबर '1070' प्रचारित किया जा रहा है। हम पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच और सिद्धार्थनगर सहित नेपाल के निकटवर्ती क्षेत्रों में स्थिति पर नजर रख रहे हैं; बाराबंकी और गोंडा, श्रावस्ती, कुशीनगर, बलिया, हापुड़ और बदायूं में हाई अलर्ट जारी किया गया है।

जुलूस में फहराया था फिलिस्तीन का झंडा, वीडियो सामने आने पर पुलिस ने लिया एक्शन, आरोपी गिरफ्तार

भदोही, 9 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले के औराई थाना क्षेत्र में मुहर्रम का चांद दिखने पर निकाले गए जुलूस में कथित तौर पर फिलिस्तीन का झंडा लहराया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि जुलूस में फिलिस्तीन का झंडा लहराए जाने का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने 2 नामजद समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि युवकों द्वारा फिलिस्तीन का झंडा लहराए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा रही थी।

औराई थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) सच्चिदानंद पांडेय ने बताया कि रविवार रात कुछ युवकों ने बिना अनुमति के राष्ट्रीय राजमार्ग पर माधोसिंह इलाके में जुलूस निकाला। उन्होंने बताया कि जुलूस में कुछ लोगों ने फिलिस्तीन के झंडे लेकर नारेबाजी भी की। पांडेय के मुताबिक, सोमवार को जुलूस का एक वीडियो वायरल होने के बाद जांच में साहिल उर्फ बादशाह और गोरख नाम के युवकों सहित कुछ अन्य के द्वारा फिलिस्तीनी झंडा लहराने की बात सामने आई। पांडेय ने कहा कि मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 197 (2) (संविधान पर अविश्वास) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

इरफान सोलंकी पर और कसेगा ईडी का शिकंजा, जमीन कब्जाने के इस केस को भी अपने हाथ में लेगी जांच एजेंसी

लखनऊ, 9 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर की सीसामऊ सीट से सपा के विधायक रहे इरफान सोलंकी पर ईडी का शिकंजा और कसता जा रहा है। इरफान के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट के तहत जांच कर रही ईडी अब 2022 में कानपुर के जाजमऊ थाने में दर्ज उस एफआईआर को टेकओवर करने जा रही है, जिसमें पूर्व विधायक और उसके साथियों पर कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) की जमीन फर्जी तरीके से कब्जाने का आरोप है। इस एफआईआर के टेक ओवर के बाद केडीए के तत्कालीन अफसर भी ईडी के निशाने पर होंगे। ईडी की जांच में खुलासा हुआ है कि साल 2016 से 2022 के बीच विधायक रहते हुए इरफान की संपत्ति में 282% का इजाफा हुआ। तफ्तीश में खुलासा हुआ कि इरफान ने फर्जी कंपनियों के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग को अंजाम दिया। इरफान 2022 से जेल में हैं। पिछले महीने एक महिला की जमीन पर कब्जा करने और आगजनी के आरोप में कोर्ट ने उन्हें सात साल की सजा सुनाई है, जिससे उनकी विधानसभा की सदस्यता भी चली गई है।

इरफान की पत्नी लड़ेंगी चुनाव

उधर कानपुर की सीसामऊ विधानसभा सीट पर उपचुनाव की तैयारी चल रही है। समाजवादी पार्टी ने इरफान सोलंकी की पत्नी नसीम सोलंकी को अपना प्रत्याशी बनाया है। नसीम सोलंकी का कहना है कि पार्टी का हर फैसला मंजूर है। चुनाव लड़ने को लेकर महाराजगंज जेल में बंद पूर्व विधायक इरफान और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मंथन किया जाएगा। इसके बाद अंतिम फैसला लिया जाएगा। राजनीति से पहले परिवार मेरी पहली जिम्मेदारी है। सीसामऊ क्षेत्र भी मेरा परिवार है।

कानपुर में इस बात की चर्चा तेज थी कि इरफान को सजा होने के बाद सोलंकी परिवार की राजनीति विरासत को कौन संभालेगा। सपा ने पूर्व विधायक हाजी मुश्ताक सोलंकी की बड़ी बहू और पूर्व विधायक इरफान सोलंकी की पत्नी नसीम सोलंकी पर भरोसा जताया है। नसीम सोलंकी को प्रत्याशी बनाए जाने से बीजेपी खेमें में हलचल बढ़ गई है। बीते दिनों सीसामऊ प्रभारी वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने मंडल अध्यक्षों, बूथ अध्यक्ष और पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी।

एनएसयूआइ, समाजवादी छात्र सभा कार्यकर्ताओं व पुलिस के बीच धक्का-मुक्की, एडीसीपी को सौंपा एनटीए को भंग करने का ज्ञापन

वाराणसी, 9 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन व समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं व पुलिस के बीच गुरुधाम चौराहे पर जमकर धक्का-मुक्की हुई। नीट रद करने व एनटीए को भंग करने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री के जवाहर नगर स्थित संसदीय कार्यालय ज्ञापन देने जा रहे कार्यकर्ताओं को रोकने पर वह नारेबाजी व धरना प्रदर्शन करने लगे। पुलिस ने बड़ी मुश्किल से उन्हें पकड़कर पुलिस वाहनों में बैठाया। इस दौरान चौराहे के आसपास अफरा-तफरी का माहौल रहा और वाहनों का आवागमन बंद रहा।

सांसद आजाद बोले 'भोले बाबा' पीडितों को दें एक-एक करोड- उनका तो सीधे भगवान से कनेक्शन

हाथरस, 9 जुलाई (एजेंसियां)। आजाद समाज के पार्टी अध्यक्ष और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद सोमवार को हाथरस पहुंचे। यहां उन्होंने पीड़ितों और उनके परिवार वालों से मुलाकात की। चंद्रशेखर ने बिना किसी का नाम लिए सरकार पर निशाना साधा। यहां पहुंचकर उन्होंने सरकार से 25 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग की। चंद्रशेखर ने पीड़ितों से मुलाकात की और लोगों को सांत्वना दिया। उन्होंने लोगों के बीच बैठकर बात की और लोगों को गले से लगाया। उन्होंने योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बाबा को क्यों बचाया जा रहा है इसका जवाब मुख्यमंत्री और उनके अधिकारियों को देनी चाहिए। जब एक बाबा पर कार्रवाई होगी तभी दूसरे बाबा का भी नंबर आएगा।

चंद्रशेखर ने बाबा से की ये बड़ी मांग

चंद्रशेखर ने कहा, 'आखिर एलआईयू क्या कर रहा था। मुझे ऐसा लग रहा है प्रशासन पुलिस और सरकार जानती है कि वहां वंचित समाज की महिलाएं जाती हैं।

वहां गरीब लोग जाते हैं। अगर वो मर भी जाएं तो क्या फर्क पड़ेगा। सांसद चंद्रशेखर ने साकार हरि बाबा से भी कहा, 'अगर वह पीड़ित लोगों को अपना परिवार मानते हैं तो सामने आए और एक-एक करोड़ रुपये दें। उनका तो वैसे भी भगवान से सीधा कनेक्शन है...और ये जनता जिनकी जान गई है हादसे में बाबा उनकी मदद करें।' नगीना सांसद ने आगे कहा कि वो इस मामले को संसद में उठाएंगे।

आसमानी आफत से बेहाल लोग

भारी बारिश से उफान पर नदियां, कई राज्यों में मचा हाहाकार

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। देशभर में कुछ दिनों से लगातार बारिश का दौर जारी है। भारी बारिश के कारण पहाड़ से लेकर मैदान तक तबाही दिखने को मिल रही है। अगले कुछ दिनों में उत्तर और पूर्वी भारत सहित देश के करीब-करीब सभी हिस्से में झमाझम बारिश होने के आसार जताए गए हैं। बारिश की वजह से कई हिस्से में बाढ़ से हाहाकार मचा हुआ है। असम की स्थिति सबसे ज्यादा गंभीर है। बाढ़ की वजह से असम के 28 जिलों की करीब 23 लाख आबादी प्रभावित है।

वहीं, हिमाचल, उत्तराखंड, यूपी और बिहार के कई जिलों में नदियां डेंजर लेवल के पार हो गई हैं। महाराष्ट्र की बात करें तो यहां के कई इलाकों में भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए मुंबई, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, पुणे और सतारा में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने मुंबई में 12 जुलाई तक कुछ हिस्से में भारी बारिश की संभावना जताई है। मुंबई में अलगे 24 घंटे में भारी बारिश की संभावना है। बीएमसी ने लोगों से घरों में रहने की अपील की है। भारी बारिश के पूर्वानुमान के कारण मुंबई यूनिवर्सिटी में मंगलवार को होने वली सभी परीक्षाएं टाल दी गई हैं।

निचले इलाकों में भरा बाढ़ का पानी

बिहार में कोसी नदी का जलस्तर बढ़ने की वजह से बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। बिहार में नदियों का जलस्तर बढ़ने की वजह से 7 जिलों के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी भर गया है, जिसमें डूबने से एक युवक की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश में एक सप्ताह से जारी मूसलाधार बारिश और नेपाल से छोड़े जा रहे पानी की वजह से नदियां उफान पर हैं। प्रदेश में डूबने और आकाशी बिजली से 15 लोगों की मौत हो गई।

बारिश के कारण भूस्खलन की घटनाएं

हिमाचल प्रदेश के विभिन्न हिस्से में बारिश की वजह से भूस्खलन की कई घटनाओं की वजह से राजमार्ग समेत 70 से अधिक सड़कों को बंद करना पड़ा है। वहीं, उत्तराखंड में सोमवार को कुमाऊं के तराई क्षेत्र में भारी बारिश से हालत बेकाबू है। ऊधमसिंह नगर जिले के खटीमा और सितारगंज में कई इलाके बाढ़ में डूब गए।

खटीमा में बाढ़ प्रभावितों को बचाने की कोशिश में दो युवकों की डूबने से मौत हो गई। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाला वैकल्पिक मार्ग मुगल रोड सोमवार को भारी भूस्खलन की वजह से अवरूद्ध हो गया। जानकारी के मुताबिक, भूस्खलन के कारण सुरनकोट इलाके में पनार पुल के पास सड़क क्षतिगस्त हो गई, जिस्से जम्मू क्षेत्र के सीमावर्ती जिलों पुंछ और राजौरी व दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के बीच संपर्क टूट गया।

भगवान जगन्नाथ के भजन पर विवाद, गायक ह्यूमेन सागर और रुकु सुना के खिलाफ एफआईआर दर्ज

पुरी, 9 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के लोकप्रिय गायक ह्यूमेन सागर और रुकु सुना पर भगवान जगन्नाथ के भजन को विकृत करने का आरोप लगा है। इस मामले में सोमवार को राजधानी पुलिस स्टेशन में दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायत के अनुसार, हाल ही में एक सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक वीडियो में दोनों गायकों को भगवान जगन्नाथ के भजन के मूल बोलों को अश्लील शब्दों में बदलते हुए देखा गया। यह भजन मूल रूप से एक महान गायक द्वारा गाया गया था। वीडियो में यह भी दिखाया गया कि दोनों गायक हंसते हुए एक संगीत वाद्ययंत्र के साथ इस विवादित संस्करण को गा रहे थे। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इस संबंध में एफआईआर दर्ज करवाई है और दोनों गायकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

एमएलसी चुनाव से पहले देवेंद्र फडणवीस को बड़ी जिम्मेदारी

क्या काम आएगा 2022 वाला 'जादुई पैटर्न'

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव के लिए 11 सीटों के लिए 12 उम्मीदवार मैदान में हैं क्योंकि आखिरी दिन किसी ने नामांकन फॉर्म वापस नहीं लिया। विधान परिषद के लिए विधानसभा में वोटिंग 12 जुलाई को होगी। गुप्त मतदान के कारण बड़े पैमाने पर आर्थिक खरीद-फरोख्त की आशंका है। इस बीच, महायुति (एनडीए) की ओर से एक अहम जानकारी सामने आई है।

देवेंद्र फडणवेस को मिली बड़ी जिम्मेदारी

उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को महागठबंधन की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। देवेन्द्र फडणवीस महायुति के विधायकों को प्रथम और द्वितीय वरीयता के वोट कैसे देने हैं, इस बारे में मार्गदर्शन देंगे। यह सामने आया है कि वे अपना उम्मीदवार लाने के बजाय महायुति के उम्मीदवार को चुनने के लिए वोटिंग पैटर्न तय करेंगे। 2022 के राज्यसभा और विधान परिषद चुनाव में देवेन्द्र फडणवीस ने जादू कर दिखाया था। अब उसी जादुई पैटर्न को फिर से चलाने की मुख्य जिम्मेदारी देवेन्द्र फडणवीस को दी गई है। अगले कुछ दिनों में यह साफ हो जाएगा कि क्या 2024 में भी देवेंद्र फडणवीस का जादू चलेगा या नहीं। सत्तारूढ़ ग्रैंड अलायंस ने विधान परिषद चुनाव के लिए नौ उम्मीदवार उतारे हैं जबकि विपक्षी महाविकास अघाड़ी के तीन उम्मीदवार मैदान में हैं। बीजेपी ने सबसे ज्यादा पांच उम्मीदवार उतारे हैं। अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने दो-दो उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। कांग्रेस और शिवसेना ठाकरे समूह ने एक-एक उम्मीदवार उतारा है।

शरद पवार समूह ने भारतीय किसान और लेबर पार्टी के उम्मीदवार जयंत पाटिल का समर्थन किया है। बता दें, महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव को लेकर 12 जुलाई को चुनाव होना है और इसके नतीजे भी इसी दिन घोषित किए जाएंगे। विधानसभा चुनाव से पहले ये चुनाव अहम माना जा रहा है।

देवेंद्र यादव ने बीजेपी-आप पर साधा निशाना

कहा- 'दोनों ने दिल्ली में शिक्षकों के तबादले को बनाया सियासी इवेंट'

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के बाद से राजधानी दिल्ली में कांग्रेस के तेवर बदले-बदले नजर आ रहे हैं। वह आम आदमी पार्टी के साथ बीजेपी पर भी लगातार हमलावर बनी हुई है। दिल्ली वासियों की समस्याओं का जितना जिम्मेदार कांग्रेस आप को मानती है, उतना ही दोषी वह बीजेपी को भी ठहरा रही है। यही वजह है कि कांग्रेस ने बीजेपी और आप के बीच आये दिन होने वाली तकरार पर आक्रामक रवैया अपना रखा है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आप और भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि राजधानी की मूल समस्याओं में शामिल जल संकट, जल भराव, गंदगी, और भ्रष्टाचार से ध्यान भटकाने की कोशिश में इन दोनों ही पार्टियों ने शिक्षकों के तबादले की साधारण प्रक्रिया को एक राजनीतिक इवेंट बना दिया है। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद यादव ने आप पर निशाना साधते हुए कहा, यह आश्चर्य की बात है कि उपराज्यपाल द्वारा इतनी बड़ी संख्या में दिल्ली सरकार के स्कूली शिक्षकों के तबादले की जानकारी शिक्षा मंत्री को नहीं है। यह दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था पर केजरीवाल सरकार की निष्क्रियता और अदूरदर्शिता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में केजरीवाल सरकार ने दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया। जबकि दिल्ली की प्रशासनिक व्यवस्था भी पूरी तरह से चरमरा गई है। सेशन शुरू होने के समय किए गए शिक्षकों के तबादले से बच्चों की पढ़ाई का नुकसान हो रहा है। देवेंद्र यादव के मुताबिक आम आदमी पार्टी और बीजेपी के बीच चल रही नूरा कुश्ती का खामियाजा दिल्ली की जनता को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब शिक्षा व्यवस्था में टीचरों के तबादले की प्रक्रिया गर्मी छुटियों के दौरान होनी चाहिए थी, उसे उपराज्यपाल कार्यालय द्वारा सेशन शुरू होने के समय क्यों किया गया? इससे बच्चों को पढ़ाई का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

हमारा लावा भर जाए और लड़ाई करनी पड़ जाए..आतंकी हमलों पर फारूक अब्दुल्ला ने पाकिस्तान को लताड़ा

जम्मू, 9 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर में आतंकी वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही है। कठुआ जिले में सोमवार को आतंकियों ने भारतीय सेना के काफिले पर हमला कर दिया। पहले से घात लगाकर बैठे आतंकियों ने सेना के वाहन को निशाना बनाया जिसमें सेना के पांच जवान शहीद हो गए। जिसमें एक जूनियर कमीशन अधिकारी (जेसीओ) भी शामिल है। वहीं इस कायराना हमले में पांच अन्य जवान जख्मी हुए है। बताया जा रहा है कि आतंकियों ने सेना के वाहन पहले ग्रेनेड से हमला किया फिर गोलीबारी की। आतंकियों की इस हरकत पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ। फारूक अब्दुल्ला ने पाकिस्तान को जमकर लताड़ लगाई है। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि आतंकवाद किसी की मदद नहीं करता है। पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भारत को पड़ोसी मुल्क यानी पाकिस्तान जो आतंकियों को भेजता है और यह समझता है कि आतंकी वारदातों के जरिए कश्मीर में बदलाव लाएगा तो ऐसा कभी नहीं होगा वह फेल हो जाएगा। पूर्व सीएम ने कहा कि देश के पांच जवानों ने शहादत दी है वहीं पांच जवान गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने सवाल किया क्या ऐसी वारदातों से बॉर्डर में बदलाव आएगा।

लड़ने पर मजबूर न करें पाकिस्तान'

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष ने कहा कि ऐसी वारदातों से कहीं ऐसा न हो कि भारत के लोगों का लावा इतना बढ़ जाए कि उन्हें लड़ाई पर करनी पड़ जाए। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि पाकिस्तान पहले ही बर्बाद हो चुका है ऐसे में उसे यह सोचना चाहिए। इसके आगे उन्होंने कहा कि लड़ाई से दोनों ही मुल्कों में सिर्फ और सिर्फ तबाही ही मचेगी इससे ज्यादा और कुछ नहीं होगा। उन्होंने साफ कहा कि पाकिस्तान को आतंकी गतिविधियों को अंजाम देना बंद करना चाहिए। जो पाकिस्तान कर रहा है वह पूरी तरह से गलत है।

फिर भारत किसी भी कीमत पर रुकेगा नहीं

फारूक अब्दुल्ला ने आगे कहा कि पाकिस्तान की ऐसी हरकतों की पूरी दुनिया में कड़ी निंदा हो रही है। कोई भी देश इसके कबूल करने के लिए तैयार नहीं है सभी देश इसके खिलाफ है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जो कर रहा है इससे उसको कुछ हासिल नहीं होगा। पूर्व सीएम ने कहा कि जो जवान शहीद हुए हैं उनके घरों में मातम हो रहा है। उनके परिजन भी कह रहे होंगे कि भारत कोई एक्शन क्यों नहीं ले रहा है चुप क्यों बैठा है। उन्होंने पड़ोसी मुल्क को साफ लफ्जों में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर पाक चाहता है कि भारत इस हद तक जाए तो फिर उसे तैयार रहना चाहिए फिर भारत किसी भी कीमत पर रुकेगा नहीं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद पाक को तबाह कर देगा।

'बात तभी होगी जब आतंकवाद खत्म होगा'

पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि दोनों देशों के बीच बातचीत सभी होगी जब आतंकवादी गतिविधियां पूरी तरह से बंद होगी। दोनों चीजें एक साथ नहीं चल सकती। अगर दोस्ती चाहिए तो उसके लिए रास्ता बनाना होगा और आतंकवाद वह रास्ता नहीं है। उन्हें इस बारे में सख्त कदम उठाने चाहिए। इसके आगे उन्होंने कहा कि ये कोई पहला मौका नहीं है जब देश के जवान शहीद हुए है। सालों से हमारे जवान शहादत देते आ रहे हैं। अब्दुल्ला ने पाकिस्तान से सवाल किया कि क्या वह चाहते हैं कि उनके घरों में भी मातम मनाया जाए। उन्होंने कहा कि इससे पहले कि बहुत देर हो जाए पाक को अब यह सब बंद करना होगा।

पुणे में जीका वायरस से संक्रमित दो और मरीज मिले

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। पुणे जिले के खराड़ी और कवें नगर इलाके में जीका वायरस से संक्रमित दो और मरीज मिलने से सनसनी फैल गई है। इससे पुणे में जीका संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। पुणे नगर निगम टीम इन इलाकों में रोग प्रतिबंधात्मक निवारक काम कर रही है। पुणे नगर निगम की टीम ने कर्वेनगर की 42 वर्षीय महिला और खराड़ी इलाके के 22 वर्षीय युवक के रक्त के नमूने रविवार को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी), पुणे भेजे थे। आज एनआईवी की एक रिपोर्ट में उनके नमूनों में जीका वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है। जीका वायरस से पीड़ित पाई गई महिला एक निजी अस्पताल के बीमा विभाग में काम करती है। उन्हें एक सप्ताह से अधिक समय तक वायरल बुखार की शिकायत थी और फिर शरीर पर चकत्ते दिखने लगे थे। उनके रक्त के नमूने परीक्षण के लिए एनआईवी को भेजे थे, जिनमें जीका वायरस पाए गए हैं। पुणे नगर निगम की स्वास्थ्य अधिकारी डॉ कल्पना बालिवंत ने कहा कि 42 वर्षीय महिला की हालत स्थिर है । दूसरा मरीज खराड़ी का 22 वर्षीय पुरुष है, जो पीएमसी संचालित कोड्रे अस्पताल, मुंडवा में इलाज के लिए आया था। उन्हें कुछ दिनों से बुखार और शरीर पर चकत्ते की शिकायत थी। उनके नमूने एनआईवी को भेजे गए, जहां वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है। पीएमसी के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ। राजेश दिघे ने कहा, यह व्यक्ति यरवदा-अहमदनगर रोड वार्ड कार्यालय के अंतर्गत खराडी में रहता है। संबंधित वार्ड अधिकारियों को उनके आवास और उसके आसपास निवारक उपाय करने के लिए सतर्क कर दिया गया है। जीका वायरस संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से फैलता है, जो डेंगू और चिकनगुनिया जैसे संक्रमण फैलाने के लिए जाना जाता है। जीका से संक्रमित मरीजों में शरीर में दर्द और जोड़ों में दर्द और शरीर पर चकत्ते जैसे लक्षण दिखते हैं। पुणे में इस समय जीका संक्रमित 11 मरीजों का इलाज जारी है।

हिंदुत्व के रंग में रंगे अजित पवार, मंत्रियों और विधायकों के साथ पहुंचे सिद्धिविनायक

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद अब कुछ महीनों बाद महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव का आयोजन किया जाएगा। विधानसभा चुनाव 2024 से पहले अब एनसीपी प्रमुख अजित पवार पर हिंदुत्व का असर दिखाई दे रहा है। अजित पवार अपने सभी मंत्रियों और विधायकों के साथ सिद्धिविनायक के दरबार पहुंचे हैं। यहां अजित पवार ने गणपति बप्पा के दर्शन किए और विनायक पूजा भी की है। आइए जानते हैं अजित पवार के इस दर्शन की चर्चा क्यों हो रही है। आमतौर पर पवार परिवार अपनी धार्मिक आस्था का प्रदर्शन नहीं करता है लेकिन यह पहली बार है जब मीडिया की चकाचौंध में अजित पवार अपने सभी मंत्रियों, विधायक और नेताओं के साथ मंदिर में आए हैं। अजित पवार ने खुलकर अपनी हिंदू आस्था को व्यक्त किया है। अजित पवार के साथ प्रफुल पटेल, मंत्री हसन मुश्रीफ,धनंजय मुंडे, सांसद सुनिल तटकरे सहित सभी बड़े नेता मौजूद थे। 2024 लोकसभा चुनाव में महायुति में होने के बावजूद खुद को सेक्युलर दिखाने का अजित पवार का दांव काम नहीं आया।

चुनाव में अजित पवार को करारी हार का सामना करना पड़ा। अजित पवार का सिर्फ 1 सांसद चुनकर आया जबकि एकनाथ शिंदे 7 सीट जीतने में कामयाब रहे। माना जा रहा है कि अब आगामी विधानसभा चुनाव में अजित पवार महायुति के साथ विकास और हिंदुत्व के मुद्दे पर चुनाव लड़ेंगे।

क्या बोले अजित पवार?

अजित पवार ने कहा कि आज का दिन शुभ दिन था। आज मंगलवार है, भगवान गणेश का दिन है। इसलिए हमने इस दिन को चुना। हमारे सभी जनप्रतिनिधियों को लेकर मैं यहां दर्शन के लिए आया हूं। अच्छे से दर्शन हुआ है। इस सवाल पर कि क्या चुनाव में बप्पा का आशीर्वाद मिलेगा? अजित पवार ने कहा कि बप्पा का आशीर्वाद मांगने के लिए सभी आते हैं। आज यहां कितनी भीड़ है। हमने भी आशीर्वाद मांगा है, जरूर बप्पा हमें भी आशीर्वाद देंगे।

शरद पवार ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए एक सीट पर की उम्मीदवार की घोषणा

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा के नतीजों के बाद अब ऐसा लग रहा है कि शरद पवार ने विधानसभा की तैयारी शुरू कर दी है। इसीलिए उन्होंने अब महाराष्ट्र से पहले उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। शरद पवार ने तासगांव-कवथे महांकाल विधानसभा क्षेत्र से रोहित पाटील को समर्थन देने की अपील की है। शरद पवार सांगली के दौरे पर थे, जब उन्होंने तासगांव में आरआर पाटिल की समाधि का दौरा किया। वरिष्ठ नेता शरद पवार ने कहा, विधायक सुमनताई के बाद अब रोहित पाटील के साथ खड़े हों, रोहित को ताकत दें, हम सभी समस्याओं का समाधान कर देंगे।

दरअसल, रोहित पाटील के जन्मदिन के बाद से ये कयास लगाए रहे थे कि वह अब तासगांव कवठे महांकाल विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। वहीं अब शरद पवार ने अपनी उम्मीदवारी का साफ संकेत दे दिया है। सुमनताई पाटिल वर्तमान में तासगांव से विधायक हैं और उनसे पहले इस निर्वाचन क्षेत्र का नेतृत्व आरआर पाटिल करते थे।

'जनता ने भाजपा के सिर से सत्ता छीन ली'

बीजेपी की आलोचना करते हुए शरद पवार ने कहा, "लोकसभा चुनाव के दौरान कुछ लोगों को नुकसान हुआ है अगर इन्हें महाराष्ट्र की सत्ता से हटाना है तो लोगों को अपने साथ लेना चाहिए। हमने दस में से आठ में जीत हासिल की।" शरद पवार ने कहा कि हमने एक सामान्य परिवार से आने वाले नीलेश लंके को मौका दिया और अब वह लोकसभा में बैठे हैं। वहीं लोकसभा चुनाव में बीजेपी की तरफ से 'अबकी बार 400 पार' का नारा दिया गया था लेकिन महाराष्ट्र से भी बीजेपी को चौंकाने वाले नतीजे देखने को मिले। इस पर शरद पवार ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने लगातार जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी की आलोचना की, लेकिन मतदाताओं ने उन्हें स्वीकार नहीं किया।

गुजरात के मेडिकल कॉलेजों में फीस बढ़ने पर कांग्रेस ने जताई नाराजगी

सूरत, 9 जुलाई (एजेंसियां)। बीते दिनों गुजरात के राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय के फीस में बढ़ोतरी कर दी गई। इससे छात्रों के अभिभावकों और पैरेंट्स की टेंशन बढ़ गई है। इस मामले में कांग्रेस ने गुजरात के राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय के फीस में की गई बढ़ोतरी को वापस लेने की मांग की है। राज्य सरकार से संबद्ध गुजरात मेडिकल रिसर्च एंड एजुकेशन सोसाइटी (सीएमईआर) के 13 चिकित्सा महाविद्यालयों का संचालन करती है। कांग्रेस की गुजरात इकाई के अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने यहां मीडिया से बात करते हुए कहा, राज्य सरकार ने जीएमईआरएस के जरिये संचालित चिकित्सा महाविद्यालयों के फीस में रातों रात 67 से 88 फीसदी तक की बढ़ोतरी कर दी है। यह किसी भी शर्त पर स्वीकार्य नहीं है। प्रदेश

कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने आगे कहा, फीस में की गई यह अत्यधिक वृद्धि मध्यम वर्ग और गरीबों के चिकित्सा पेशे में करियर बनाने के सपने को तोड़ देगी। उन्होंने कहा, 67 से 88 फीसदी फीस की वृद्धि कभी भी उचित नहीं हो सकती। यह पांच से 10 फीसदी भी हो सकती थी। राज्य सरकार को तुरंत फीस में की गई वृद्धि वापस लेनी चाहिए। राज्य सरकार के फीस बढ़ोतरी के फैसले के बाद पैरेंटेस और अभिभावक काफी नाराज है। गुजरात कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि गुजरात कांग्रेस फीस वृद्धि के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों का समर्थन करेगी। मीडिया में छपी खबरों के मुताबिक, राज्य के राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय की फीस में 80 फीसदी तक इजाफा किया गया है। सरकार ने सरकारी कोटे की फीस बढ़ाकर 5.50 लाख रुपये कर दिया है, पहले यह फीस सिर्फ 3.30 लाख रुपये थी। इसी तरह मैनेजमेंट कोटा की फीस में भी बेतहाशा इजाफा कर 17 लाख रुपये कर दिया गया। मैनेजमेंट कोटा की फीस इजाफे से पहले 9.75 लाख रुपये थी। फीस बढ़ोतरी की मार विदेशी छात्रों को झेलनी पड़ेगी। एनआरआई कोटा से एडमिशन लेने वाले छात्रों को अब 22 हजार डालर की जगह 25 हजार डालर का भुगतान करना होगा।

मामा ने रिश्ते की भी लाज ना रखी, भांजी का किया रेप, कोर्ट ने 20 साल की सजा सुनाई

ठाणे, 9 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक कोर्ट ने नाबालिग से रेप करने के मामले में एक व्यक्ति को दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने कहा कि यह अपराध जघन्य और घिनौना है और इससे सख्ती से निपटा जाना चाहिए। पीड़िता, दोषी को 'मामा' मानती थी। विशेष पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) कोर्ट की न्यायाधीश रूबी यू मालवणकर ने पांच जुलाई को एक आदेश में कहा कि 54 वर्षीय आरोपी ने 'मामा' जैसे रिश्ते की भी लाज नहीं रखी। आदेश के प्रति सोमवार को उपलब्ध हुई। मामा को रेप, आपराधिक धमकी और पॉस्को अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया। विशेष लोक अभियोजक रेखा हिवराले ने कोर्ट को बताया कि पीड़िता ने 2018 में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह अपने पिता और दो भाइयों के साथ महाराष्ट्र के ठाणे जिले के मनपाड़ा इलाके में रहती थी। उस समय पीड़िता की उम्र 16 वर्ष थी। अगस्त 2017 में, अहमदनगर का रहना वाला उसका 'मामा' उनके घर रहने के लिए आया जो कि पेशे से रसोइया था। शिकायत के अनुसार, कुछ दिनों तक तो उसका व्यवहार ठीक रहा, लेकिन सितंबर से वह किसी बहाने से पीड़िता को गलत तरीक से छूने लगा।

जब भी कोई घर पर नहीं होता, वह इसी तरह की हरकत करता। अभियोजन पक्ष ने कोर्ट को बताया कि एक रात जब लड़की का पिता नशे में था और सो रहा था तो आरोपी ने पीड़िता के साथ रेप किया। जब पीड़िता चिल्लाई तो आरोपी ने उसका मुंह दबाया और जान से मार डालने की धमकी दी।

दिल्ली में लाइसेंसिंग प्रोसेस आसान बनाने के लिए नया पोर्टल लॉन्च, किसे होगा सबसे ज्यादा फायदा?

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने आठ जुलाई को आयोजित एक कार्यक्रम में 'पब्लिक एम्यूजमेंट पोर्टल' का शुभारंभ किया। इसकी शुरुआत से दिल्ली में ऑडोटोरियम, एम्यूजमेंट पार्क, विडियो गेम पार्लर, म्यूजिकल और डांस परफॉर्मेंस, पब्लिक थियेटर परफॉर्मेंस, रामलीला का मंचन, सर्कस और पहलवानी जैसी परफॉर्मेंस के लिए लाइसेंस हासिल करना आसान हो गया है। इस पोर्टल के जरिए लाइसेंस और उससे जुड़ी जरूरी मंजूरी या एनओसी ऑनलाइन हासिल किया जा सकता है। इससे न सिर्फ दिल्ली में बिजनेस को आसान बनाने में मदद मिलेगी बल्कि बिजनेसमैन को भी फायदा पहुंचेगा। जय सिंह रोड रोड स्थित नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) के कनवेंशन सेंटर में हुए इस कार्यक्रम के दौरान दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार, पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा, आईपीएस रॉबिन हिब्बू, भोला शंकर जायसवाल समेत अन्य गणमान्य अधिकारी मौजूद रहे। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि यह डिजिटल परिवर्तन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप व्यापार करने में आसानी को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लाइसेंससिंग की इस ऑनलाइन प्रक्रिया से उद्यमियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। पहले अलग-अलग इवेंट्स के लिए लाइसेंस लेने की प्रक्रिया तो ऑनलाइन थी, लेकिन इससे जुड़े बिल्डिंग डिपार्टमेंट, फायर डिपार्टमेंट, इलेक्ट्रिकल डिपार्टमेंट जैसे दूसरे विभागों से एनओसी पाने की प्रक्रिया ऑफलाइन ही होती थी, जिसकी वजह से उसमें देरी होती रहती थी, जिसका खामियाजा कारोबारियों को उठाना पड़ता था। नए पोर्टल से लाइसेंस पाने वालों के लिए सिंग्ल विंडो की सुविधा उपलब्ध होगी और लाइसेंस से जुड़ी सभी एजेंसियां इस पोर्टल पर ही होंगी।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 10 जुलाई- 2024

काबिल छात्रों की हकमारी

सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने नीट परीक्षा मामले में स्पष्ट कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी यानी एनटीए द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा यानी नीट में पर्चालीक तो हुआ है, लेकिन देखने वाली बात यह होगी कि इसका दायरा कहां तक फैला है। विद्यार्थियों की तरफ से दायर याचिकाओं में दोबारा नीट परीक्षा कराने की मांग रखी गई है। इस संबंध में अदालत ने एनटीए और सीबीआई से पूछा है कि इसका दायरा कितना बड़ा है। अगर दो छात्रों को इसका लाभ मिला है, तो पूरी परीक्षा रद्द करने का आदेश नहीं दिया जा सकता, लेकिन सोशल मीडिया के माध्यम से पर्चालीक हुआ है तो यह जंगल की आग की तरह फैला है। अगर परीक्षा की शुचिता 'नष्ट' हुई है तो दोबारा परीक्षा पर विचार किया जा सकता है। हालांकि एनटीए और सरकार अंत तक अपनी दलील पर अड़े रहे कि कृपांक पाने वाले अभ्यर्थियों को दोबारा परीक्षा देने का विकल्प दिया गया था, इसलिए अब नतीजे दुरुस्त हैं। मगर अदालत ने एनटीए से पर्चालीक की प्रकृति और उन केंद्रों के नाम बताने को कहा है, जहां से लीक हुआ है। सीबीआई से पूछा है कि उसकी जांच में क्या तथ्य हाथ लगे हैं। दोबारा परीक्षा की मांग करने वाले छात्रों से भी अपने पक्ष में तर्क देने को कहा गया है। अब इस मामले में अगली सुनवाई गुरुवार को होनी है। एनटीए अपने बचाव में कोई पुख्ता दलील पर विचार कर रही है। वह शुरू से यही कहती आ रही है कि इस परीक्षा में पेपरलीक नहीं हुआ है। केंद्रीय शिक्षामंत्री भी कहते रहे कि परीक्षा से पहले पर्चे बाहर नहीं गए। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने माना है कि पेपर लीक तो हुआ है। परीक्षा के दिन से ही विद्यार्थी आरोप लगा रहे हैं कि इसमें नकल कराई गई, लेकिन एनटीए है कि सुनता ही नहीं है। जब नतीजे आए तो सबकुछ साफ हो गया। अभूतपूर्व ढंग से सड़सठ विद्यार्थियों को पूरे अंक मिल गए। यह भी तथ्य उजागर हो गया कि कुछ केंद्रों पर ही ऐसे विद्यार्थियों की संख्या अधिक थी। एनटीए दलील देता रहा कि जिन विद्यार्थियों को पर्चा मिलने में देरी हुई उन्हें कृपांक दिए गए, इसलिए उनके अंक बढ़ गए। मगर इस सवाल का उसके पास कोई संतोषजनक जवाब नहीं था कि कृपांक देने का उसका आधार क्या था। फिर दबाव बना, तो पंद्रह सौ से अधिक कृपांक पाए विद्यार्थियों की दोबारा परीक्षा ली गई। बता दें कि नीट परीक्षा में देश भर के करीब चौबीस लाख विद्यार्थी बैठे थे। जाहिर है परीक्षा पास करने के लिए उन्होंने महीनों कड़ी मेहनत से तैयारी की होगी। अगर दुबारा परीक्षा होगी, तो उन्हें फिर से उसी प्रक्रिया से गुजरना होगा। मगर विडंबना है कि न तो एनटीए ने इस मामले को गंभीरता से लिया और न सरकार ने। कहां तो सरकार को यह भरोसा कायम करना चाहिए कि इस तरह की किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में कोई धांधली हुई ही नहीं, वह खुद इस पर पर्दा डालने में जुटी रही। अगर वह सचमुच इसे लेकर गंभीर होती, तो मामला सुप्रीम कोर्ट तक जाने ही न पाता। सरकार के इस रवैए से पेपरलीक करने वाले नकल माफिया को प्रश्रय ही मिल रहा है और वे काबिल छात्रों की हकमारी कर पैसे के बल पर अयोग्य विद्यार्थियों को चिकित्सा जैसे संवेदनशील महकमे में प्रवेश दिलाते रहेंगे। जब तक सरकार सच्चाई स्वीकार करने का साहस नहीं दिखाती और नकल कराने वालों के खिलाफ गंभीरता से सख्ती नहीं बरतती, तब तक ऐसी समस्याओं से पार पाना मुश्किल बना रहेगा और नाकाबिल लोग चिकित्सा जैसे संवेदनशील मामले में अपने हाथ आजमाते रहेंगे।

क्या क्षेत्रीय दलों का युग वापिस आ गया है

राजेश कुमार पासी

इस बार भाजपा को लोकसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत नहीं मिला है और उसने अपने गठबंधन के सहयोगियों के समर्थन के सहारे सरकार बनाई है. हालांकि पिछली दो सरकारें भी गठबंधन की सरकारें थी लेकिन उसमें भाजपा को अपने दम पर पूर्ण बहुमत प्राप्त था । भाजपा द्वारा लगातार दो बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने से यह कहा जाने लगा था कि क्षेत्रीय दलों का युग चला गया है । इस बार बनी भाजपा की सरकार अपने सहयोगियों के समर्थन पर टिकी हुई है, इसलिए कुछ राजनीतिक विश्लेषक यह दावा कर रहे हैं कि अब दोबारा क्षेत्रीय दलों का युग वापिस आ गया है । देखा जाये तो जहां भाजपा की सरकार सहयोगियों के आसरे है वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस भी अपने सहयोगियों के साथ इस सरकार के खिलाफ खड़ी है । इन चुनावों में यूपी में समाजवादी पार्टी ने जोरदार वापसी की है तो ममता बनर्जी ने बंगाल में भाजपा को पीछे धकेल दिया है । तमिलनाडु में एक बार फिर डीएमके ने अपनी ताकत दिखा दी है । देखा जाये तो ऐसा लग रहा है कि क्षेत्रीय दल अपनी वापसी कर रहे हैं लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि इन चुनावों में कई क्षेत्रीय दलों की ताकत बहुत कम हो गई है और कुछ दलों का तो भविष्य भी अंधकारमय दिखाई दे रहा है । यह ठीक है कि भाजपा सहयोगियों के समर्थन के आसरे हैं लेकिन उसे अपने दम पर 240 सीटें प्राप्त हुई हैं जो उसे अपनी मर्जी से सरकार चलाने का भरोसा देती हैं । गठबंधन को इतनी सीटें मिल गई हैं कि अगर एक-दो दल आगे-पीछे हो जाते हैं तब भी सरकार की सेहत पर असर पड़ने वाला नहीं है । हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि इन चुनावों में कांग्रेस की ताकत भी बढ़ी है और उसने अपनी सीटों और समर्थकों में बढ़ोतरी की है । अगर हम इन चुनावों का विश्लेषण करें तो पता चलता है कि आने वाले वक्त में कई क्षेत्रीय दलों का भविष्य अंधकारमय दिखाई दे रहा है ।

बेशक इन चुनावों में समाजवादी पार्टी ने यूपी में अपनी सीटों में बढ़ोतरी की है लेकिन इसमें उसे कांग्रेस का सहारा लेना पड़ा है । अभी तक यादव और मुस्लिम समाज को समाजवादी पार्टी का वोट बैंक माना जाता था लेकिन इन चुनावों में गठबंधन के कारण मुस्लिम वोट बैंक कांग्रेस की तरफ भी गया है । आने वाले विधानसभा चुनावों तक अगर ये गठबंधन कायम रहता है तो समाजवादी पार्टी को कांग्रेस को ज्यादा सीटें देनी पड़ सकती हैं और दूसरी तरफ अगर इन दोनों दलों में गठबंधन नहीं होता है तो मुस्लिम समाज किस तरफ जायेगा, ये कहना मुश्किल है । कांग्रेस की ताकत का बढ़ना समाजवादी पार्टी के भविष्य के लिए अच्छा संकेत नहीं है क्योंकि मुस्लिम वोट बैंक छिनने का खतरा पैदा हो गया है । यूपी में बसपा के लिए भी यह चुनाव बड़े खतरे का संकेत हैं क्योंकि उसके पास से दलित वोट बैंक का कुछ हिस्सा छिटक कर सपा और कांग्रेस के गठबंधन के पास चला गया है । भाजपा पहले ही बसपा के गैर-जाटव वोट बैंक में सेंध लगा चुकी है । इस तरह से देखा जाये तो समाजवादी पार्टी के लिए जहां भविष्य में खतरा दिखाई दे रहा है तो बसपा का तो वर्तमान ही सही नहीं है । इस बार उसे लोकसभा में शून्य सीट हासिल हुई है जो कि 2014 के चुनाव के बाद दूसरी बार हुआ है । अगर बिहार की बात करें तो इन चुनावों में तेजस्वी यादव के दावों को देखते हुए लग रहा था कि वो पिछले चुनावों से बेहतर प्रदर्शन करेंगे और भाजपा को बिहार में रोक देंगे लेकिन सारी संभावनाओं के विपरीत राजद को बिहार में सिर्फ चार सीटें ही हासिल हुई हैं । जनता ने तेजस्वी यादव को बता दिया है कि वो उन्हें बिहार के लिए तो अच्छा मानती है लेकिन राष्ट्रीय राजनीति के लायक नहीं मानती है ।

जो लोग क्षेत्रीय दलों की वापसी की घोषणा कर रहे हैं उन्हें जनता की सोच को समझना होगा । भारतीय मतदाता इतना जागरूक हो गया है कि वो राज्य की सत्ता किसे देनी है और राष्ट्रीय सत्ता किसे देनी है, इसमें अंतर करने लगा है । जिस दल को वो राज्य में सरकार बनाने के लिए बड़ा बहुमत देता है, उसे ही लोकसभा चुनाव में पूरी तरह नकार देता है । यह बात आम आदमी पार्टी की हालत देखकर पता चलती है । दिल्ली में पिछले तीन लोकसभा चुनाव से लगातार इस पार्टी को शून्य सीट मिल रही है जबकि दिल्ली में इस पार्टी की तीन चौथाई बहुमत वाली सरकार दस साल से चल रही है । पंजाब में भी इस पार्टी को विधानसभा में तीन चौथाई बहुमत प्राप्त है लेकिन लोकसभा चुनाव में उसे पंजाब की 13 में से सिर्फ तीन सीटें ही हासिल हुई हैं । इस तरह से देखा जाये तो यह पार्टी अपने नेता केजरीवाल के लिए प्रधानमंत्री पद का दावा करती है लेकिन देश की जनता ने संदेश दे दिया है कि वो केजरीवाल को प्रधानमंत्री के पद के लायक ही नहीं मानती है । पंजाब में जहां आम आदमी पार्टी को सिर्फ तीन सीटें ही मिली हैं तो दूसरी तरफ पंजाब के मुख्य क्षेत्रीय दल अकाली दल को सिर्फ एक सीट मिली है और पिछले चुनाव में दो सीटें मिली थी । इस तरह से देखा जाये तो शिरोमणि अकाली दल का भविष्य भी अच्छा दिखाई नहीं दे रहा है । हरियाणा में भी किसी क्षेत्रीय दल को कोई लोकसभा सीट हासिल नहीं हुई है ।

जम्मू-कश्मीर के दो क्षेत्रीय दल पीडीपी और नेशनल कांफ्रेंस इन लोकसभा चुनाव में खाली हाथ रह गये हैं । जहां पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती अपना चुनाव हार गई हैं तो दूसरी तरफ नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला भी चुनाव हार गए हैं । इस तरह से इन दोनों क्षेत्रीय दलों का राष्ट्रीय राजनीति में दखल खत्म हो गया है । आने वाले विधानसभा चुनाव में देखना होगा कि कश्मीर की जनता इन्हें राज्य की राजनीति के लायक भी मानती है कि नहीं । बंगाल और केरल में सीपीएम हाथ मलता रह गया है जबकि केरल में सीपीएम की सरकार चल रही है । बंगाल में भाजपा के उदय के बाद सीपीएम की राजनीति वहां खत्म हो गई है तो दूसरी तरफ केरल में भी भाजपा की ताकत बढ़ रही है जो उसके भविष्य के लिए बड़ा खतरा बन सकती है। तमिलनाडु में डीएमके जरूर अपनी ताकत साबित करने में सफल रहा है लेकिन अन्ना डीएमके इन चुनाव में खाली हाथ रह गया है । जहां इस पार्टी में विभाजन हो गया है तो दूसरी तरफ कोई नेता जनता में अपनी पकड़ नहीं बना पा रहा है । भाजपा इस पार्टी का विकल्प बनकर सामने आ रही है जो इस पार्टी के अस्तित्व के लिए बड़ा खतरा बन सकती है ।

दक्षिण भारत के एक राज्य तेलंगाना की सबसे बड़ी पार्टी बीआरएस इन चुनाव में खाली हाथ रह गई है और विधानसभा चुनाव में भी इस पार्टी का सूपड़ा साफ हो चुका है । अभी कुछ समय पहले इसके नेता चंद्रशेखर राव राष्ट्रीय राजनीति में अपनी बड़ी भूमिका देख रहे थे लेकिन अब उनका राज्य की राजनीति से ही सफाया हो गया है । आंध्र प्रदेश में जहां टीडीपी को दोबारा सत्ता मिल गई है तो दूसरी तरफ दूसरी क्षेत्रीय पार्टी वाईआरसीपी का सफाया हो गया है । टीडीपी की बढ़ी ताकत में भाजपा का सहयोग भी शामिल है । उड़ीसा में बीजेडी लोकसभा की एक भी सीट जीत नहीं पाई है । देखा जाये तो इस पार्टी का भी राष्ट्रीय राजनीति में दखल खत्म हो गया है । मेरा मानना है कि कांग्रेस की बढ़ती ताकत भी आने वाले समय में क्षेत्रीय दलों के लिए खतरा बनने वाली है । भाजपा पहले से ही सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टी बन चुकी है, अगर कांग्रेस में भारत की जनता को भाजपा का विकल्प दिखाई देने लगता है तो क्षेत्रीय दलों का राष्ट्रीय राजनीति में दखल बहुत कम हो जायेगा ।

उफनती नदियों से खतरे में जिन्दगी!

मनोज कुमार अग्रवाल

बरसात का सीजन आते ही देश के कई राज्यों में हालात काफी बिगड़ने लगे हैं। एक ओर कई राज्य बाढ़ की चपेट में आ गए हैं, तो पहाड़ी राज्यों की अवस्था काफी खराब होती जा रही है। चट्टानें खिसकने चटकने, पहाड़ दरकने और भूस्खलन से हालात काफी खराब होते जा रहें हैं। अतिवृष्टि और बाढ़ की चपेट में आकर कई राज्यों में जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया हैं। उत्तराखंड, हिमाचल, असम में नदियां उफान पर हैं और महाराष्ट्र गुजरात में मानसूनी बारिश में स्थिति काफी खराब हो रही है। राजस्थान में इस बार भी बारिश कहर बरपा रही है। खासकर पूर्वोत्तर राज्यों में हालात काफी खराब होती जा रही है। यहां की नदियां उफान पर हैं, जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। असम के 30 जिलों में करीब 24.5 लाख लोग इस बाढ़ की चपेट में हैं। राज्य में अब तक बाढ़ से 52 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं बारिश की वजह से हुए भूस्खलन और तूफान में भी 12 लोगों की जान गई है। विनाशकारी बाढ़ की वजह से अब तक 114 जंगली जानवरों की भी मौत काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में हो चुकी है। इधर उत्तर प्रदेश में बारिश की वजह से 13 लोगों की मौत हो गई। इसी प्रकार जम्मू में पूरी रात हुई भारी बारिश की वजह एक 30 वर्षीय महिला की डूबने से मौत हो गई है। हालात को देखते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने टेलीफोन पर सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात की। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा को भी केंद्रीय मदद का भरोसा दिया है। भारी बारिश से हिमाचल में 150 से अधिक सड़कें बाधित हुई हैं। इनमें मंडी की 111, सिरमौर की 13, शिमला की नौ तथा चंबा और कुल्लू की आठ-आठ सड़कें शामिल हैं। भारी बारिश से उत्तराखंड में पहाड़ दरकने लगे हैं। उनका मलबा सड़कों पर आ रहा है, जो कई बार जानलेवा भी साबित हो रहा है। यहां बारिश में पहाड़ों का मलबा आने से, पेड़ गिरने की वजह से कई सड़कें बंद हैं। इतना ही नहीं बल्कि प्रशासन ने चारधाम यात्रा भी 2 दिनों के लिये स्थगित कर दी है। खराब मौसम का असर देखते हुए चार धाम यात्रा पर रोक लगाई गई है। मौसम विभाग ने भारी बारिश की चेतावनी दी है इसके मद्देनजर कमिश्नर गढ़वाल ने 8 जुलाई तक यात्रा स्थगित करने की घोषणा की है।

पहाड़ों पर कुदरत ना जाने क्या ठानकर बैठी है. आसमान से ऐसी तबाही बरस रही है कि जमीन पर सबकुछ ध्वस्त हो रहा है. पहाड़ तिनके की तरह बिखर रहे हैं. उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में धारचूला की ओर जाने वाली एक सड़क पर पहाड़ का बड़ा हिस्सा टूटकर ऐसे गिरा कि सड़क बंद हो गई और सैकड़ों गाड़ियां फंस गईं. पिथौरागढ़ जिले में भी लगातार हो रही बारिश के चलते हादसे का खतरा बना हुआ है. काली नदी खतरे के निशान के बेहद करीब पहुंच गई है। उत्तरकाशी में हिमखंड टूटने से गंगा के बहाव में अचानक तेज़ी आ गई।गौमुख में पुल बह जाने से 2 कांवड़िए पानी के तेज बहाव के साथ बह गए. बाकी बचे कांवड़ियों को एसडीआरएफ की मदद से रेस्क्यू किया गया. केदारनाथ मंदिर के पीछे गांधी सरोवर की पहाड़ी पर एवलांच की तस्वीर 2013 की त्रासदी की याद दिलाती है. पहाड़ों पर बर्फ का गुबार नजर आने लगा, जिसके बाद केदानगरी में हलचल मच गई।

बारिश और लैंडस्लाइड की वजह से उत्तराखंड की सबसे बड़ी पर्यटन नगरी नैनीताल की ओर जाने वाली सड़कें बेहाल हो गई हैं. नैनीताल पर बारिश आफत बनकर आई. रेलवे ट्रैक पर पानी और मलबा भर गया. जो सैलानी बरसाती मौसम का मजा उठाने आए थे, लौटने को मजबूर हो गए. शहर की सड़कें वीरान पड़ी हैं. सैलानी होटल खाली कर अपने-अपने ठिकानों को लौट रहे हैं और स्थानीय लोग भी भूस्खलन के डर से सहमे हुए हैं।जगह-जगह पहाड़ दरक रहे हैं. भूस्खलन की वजह से भवाली-कैंचीधाम को जोड़ने वाला रास्ता बंद हो गया है. लोगों से सुरक्षित जगहों पर जाने की अपील की गई है। उधर नेपाल में हो रही बारिश के कारण एक बार फिर से बिहार में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। पश्चिम बंगाल का पहाड़ी क्षेत्रों की अवस्था भी काफी खराब है। पश्चिम बंगाल और सिक्किम को जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग भूस्खलन की चपेट में आने से पिछले कई दिनों से बंद है। इससे यातायात में काफी परेशानी हो रही है। इसके साथ ही कई घर भूस्खलन की चपेट में आ जाते हैं। साथ ही तीस्ता के रौद्र रुप के कारण समतल के जलपाईगुड़ी जिले के कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गयी है। यह हाल तब है, जबकि अभी मानसून शुरू हुआ है। हालांकि ऐसा नहीं है कि बारिश अचानक आयी है। मौसम विभाग ने भारी बारिश को लेकर पहले ही चेतावनी जारी कर दी थी। लेकिन शायद राज्य सरकारों के द्वारा इसको गंभीरता से नहीं लिया जाता है। हकीकत यह कि अपने देश के कुछ राज्यों में हर साल की बाढ़ आती है, लेकिन इसको नियंत्रित करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया जाता है। असम, पश्चिम बंगाल, बिहार जैसे राज्यों का एक बड़ा इलाका लगभग हरेक साल ही बाढ़ की त्रासदी झेलता है। मगर दुर्भाग्य से हमारी सरकारें इस मद में बजटीय आवंटन को लेकर जितनी उत्सुक दिखती हैं, इस समस्या से स्थायी छुटकारे को लेकर उनके प्रयास उतने दिखाई नहीं पड़ते। अगर देखा जाए तो देश में हर साल बारिश और बाढ़ से करीब 7 करोड़ लोग प्रभावित होते हैं। पिछले 65 सालों से हर साल औसतन बाढ़ में 2130 लोग मारे जाते हैं। एक लाख 20 हजार जानवर मरते हैं। 82.08 लाख हेक्टेयर खेती बर्बाद होती है। एक रिसर्च के अनुसार भूस्खलन की जो घटनाएं पहाड़ी इलाकों में होती थीं, वो 2004 से 2010 के बीच 22 मिमी प्रति वर्ष की रफ्तार से होती थी, लेकिन 2022-23 में ही भारी बरसात के कारण ये 32 मिमी प्रतिवर्ष की रफ्तार से हुई। इस बार भी हिमाचल और उत्तराखंड में जिस तरीके से बरसात हो रही है, उससे भूस्खलन की घटनाएं हो रही हैं। हिमाचल प्रदेश के मंडी में फ्लैश फ्लड जैसे हालात बने हुए हैं. पहाड़ी से अचानक मलबा गिरने से हिमाचल टूरिज्म की बस और कई गाड़ियां फंस गईं. लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बाद हो रही लैंडस्लाइड से कई सड़कें ध्वस्त हो गई हैं. पार्किंग में खड़ी गाड़ियां को मलबे के नीचे दब गईं। पहाड़ तिनके की तरह बिखर रहे हैं।

एक तरफ प्राकृतिक आपदा दूसरी तरफ प्रशासनिक कुव्यवस्था जिसमें पुल के पुल ढहे जा रहे हैं. ये पुल नहीं गिर रहे, ये बिहार में सरकारी तंत्र पर भरोसा गिर रहा है. ये पुल नहीं टूट रहे लोगों की उम्मीदें टूट रही हैं. 17 दिनों में 12 पुल गिर गए. बिहार में ऐसा क्या हो गया है कि पुल गिरते ही जा रहे हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार इसरो और कोचिन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के एक शोध के अनुसार पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की घटनाएं पिछले 20 सालों में काफी बढ़ी हैं।

साफ है कि पिछले कुछ वर्षों में कुदरत का कहर बढ़ा है। इसमें संदेह नहीं कि मौसम संबंधी गतिविधियों में आ रहे बदलाव का बड़ा कारण जलवायु संकट है। और ऐसा सिर्फ भारत या एशियाई क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि पूरी धरती पर देखने को मिल रहा है।

जागरूकता से ही रुक सकते हैं साइबर अपराध

सुनील कुमार महला

आज का युग डिजिटल युग है। दूसरे शब्दों में कहें तो आज हम सोशल नेटवर्किंग साइट्स व्हाट्स एप, फेसबुक, इंस्टाग्राम के युग में जी रहे हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज हम जितनी तेज़ी से डिजिटल दुनिया की ओर बढ़ रहे हैं, ठीक उतनी ही तेज़ी से साइबर अपराध की संख्या में भी वृद्धि हो रही है, जिस गति से तकनीक ने उन्नति की है, उसी गति से मनुष्य की इंटरनेट पर निर्भरता भी बढ़ी है। सोशल नेटवर्किंग साइट्स का एक तरफ तो इस जीवन में बहुत उपयोग है लेकिन दूसरी तरफ इससे अनेक अपराध, धोखाधड़ी भी पनप रहे हैं। आज सोशल नेटवर्किंग, ऑनलाइन शॉपिंग, डेटा स्टोर करना, गेमिंग, ऑनलाइन स्टडी, ऑनलाइन जॉब सब इंटरनेट से होता है।

यहां यह जानना जरूरी है कि आखिर साइबर अपराध का मतलब क्या है ? तो जानकारी देना चाहूंगा कि साइबर अपराध का मतलब है जो कंप्यूटर, नेटवर्क या डिजिटल उपकरणों के किसी अन्य सेट का उपयोग करके की जाने वाली असंख्य आपराधिक गतिविधियों का वर्णन करता है। वास्तव में किसी की भी निजी जानकारी कंप्यूटर से निकाल लेना या चोरी कर लेना भी साइबर अपराध है। कंप्यूटर अपराध भी कई प्रकार से किये जाते है जैसे कि जानकारी चोरी करना, जानकारी मिटाना, जानकारी में फेर बदल करना, हेरफेर करना,किसी की निजी या व्यक्तिगत अथवा पेशेवर जानकारी को किसी और को देना या कंप्यूटर के भागो को चोरी करना या नष्ट करना आदि आदि। इतना ही नहीं, वित्तीय या कार्ड भुगतान डेटा की चोरी, कॉर्पोरेट डेटा की चोरी और बिक्री, साइबरएक्सटॉर्शन (धमकी भरे हमले को रोकने के लिए पैसे की मांग करना), रैनसमवेयर हमले (साइबर जबरन वसूली का एक प्रकार), क्रिप्टोजैकिंग (जहां हैकर्स उन संसाधनों का उपयोग करके क्रिप्टोकरेंसी माइन करते हैं जो उनके स्वामित्व में नहीं होते हैं), साइबर जासूसी (जिसमें हैकर्स सरकारी या कंपनी के डेटा तक पहुंच बनाते हैं), सिस्टम में इस तरह हस्तक्षेप करना जिससे नेटवर्क को खतरा हो, कॉपीराइट का उल्लंघन करना।गैर-कानूनी जुआ, अवैध वस्तुओं को ऑनलाइन बेचना, बाल पोर्नोग्राफी का अनुरोध करना, उसका निर्माण करना या उसे अपने पास रखना आदि भी साइबर अपराधों की श्रेणी में आते हैं।

सच तो यह है कि साइबर धोखाधड़ी आज के युग में हमारे समक्ष एक गंभीर खतरा बन गया है। कहना ग़लत नहीं होगा कि इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों का बढ़ता उपयोग साइबर अपराधियों को नए-नए तरीकों से धोखाधड़ी करने के अवसर प्रदान कर रहा है। आज साइबर अपराधों में फिशिंग हमले, सोशल इंजीनियरिंग हमले लगातार हो रहे हैं और कोई भी सुरक्षित नहीं रह गया है, जैसा कि आज हम सभी डिजिटल युग में जी रहे हैं और एंड्रॉयड, लैपटॉप पर इंटरनेट का जमकर प्रयोग कर रहे हैं। आज हम सभी ई मेल व विभिन्न वेबसाइटों का प्रयोग करते हैं और फिशिंग हमलों के जरिए अपराधी हमारे से अनेक संवेदनशील जानकारियां यथा हमारे विभिन्न पासवर्ड, हमारा डाटा, हमारा बैंक विवरण आदि चोरी कर लेते हैं।

वास्तव में हमें यह चाहिए कि हम किसी भी अनजाने ई मेल, लिंक या किसी अटैचमेंट पर कभी भी बिना सोचे समझे क्लिक न करें, अन्यथा हम कभी भी किसी भी समय साइबर हमले का शिकार हो सकते हैं। आज हम नेम एंड फेम कमाने के चक्कर में अपनी निजी जानकारियां, पेशेवर जानकारियां जाने अनजाने में सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर शेयर कर देते हैं जो हमारे लिए घातक बन जाता है, जैसा कि सोशल इंजीनियरिंग हमलों में धोखेबाज लोग हमारी भावनाओं और भरोसे का भरपूर फायदा उठाते हैं। इससे बचने के लिए हमें हमेशा सतर्क तो रहना ही चाहिए साथ ही साथ हमें यह चाहिए कि हम अपनी निजी या व्यक्तिगत जानकारियां अथवा पेशेवर जानकारियां कभी भी शेयर न करें। हमें हमेशा बहुत मजबूत और जटिल पासवर्ड का प्रयोग करना चाहिए, साथ ही हमें यह चाहिए कि हम समय समय पर अपने पासवर्ड को स्पेशल करेक्टर्स, अपर और लोअर केस ,नंबर्स आदि का प्रयोग मजबूत पासवर्ड बनाने के लिए करें। साइबर हमलों से बचने के लिए हमें यह चाहिए कि हम अपने कंप्यूटर और मोबाइल डिवाइस के ऑपरेटिंग सिस्टम और अन्य सॉफ्टवेयर को नियमित रूप से अपडेट करें। इससे न केवल सुरक्षा खामियों को दूर किया जा सकता है बल्कि इससे हमारा सिस्टम भी सुरक्षित रहता है।

इतना ही नहीं, एंटीवायरस सॉफ्टवेयर और फ़ायरवॉल का उपयोग करना भी बहुत आवश्यक है। यह सॉफ्टवेयर मालवेयर, वायरस और अन्य खतरों से डिवाइस की सुरक्षा करते हैं। हम यह भी सुनिश्चित करें कि हमारा इंटरनेट कनेक्शन सुरक्षित हो। इसके लिए सार्वजनिक वाई-फाई का उपयोग करते समय हमें अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए।संवेदनशील जानकारी के लिए हमेशा सुरक्षित और विश्वसनीय इंटरनेट कनेक्शन का उपयोग किया जाना चाहिए। इसके अलावा हमें यह चाहिए कि हम संदेहास्पद गतिविधियों की रिपोर्टिंग भी करें। यदि किसी भी संदिग्ध गतिविधि का सामना करना पड़े, तो हमें तुरंत अपने वरिष्ठ अधिकारियों, सहयोगियों को सूचित करना चाहिए और साइबर सुरक्षा विभाग से संपर्क करना चाहिए। इसके लिए हमें प्रशिक्षण लेना भी बहुत ही जरूरी है। इस बारे में जागरूकता तो हमें होनी ही चाहिए। जरूरत पड़ने पर इस संबंध में एफआईआर भी दर्ज करवाई जा सकती है। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर रिपोर्ट भी की जा सकती है।

दलबदल के मेंढक

डॉ टी महादेव राव

चुनावी बरसात का मौसम शुरू हो गया है। प्रत्याशी रूपी मेंढक तालाबों के किनारे टर टर करते हुए उछल कूद कर रहे हैं। इधर से उधर, उधर से इधर- बिल्कुल आजकल के नेताओं के कूद फांद की तरह। फर्क सिर्फ इतना है कि मेंढक कूद कूद कर वापस अपनी जगह पर तालाब में लौट रहे हैं, जबकि नेता अपने हिसाब करके उसके अनुसार एक पार्टी त्याग कर दूसरी पार्टी में जा रहे हैं। मन लगा तो रह गए वहां। अगर नहीं तो फिर लौट के घर आ रहे हैं। आदमी से अधिक महत्वपूर्ण होता है उसका अहम। कहीं कहीं पहचान भी अधिक असर करती है। भाव देना जैसे वाक्यांश को देखें अगर, अपनी पार्टी में किसी को भाव नहीं दिया जा रहा है, उसके महत्व को पहचान नहीं रहे हैं, तो सहज है उसके अहम को चोट लगेगी। अहम को मैं स्वाभिमान से अलग मानता हूं। स्वाभिमान से दो कदम आगे अहम या अहंकार होता है, जो जैसा चलाता है - आदमी वैसा ही नाचता है। कुछ पा लेने का लालच, कहीं कुर्सी हथियाने की दुराशा, पुरानी पार्टी से निराशा, नई पार्टी में स्वयं की पहचान के लिए हटता कुहासा - सारा कुछ पार्टी बदलने या कहें कूद फांद करने को विवश करते हैं।अब देखिए जहां जिसकी उम्मीद होती है, वहां वह नहीं होता तो खीझ कर खंभा नोचने वाले नेताओं की कमी नहीं है, लेकिन इतने बुजुर्ग या कुछ युवा भी इस बात को क्यों नहीं मानते कि "कभी किसी को मुकम्मल जहां नहीं मिलता"। अगर ऐसी मुकम्मल पहचान मिल गई तो क्या बात है? पौ बारह। पांचों उंगलियां घी में और सर कड़ाही में। यह अलग बात है कि ऐसे मौके कहां मिलते हैं? अगर पांचों उंगलियां घी में हैं तो सिर कहीं गिरवी रखा होता है। लगता है जिस तरह शतरंज में मोहरे एक स्थान पर नहीं रहते कुछ एक को छोड़कर और जब उनकी चलायमान स्थिति होती है तो मारे जाने के अंदेशे ज्यादा होते हैं। ठीक उसी तरह थोड़ी सी लालच में उभयचरजीवी मंडूक की तरह आप ने छलांग लगाई और आपके इतनी ऊर्जा खर्चने एवज में आपको किसी सांप का निवाला बनना पड़े.... तो फिर? कुर्सी, पद, सत्ता, पहचान, महत्ता और शॉर्टकट में सब कुछ पा जाने की महत्वाकांक्षा आदमी को अलग करती है और यही कारण है कि दल बदल हो रहे हैं आजकल कुछ अधिक संख्या में। एक नए नए दल बदले नेता से हमने पूछा "भाई जी आप तो अच्छे खासे थे उस पार्टी में। आपको बढ़िया कर्ताधर्ता बना कर रखा था। आप उस दल रूपी जहाज से कैसे इस जहाज पर कूद पड़े? मतलब पार्टी बदल कर इस दल में आ गए।"सुकरात सा चेहरा बनाकर अपने अंदाज में उन्होंने कहा "वह डूबता जहाज लग रहा है मुझे, मेरे पिता उस दल में थे। मैं भी था, लेकिन मुझे लगा इस डूबते जहाज में मैं सुरक्षित नहीं हूं इसलिए वहां से इस दल में आ गया। मैंने उन्हें खींचा –"कहा तो यह जाता है कि जब जहाज डूबने लगता है तो सबसे पहले चूहे उस जहाज को छोड़कर भाग खड़े होते हैं। तो हम क्या आपको गणेश जी का वाहन मूषक मानें?"

" न। न हम मूषक हैं और न मंडूक हैं। हम तो शेर हैं" कॉलर उठाते हुए कहा उन्होंने।"हां ज़ू वाला शेर कभी इस चिड़ियाघर में तो कभी उस चिड़ियाघर में है न?""आपको तो कुछ समझता ही नहीं है। आप राजनीति क्या जानें? कैसे-कैसे पापड़ बेलने पड़ते हैं, कैसे-कैसे तिकड़म लगाना होता है। कैसे-कैसे चक्कर करने होते हैं। सारा दिमाग का खेल है राजनीति आसान नहीं है।""लोग कहते हैं कि राजनीति में हम इसलिए आए हैं कि जनता की और समाज की सेवा करें, लेकिन आपकी बातों में कहीं भी जनता का या जनकल्याण का जिक्र ही नहीं है।

ज़ूम पर झूम

सुरेश मिश्रा

जूम पर अभी झूमने वाले झूम रहे हैं। न हॉल की जरूरत, न पुष्पगुच्छ का झमेला, न भोजन की झिक-झिक । फोकट में जब काम चल रहा हो तो पैसे खर्च करना बेफिजूली है। आभासी दुनिया गपोड़ियों का अड्डा होता है। पिछले एक घंटे से बात कर रहे थे। बातचीत गुरु और बच्चा की तर्ज पर हो रही थी। बच्चे सवाल कर रहे थे। गुरुजी अपने हिसाब से जवाब दे रहे थे। "अच्छा गुरुजी! फलां नेता कच्चा झूठ कैसे बोल पाते हैं? क्या उनका पेट खराब नहीं होता? कोई गूगल या किताब में जाकर झूठ की सच्चाई पता लगाने का प्रयास करे तो ऐसे नेताओं की हालत क्या होगी?"

"बच्चा! अब तुम्हें नेताओं की महानता के बारे में बताने का समय आ गया है। जब अपने पर आती है तो हमें आधुनिकता का उपयोग करना चाहिए। इसकी सबसे अच्छी मिसाल सोशल मीडिया है। इसका जितना इस्तेमाल इन नेताओं ने किया है, अब तक किसी ने नहीं किया है। हाँ यह अलग बात है कि पहले यह प्लाटफार्म उतना फला-फूला भी नहीं था। जब अपने पर आए तो आधुनिक चिकित्सा पर विश्वास करना चाहिए। किंतु अर्थशास्त्र में चाणक्य ने कहा था कि शासक को सदैव भौतिकवादी पद्धतियों का उपयोग करना चाहिए और जनता को भाववाद में उलझाकर रखना चाहिए। वेदों का ज्ञान न भी हो तो कोई बात नहीं, लोगों को बेवकूफ बनाओ। कह दो कि यह बात वेदों में है। वेद महान हैं। कौनसा लोग वेद पढ़ने लगेंगे। उन्हें खुद से फुर्सत नहीं वे खाक पढ़ेंगे वेद! कोई तुम्हारा विरोध करे तो कह दो कि यह तो विदेशी एजेंट है, चीनी भक्त है, पाकिस्तानी आतंकवादी या फिर देशद्रोही है। बाकी सब जनता पर छोड़ दो। जनता तो भाववाद के मोहजाल में ऐसी फंसी रहती है जैसे कस्तूरी की तलाश में मृग।"

"वाह गुरुजी! अद्भुत! आपके पास हर सवाल का काट है। तो फिर बताइए कि हम भुखमरी में विश्व के देशों में सबसे आगे क्यों हैं? रुपया गर्त में क्यों जा रहा है? आधुनिक जमाने में बाबा आदम जमाने के मुद्दों पर क्यों चुनाव लड़ रहे हैं? पहले मुर्गी के पंख नोचने और बाद में दाना डालने जैसी हरकत क्यों की जा रही है? खूब दाम बढ़ाकर फिर कुछ दाम घटाना कैसी राजनीति है? ईडी और आयकर को खुद का पालतू कुत्ता बनाना कहाँ तक उचित है?"

"मूर्ख! ऐसे सवाल करने वाला मेरा चेला नहीं हो सकता। तू तो देशद्रोही है! देशद्रोही! इसे तुरंत देश से निकाल दिया जाए। हो न हो यह पाकिस्तान से आया है। इसके कागज़ देखे जाएँ।"

धन कुबेर के नाराज होने पर आपके जीवन में घटने लगती हैं ये 5 अशुभ घटनाएं

धन कुबेर को देवी लक्ष्मी का भाई माना जाता है। पौराणिक मान्यता है कि अगर आप अपने जीवन में आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं, तो आपको देवी लक्ष्मी के साथ धन कुबेर की पूजा भी करनी चाहिए। इससे आपके जीवन से आर्थिक तंगी दूर होती है और धन प्राप्ति के योग बनते हैं। धनकुबेर को नौ निधियों का देवता भी कहा जाता है। मान्यता है कि अगर धन कुबेर क्रोधित हो जाएं, तो व्यक्ति का धन, वैभव उससे छिन जाता है। धन कुबेर के नाराज होने पर कुछ ऐसे संकेत मिलते हैं, जिससे समझा जा सकता है कि धन कुबेर आपसे नाराज है और उनकी कृपा आपको नहीं मिल पा रही है।

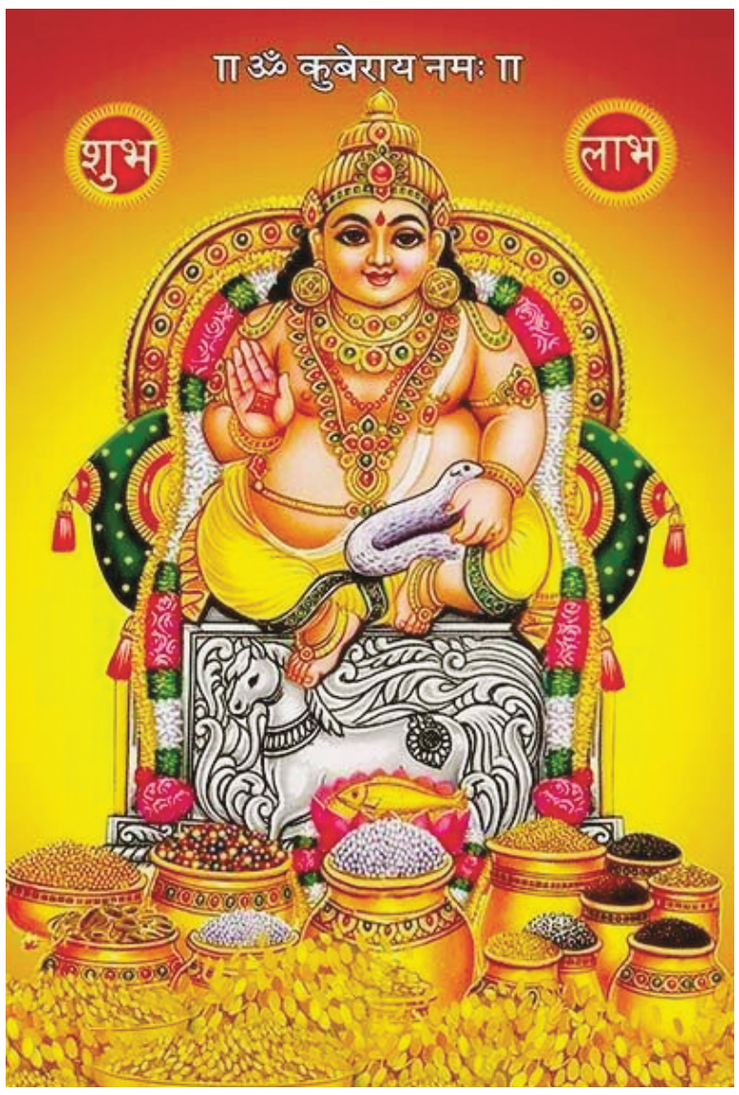

पेड़-पौधों का सूखना

पेड़-पौधों को अच्छी देखभाल की जरुरत होती है लेकिन अगर आप यह देख रहे हों कि बहुत देखभाल करने के बाद भी आपके घर में लगे पेड़-पौधे सूखते जा रहे हैं और इसका कोई विशेष कारण भी नहीं है, तो आपको समझ जाना चाहिए कि आपको धन कुबेर की नाराजगी का संकेत है। खासतौर पर घर का मनीप्लांट सूखना इस बात की ओर इशारा करता है, कि धन कुबेर की कृपा आप पर नहीं है।

किसी कीमती वस्तु का खोना या टूटना

धनकुबेर की नाराजगी का एक संकेत यह भी है कि आपकी कीमती वस्तु चोरी हो सकती है या फिर बहुत देखभाल करने पर भी आपकी कोई प्रिय कीमती वस्तु टूट जाती है या फिर कैसे भी आपसे दूर हो जाती है। यह भी इस बात का इशारा है कि धन कुबेर आपस खुश नहीं हैं।

बार-बार पैसे खो जाना

कई बार हमारे पैसे खो जाते हैं या फिर कहीं गिर जाते हैं लेकिन अगर आप कुछ दिनों से लगातर नोटिस करें कि आपको बार-बार धन की हानि हो रही है, तो आपको समझ जाना चाहिए कि धन कुबेर आपसे नाराज हैं। खासतौर पर जब बहुत संभालकर रखने के बाद भी पैसे कहीं गिर जाए या फिर चोरी हो जाए, तो यह एक इशारा है कि धन कुबेर आपसे खुश नहीं हैं।

घर का शीशा बार-बार टूटना

आपके घर का शीशा अगर बार-बार टूटता है, तो यह भी संकेत है कि आप पर धनकुबेर की कृपा नहीं बरस रही है और धन के देवता आपसे नाराज हैं। ऐसे में इस संकेत से भी इस बात का पता चलता है कि धनकुबेर आपसे नाराज हैं। खासतौर पर जब आप शीशे को बहुत संभालकर रखते हों और फिर भी शीशा बार-बार टूट जाए।

घर में बार-बार मकड़ी के जाले लगना

बहुत साफ-सफाई करने पर भी अगर आपके घर में मकड़ी के जाले लग जाते हैं, तो इसका मतलब यह भी होता है कि धनकुबेर आपसे खुश नहीं है। ऐसे में बहुत जरूरी है कि आप घर में मकड़ी के जाले नहीं लगने दें। वास्तु शास्त्र के अनुसार भी घर में मकड़ी के जाले लगे होने से घर में सुख-समृद्धि का वास नहीं होता है।

हर शाम इन पांच वास्तु उपायों को करने से नवग्रह रहते हैं शांत

हर व्यक्ति चाहता है कि उसके जीवन में सुख और शांति का वास हो। इसे पाने के लिए हर व्यक्ति कोई न कोई उपाय करता ही है। आज हम आपको ऐसे उपाय बता रहे हैं, जिन्हें आपको शाम के समय करना चाहिए। शाम के समय इन वास्तु उपायों को करने से न सिर्फ आपको धन लाभ होगा बल्कि घर में मौजूद नकारात्मक शक्तियां भी दूर हो जाएंगा। इससे आपके घर में सुख-शांति का वास होगा। आइए, जानते हैं हर शाम आपको कौन-से टोटके करने चाहिए।

शाम को लौंग डालकर दीया जलाएं

अपने इष्ट देवी-देवताओं को प्रसन्न करने के लिए, शाम के समय लक्ष्मी माता के सामने सरसों के तेल में एक साबुत लौंग डालकर जलाएं। यह सरल उपाय आपके जीवन की सभी समस्याएं दूर करने में मदद करेगा।

शाम के समय मिट्टी में डालें धनिया

शाम के समय थोड़ी-सी मिट्टी में धनिया के बीज मिलाएं। अब इसमें 21 रुपए के सिक्के मिलाकर एक पात्र में डाल दें। इस मिट्टी में थोड़ा-थोड़ा पानी डालें। इस बर्तन को उत्तर दिशा में रखें और उसमें नियमित रूप से पानी डालें। इससे धन प्राप्ति के योग बनते हैं। साथ ही नौकरी और कारोबार में भी लाभ होता है।

शाम को खिलाएं जानवरों को खाना

किसी भूखे का पेट भरना सबसे बड़ा पुण्य माना जाता है। ऐसे में बात जब किसी जानवर के पेट भरने की आती है, तो पुण्य बढ़ जाता है। जानवरों पर भगवान की विशेष कृपा होती है। माना जाता है कि जानवर की दुआएं और बददुआएं जल्दी ही किसी व्यक्ति को लग जाती है। ऐसे में आपको जानवरों का दिल नहीं दुखाना चाहिए। हर शाम जानवरों कुत्ते, गाय आदि को रोटी जरूर खिलाएं।

शाम को पौधों में पानी जरूर दें

शाम के समय पौधों में पानी डालना पर्यावरण की दृष्टि से तो अच्छा है ही, साथ ही इससे आपके पुण्य कर्मों में भी वृद्धि होती है। शाम के समय पौधों में पानी डालने से नवग्रहों की शांति होती है और आपके जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है।

शाम को खाली हाथ घर न जाएं

आप अगर नौकरी या किसी काम के सिलसिले में दिन के समय बाहर रहते हैं, तो शाम को घर वापस लौटते समय कुछ न कुछ चीज लेकर जरूर जाएं। आप अपने घरवालों के लिए कोई फल, सब्जी या खाने का सामान लेकर जा सकते हैं। इससे घर में खुशहाली बनी रहती है।

बिना प्रेम के जीवन में नहीं मिल सकती सफलता और सम्मान

जिस तरह जीवन जीने के लिए सांस लेना जरूरी है, उसी तरह प्रेम जरूरी है। बिना प्रेम के आप जिंदा नहीं रह सकते। जब तक आप दूसरों से प्रेम नहीं करेंगे, तब तक इस जीवन में सफल नहीं हो पाएंगे। क्योंकि प्रेम ही आपको आगे बढ़ने का रास्ता दिखाता है और सफलता तक पहुंचाता है। प्रेम ही आगे बढ़ने की ऊर्जा और मार्ग दिखाता है।

प्रेम क्या है? यह एक ऐसा प्रश्न है जिसके समाधान की खोज प्राचीन काल से चली आ रही है। हर युग में आए दार्शनिकों ने भी प्रेम के स्वरूप की व्याख्या करने के अनेक प्रयत्न किए हैं। 'प्रेम' शब्द का प्रयोग हममें से अधिक लोग भिन्न-भिन्न संबंधों के प्रति अपनी भावनाओं को प्रकट करने के लिए करते हैं। जैसे माता-पिता और बच्चे में प्यार होता है तो भाई-बहन और रिश्तेदारों का भी आपस में प्यार होता है। मित्रों में प्रेम होता है। देश के प्रति भी प्रेम होता है। बहुत बार हमें अपनी संपत्ति के साथ भी लगाव होता है। पालतू जानवरों से भी लोगों को स्नेह होता है। आमतौर पर जब प्रेम के बारे में विचार किया जाता है तो हम स्त्री-पुरुष के आपसी प्रेम के बारे में सोचते हैं। कई बार हम सारी मानवजाति और सृष्टि के प्रेम के बारे में भी बात करते हैं। मगर प्रेम के हर रूप में कुछ न कुछ गुण एक जैसे होते हैं। जैसे कि इस संसार की किसी वस्तु के प्रति प्रेम के मामले में उस वस्तु से मोह होता है। जिसे हम प्रेम करते हैं उसकी हमें बहुत आवश्यकता होती है। उसके लिए हम अपने दिल में गहरा लगाव रखते हैं और हमें यह डर लगा रहता है कि कहीं वह वस्तु हमसे खो न जाए। चाहे प्रेम अपने परिवार के प्रति हो या मित्रों के प्रति, चाहे प्रेमी के प्रति हो या अपने सामान और अपने देश के प्रति, उसमें प्रेम के ये गुण हमेशा मौजूद रहते हैं।

संत-महापुरुष हमें समझाते हैं कि इस दुनिया का बाहरी प्रेम केवल कुछ समय के लिए ही रहता है। इसके विपरीत यदि हम सदा-सदा का प्रेम पाना चाहते हैं तो वह हमें केवल प्रभु से ही मिल सकता है। प्रभु के प्रति प्रेम को अनुभव करने के लिए हमें संपूर्ण सृष्टि के प्रति प्रेम को अपने अंदर जगाना होगा।

हममें से अधिकतर लोग अपने परिवार और मित्रों के छोटे से दायरे के प्रति ही प्रेम रखते हैं। पर जैसे-जैसे हम आध्यात्मिक तौर पर प्रगति करते हैं तो हमारा हृदय विशाल होने लगता है और हम अपने समुदाय, समाज, देश और संपूर्ण भूमंडल के प्रति प्रेम का विकास करने लगते हैं। प्रेम की अंतिम अवस्था ब्रह्मांड की समस्त सृष्टि के लिए प्रेम होना है।

चातुर्मास में पीपल के पेड़ की पूजा का मिलता है कई गुना फल

हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि के दिन से चातुर्मास शुरू हो जाता है। इसी के साथ सृष्टी के कर्ताधर्ता भगवान विष्णु का शयन काल आरंभ हो जाता है। इसके बाद आने वाले 4 महीनों के लिए प्रभु निद्रा में चले जाते हैं। इसी अवधि में कुछ कार्य ऐसे होते हैं, जिन्हें करने की मनाही होती है। इनमें शुभ और मांगलिक कार्य शामिल होते हैं। हालांकि इन दिनों में भगवान की आराधना होती है। इस साल देवशयनी एकादशी 17 जुलाई को है। ऐसे में आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। तो आइए जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिष आचार्य पंडित योगेश चौरे से चातुर्मास में क्या करें और क्या ना करें?

क्या करना चाहिए?

-चातुर्मास के दौरान प्रभु निद्रा में होते हैं, लेकिन उनकी पूजा-पाठ जरूर करना चाहिए।

-इस अवधि में पीपल की पेड़ की पूजा करना शुभ फलदाई बताई गई है।

-धार्मिक ग्रंथों के अनुसार चातुर्मास में पवित्र नदी में स्नान करने मोक्ष की प्राप्ति होती है।

-भगवान विष्णु जब निद्रा में होते हैं तब संसार की बागडोर महादेव के हाथ में होती है। ऐसे में चातुर्मास में शिव जी की आराधना करें।

-चातुर्मास में सात्विक भोजन करें और ब्राह्मणों को दान अवश्य करें।

क्या नहीं करना चाहिए?

-चातुर्मास में विवाह, सगाई, मुंडन जैसे शुभ कार्यों पर रोक लगी होती है। इस दौरान ऐसा कुछ भी करने से बचें।

-इस महीने में नए वस्त्र नहीं खरीदना चाहिए।

-यदि आप किसी नए व्यवसाय को शुरू करना चाहते हैं तो यह समय शुभ नहीं माना जाता।

-इस महीने में तामसिक भोजन करने से बचना चाहिए।

-चातुर्मास में किसी भी व्यक्ति को अपशब्द नहीं बोलना चाहिए।

शुरू हो रहे हैं चातुर्मास, गलती से भी न करें इन 4 चीजों की खरीददारी

हिन्दू धर्म में किसी भी कार्य को करने से पहले या किसी वस्तु को खरीदने से पहले शुभ मुहूर्त देखा जाता है। लेकिन एक समय में शुभ मुहूर्त की मान्यता भी खत्म हो जाती है जब सृष्टि के कर्ताधर्ता कहे जाने वाले भगवान विष्णु निद्रा में चले जाते हैं। चातुर्मास ऐसा ही समय है। इस अवधि में कोई भी शुभ कार्य करने की मनाही होती है। इस बारे में लगभग सभी जानते हैं। लेकिन आपको बता दें कि, इस दौरान कई चीजों को खरीदना भी वर्जित माना गया है। यदि आप चातुर्मास के दौरान बिना सोचे समझे वस्तुओं की खरीदारी करते हैं तो ऐसा करना आपके लिए महंगा पड़ सकता है। या यूं कहें कि इसका आपको भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। तो आइए इस लेख में जानते हैं दिल्ली निवासी ज्योतिष आचार्य पंडित आलोक पाण्ड्या से कि, चातुर्मास में किन चीजों को खरीदने से बचना चाहिए?

1.सोना-चांदी

चातुमार्स में दौरान पूरे चार महीनों तक सोना और चांदी जैसी धातुओं की खरीदी वर्जित मानी गई है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इन धातुओं को सूर्य का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में इनकी खरीदारी करने से आपकी कुंडली में सूर्य कमजोर होगा।

2.काले रंग की वस्तु

काले रंग को शनि का रंग माना गया है और चातुर्मास में इस रंग की वस्तुओं की खरीदारी से आपकी कुंडली में शनि कमजोर हो सकता है। साथ ही शनि नाराज भी हो सकते हैं। इसलिए इस अवधि में काले रंग की वस्तुएं खरीदने से बचना चाहिए।

3.वाहन खरीदारी

आवाजाही या रोजमर्रा के जरूरी कार्यों के लिए आज वाहन जरूरी हो गए हैं। लेकिन इनकी खरीदारी चातुर्मास में नहीं करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि, इस समयावधि में खरीदे गए वाहनों के दुर्घटना का शिकार होने की संभावना अधिक होती है।

इस माह सिर्फ 6 दिन गूंजेगी शहनाई फिर 4 महीने के लिए सो जाएंगे भगवान

जुलाई में 7 दिन विवाह के मुहूर्त

विवाह के लिए जुलाई के महीने में आज से 10, 11, 12, 13, 14, 15 तारीख को विवाह मुहूर्त मिलेंगे। शादी-विवाह के साथ ही नामकरण, जनेऊ, मुंडन, गृहप्रवेश, भूमि पूजन, भवन-वाहन, आभूषण की खरीदारी शुरू हो जाएगी। फिर 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी के बाद चातुर्मास का आरंभ हो जाएगा। इन चार महीनों में मांगलिक और शुभ कार्यों पर रोक लग जाएगी।इसके बाद 12 नवंबर को देवउठनी एकादशी से मांगलिक कार्य फिर शुरू हो जाएंगे और 14 दिसंबर तक चलेंगे। नवंबर में विवाह के सात और दिसंबर में आठ शुभ मुहूर्त मिलेंगे।

सुखी वैवाहिक जीवन के लिए गुरु और शुक्र ग्रह जिम्मेदार

गुरु कन्या सुख कारक हैं तो शुक्र ग्रह पति सुख कारक हैं इसलिए शादी विवाह में गुरु और शुक्र का उदित होना जरूरी है। ज्योतिष शास्त्र में गुरु वैवाहिक जीवन तो शुक्र ग्रह दांपत्य जीवन के कारक ग्रह हैं इसलिए इनके अस्त होने पर विवाह नहीं होते। दोनों ग्रहों का शुभ विवाह के लिए उदय होना शास्त्र सम्मत माना जाता है। गुरु और शुक्र ग्रह को शुभ ग्रह माना गया है और अच्छी मैरिड लाइफ के लिए यही ग्रह जिम्मेदार माने जाते हैं। कुंडली में गुरु और शुक्र ग्रह की स्थिति मजबूत होने पर जीवनसाथी के साथ हमेशा तालमेल बना रहता है और एक दूसरे को समझते हुए सभी कार्य करते हैं।

शुक्र – गुरु ग्रह के अस्त होने पर विवाह नहीं होते

विवाह मुहूर्त की गणना करते समय शुक्र तारा और गुरु तारा पर विचार किया जाता है।बृहस्पति और शुक्र के अस्त होने पर विवाह और अन्य मांगलिक कार्यक्रम नहीं किए जाते है। इसलिए, इस दौरान कोई विवाह समारोह नहीं किया जाना चाहिए।

चार राशियों को होगा विशेष फायदा

शुक्र उदय होने से वृषभ, सिंह, तुला और कुंभ राशि वालों के लिए बेहतर रहेगा। वृषभ राशि वालों को धनलाभ, सिंह राशि को भौतिक सुखों की प्राप्ति, तुला राशि को निवेश से लाभ और कुंभ राशि वालों को मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

नवंबर में देवउठनी तक प्रतीक्षा

17 जुलाई को चातुर्मास का आरंभ होगा, जिससे चार महीने तक मांगलिक और शुभ कार्यों पर रोक लग जाएगी। अगस्त से अक्टूबर तक मांगलिक कार्यों के लिए कोई अनुकूल शुभ मुहूर्त नहीं है। सीधे नवंबर में देवउठनी एकादशी से पुनः शुभ कार्य आरंभ होंगे।वर्षांत में भी शुभ एवं मांगलिक कार्यों के लिए श्रेष्ठ मुहूर्त कम ही रहेंगे। 12 नवंबर से 15 दिसंबर के मध्य ही मांगलिक कार्यों के कुछ श्रेष्ठ मुहूर्त है।

आईए कुंडली से जानते है वर्ष 2024 के शुभ मुहूर्त

शुभ विवाह मुहूर्त 2024।

जुलाईः 15 (7 दिन)

नवंबरः 16 से 18, 22 से 26,28 (9 दिन)

दिसंबरः 2 से 5, 9 से 11, 13 से 15 (10 दिन)

55 फीट जमीन के अंदर स्थित है यह चमत्कारी मंदिर

500 साल पुराना है इसका इतिहास जानें मान्यता

उत्तर प्रदेश के मथुरा के विश्राम घाट पर एक ऐसा मंदिर स्थित है, जिसे रूद्र चर्चिका के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर जितना ऊपर है उतना ही जमीन के अंदर। इस मंदिर की खास बात यह है कि इसमें एक मूर्ति स्थापित है। लाल सिंदूर से उस मूर्ति का चोला चढ़ाया जाता है। यह मंदिर करीब साढ़े 500 वर्ष से अधिक पुराना है।

500 साल से अधिक पुराना है मंदिर

मथुरा में हमेशा से ही राजाओं ने राज किया है। प्राचीन समय में भी राजा यहां पर राज किया करते थे। राजाओं के राज करने की निशानी यहां आज भी मौजूद है। राजस्थान के एक राजा भारमल ने मंदिर का निर्माण कराया था। रुद्र चर्चिका का मंदिर के पुजारी जगदीश्वर चतुर्वेदी ने बताया कि यह मंदिर साढ़े 500 वर्ष से अधिक पुराना है। मंदिर का निर्माण राजस्थान के राजा भारमल ने कराया था। मंदिर के चारों ओर शुभ कलाकृति बनी हुई हैं। यह मंदिर यमुना के किनारे विश्राम घाट पर स्थित है। उन्होंने बताया कि यह मंदिर 55 फीट ऊंचा है। उतना ही हिस्सा जमीन में बना हुआ है। जब इस मंदिर का निर्माण पूरा हुआ तो हमारे पिताजी को राजा भारमल ने इसे दान में दे दिया। राज्य से इमारत की देखरेख के लिए 10 प्रति साल का कर निर्धारण राजा भारमल ने कर रखा था। 10 साल इसका कर आता था। इस मंदिर को सती मंदिर के नाम से जाना जाता है। ब्रिटिश काल के कलेक्टर रहे एफ। एस ग्राउस ने अपनी पुस्तक में यह लिखा था, कि राजा भारमल की पत्नी की याद में यह बनाया गया था। यह पवित्र देवी का मंदिर है।

10 रुपए साल के शुल्क दिया गया था यह मंदिर

जगदीश्वर चतुर्वेदी ने बताया कि इसका जो इतिहास है आप डेढ़ और दो साल पुराने इतिहास में देख सकते हैं। यह एक ऐतिहासिक इमारत है। उन्होंने बताया कि राजा भारमल ने हमारे पिताजी के पूर्वजों को दान किया था और वह हमारे जजमान थे। उन्होंने बताया कि इस मंदिर की खास बात यह है कि एक लाल पत्थर की मूर्ति इनबिल्ट है। यह मथुरा की सबसे पुरानी ऐतिहासिक इमारत है। 550 वर्ष पहले 10 रुपए साल के शुल्क पर इसे दिया गया था।

सलमान को जान से मारना नहीं चाहते थे हमलावर फायरिंग केस की चार्जशीट में खुलासा

एक्टर का दावा- लॉरेंस गैंग सिर्फ पैसा ऐंठना चाहती है

सलमान खान के मुंबई स्थित घर पर फायरिंग मामले में नवी मुंबई पुलिस ने मकोका कोर्ट में 1736 पेज की चार्जशीट दाखिल की है। इसमें लॉरेंस समेत 9 आरोपियों के नाम हैं। इनमें से 5 की गिरफ्तारी हो चुकी है। लॉरेंस पहले से ही अन्य मामलो में जेल में बंद है। इसमें बताया गया है कि गैलेक्सी अपार्टमेंट पर फायरिंग करने वाले दोनों बाइक सवार सलमान को जान से मारने के इरादे से नहीं आए थे।

चार्जशीट में बताया गया है कि बाइक सवार फायरिंग करके फिल्म इंडस्ट्री में डर पैदा करना चाहते थे, ताकि शहर में दूसरे गिराहों की गैरमौजूदगी में वसूली कर सकें। आरोपियों ने दूसरे मेगास्टार के घर की भी रेकी की थी।

चार्जशीट में अनुज थापन का भी जिक्र है, जिसने 1 मई को पुलिस की कस्डटी में सुसाइड कर लिया था। चार्जशीट में सलमान का बयान है। उन्होंने कहा, 'मुझे और मेरे परिवार को झूठ में निशाना बनाया जा रहा है। मैंने कुछ गलत भी नहीं किया है। ये सारी चीजें मुझसे पैसे ऐंठने के लिए की जा रही है।' उन्होंने पहले मिली धमकियों का भी जिक्र किया।

शूटरों से हुई पूछताछ में भी दोनों ने लॉरेंस गैंग से ही इस काम के लिए सुपारी मिलने की बात कबूल की थी। मुंबई क्राइम ब्रांच ने लॉरेंस और अनमोल को इस केस में आरोपी बनाया और अब वह लॉरेंस से पूछताछ की तैयारी कर रही है। लॉरेंस फिलहाल गुजरात की साबरमती जेल में बंद है।

गले में नेकलेस, हाथों में कंगन.. मल्टीकलर लहंगे में सारा ने ढाया कहर

एक्ट्रेस सारा अली खान को अपने लुक से सुर्खियों में रहना अच्छे से आता है। यूं तो सारा हर लुक में बवाल लगती हैं, लेकिन ट्रेडिशनल लुक में उनकी कुछ अलग ही बात होती है। उन्हें अक्सर शादियों, मंदिरो और इवेंट्स में ट्रेडिशनल लुक में देखा जाता है। अब हाल ही में सारा बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की हल्दी सेरेमनी में पहुंची थी, जहां वह लहंगे में खूब लाइमलाइट चुराती दिखीं। अब इस लुक की तस्वीरें उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर की हैं, जिन्हें फैंस खूब लाइक कर रहे हैं।

शेयर की गई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि सारा अली खान जयपुरी स्टाइल के लहंगे में खूब कहर ढा रही हैं। मल्टीकलर इस लहंगे के साथ उन्होंने मैचिंग दुपट्टा कैरी किया है।

हाथों में कंगन, गले में मैचिंग नेकलेस, माथे पर बिंदी, कजरारे नैन और मैसी हेयरस्टाइल उन के लुक को चार-चांद लगा रहे हैं। यानि ओवरऑल लुक में हसीना की खूबसूरती देखते ही बन रही है।

अपने लुक से फैंस को इम्प्रेस करते हुए सारा कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज दे रही हैं। फैंस तस्वीरों पर कमेंट करते हुए एक्ट्रेस की खूब तारीफ कर रहे हैं।वहीं, काम की बात करें तो सारा अली खान को आखिरी बार फिल्म गैसलाइट में देखा गया था। अब वह जल्द ही फिल्म 'मैट्रो.. इन दिनों' में नजर आएंगी।

असफल शादियों पर श्वेता तिवारी का छलका दर्द

एक्ट्रेस बोलीं- बेटी के कारण उलझे हुए रिश्ते से जुड़ी रही, उत्पीड़न देखा बर्दास्त नहीं कर पाई

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी अपने प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने अपनी दोनों असफल शादियों पर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे इंटर कास्ट मैरिज की वजह से उनकी मां को ताने मारे गए। उनकी शादी को पहले ही जज किया जाने लगा। घरेलू हिंसा के बाद भी बेटी पलक के कारण उलझे हुए रिश्ते से जुड़ी रहीं।

एक समाचार पत्र से बातचीत के दौरान श्वेता तिवारी ने पहले पति राजा चौधरी और दूसरे पति एक्टर अभिनव कोहली के साथ रिश्तों पर बात की। श्वेता तिवारी की राजा चौधरी से शादी 1998 में हुई थी। एक्ट्रेस ने साल 2007 में घरेलू हिंसा और राजा चौधरी की शराब की लत का आरोप लगाते हुए तलाक के लिए अर्जी दी थी।

शादी के 9 साल के बाद तलाक लेने की बात पर श्वेता तिवारी ने कहा- मैं अपनी बेटी पलक के बड़े होने पर पिता का साथ ना होने के कारण परेशान थी। लेकिन बाद में मुझे एहसास हुआ कि आपकी फैमिली तभी खुश रह सकती है जब आप मेंटली खुश हो। बिखरे हुए परिवार में रहकर बच्चों की अच्छी परवरिश नहीं हो सकती है। इससे बेहतर है कि अगर दो लोग साथ नहीं रह सकते तो उन्हें अलग हो जाना चाहिए।

पहले पति राजा चौधरी से तलाक लेने के बाद श्वेता तिवारी ने एक्टर अभिनव कोहली से तीन साल डेट करने के बाद 2013 में शादी की। दोनों का एक बेटा रेयांश कोहली भी हुआ। लेकिन 2019 में एक्ट्रेस ने घरेलू हिंसा और बेटी पलक तिवारी पर उत्पीड़न का आरोप अभिनव पर लगाया, जिसके बाद उसी साल दोनों अलग हो गए। श्वेता कहती हैं, 'जिन लोगों की जिंदगी छोड़कर जा चुकी हूं,आज वो लोग पछता रहे हैं।' दोनों शादियां टूटने के बाद श्वेता तिवारी अब अकेले ही अपने दोनों बच्चों पलक और रेयांश की परवरिश कर रही हैं। इसी बीच सीरियल 'इमली' के लीड एक्टर फहमान खान और श्वेता तिवारी के बीच डेटिंग की बातें सामने आ रही हैं।

हालांकि इस बात को सुनकर हर कोई हैरान हो रहा है। वहीं श्वेता और फहमान भी इस खबर को सुनकर शॉक्ड हुए हैं। फिलहाल श्वेता तिवारी की बेटी पलक का नाम सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान के साथ जोड़ा जा रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों का अफेयर चल रहा है।

पिता बनने से पहले रणवीर सिंह ने किया खास पोस्ट, लिखा- 'मैं अपनी जिंदगी के दूसरे पड़ाव पर

एक्टर रणवीर सिंह जल्द ही पहले बच्चे के पिता बनने वाले हैं। उनकी पत्नी वह एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण सितंबर में अपने बेबी का स्वागत करेंगी। ऐसे में यह कपल पेरेंट्स बनने के लिए बेहद एक्साइटेड है। इसी बीच पापा बनने जा रहे रणवीर सिंह ने एक दिल छू लेने वाला पोस्ट किया, जिसे लोगों द्वारा खूब पसंद किया जा रहा है।

दरअसल, रणवीर सिंह ने अपना जन्मदिन मनाया। इस मौके पर उन्हें फैंस और करीबियों की खूब शुभकामनाएं मिली। ऐसे में एक्टर ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर फैंस के साथ एक खास नोट शेयर किया है। उन्होंने लिखा, मेरे को जन्मदिन पर विश करने के लिए आप सभी का शुक्रिया। मैं आप सबको निजी तौर पर जवाब दूंगा। इस साल जिंदगी का एक नया सफर शुरू हो रहा है। मैं अपनी जिंदगी के दूसरे पड़ाव की तरफ बढ़ रहा हूं और मेरा आप सबको दिल से आभार।

काम की बात करें तो रणवीर सिंह पत्नी दीपिका के साथ एक बार फिर फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आएगी। फिल्म में दोनों ही पुलिस की भूमिका में दिखाई देंगे।

हनुमान फेम डायरेक्टर प्रशांत वर्मा का रणवीर पर तंज

बोले- 'रिजेक्शन में ब्लेसिंग छिपी होती है', क्रिएटिव डिफरेंस के चलते टली थी 'राक्षस'

'हनु मान' फेम डायरेक्टर प्रशांत वर्मा इन दिनों 'जय हनुमान' पर जुटे हुए हैं। सुनने में आया था कि वो बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह के साथ एक फिल्म पर काम करने जा रहे हैं पर बाद में यह फिल्म टल गई। इसी बीच डायरेक्टर ने सोमवार को एक ट्वीट किया जिसे सोशल मीडिया यूजर्स रणवीर सिंह से जोड़कर देख रहे हैं।

सोशल मीडिया पर प्रशांत ने यह ट्वीट किया।

ट्वीट के फैंस ने निकाले कई मतलबप्रशांत ने ट्वीट कर लिखा, 'एक दिन आपको महसूस होगा कि हर रिजेक्शन में एक ब्लेसिंग छिपी हुई थी।' प्रशांत के इस ट्वीट पर फैंस अलग-अलग रिएक्शंस दे रहे हैं। कुछ का कहना है कि यह प्रशांत ने यह लिखकर रणवीर को ताना मारा है तो वहीं कुछ का मनना है कि प्रशांत उस बारे में बात कर रहे हैं जब उन्हें 'बाहुबली' फेम डायरेक्टर राजामौली ने रिजेक्ट किया था।

रणवीर के ट्वीट पर फैंस ने कुछ तरह के रिएक्शंस दिए।

बॉलीवुड एक्टर्स को अप्रोच करते ही क्यों हो ?एक यूजर ने तो यह तक कमेंट कर दिया कि जब साउथ में चिरंजीवी, एनटीआर, रामचरण और महेश बाबू जैसे कई बड़े सुपरस्टार्स हैं तो आप बॉलीवुड एक्टर्स को अप्रोच करते ही क्यों हो। वहीं एक ने लिखा- श्रीदेवी ने भी 'बाहुबली' में शिवगामी देवी का रोल रिजेक्ट कर दिया था।

प्रशांत इन दिनों 'हनु मान' सीरीज की दूसरी फिल्म 'जय हनुमान' पर काम कर रहे हैं।

क्रिएटिव डिफरेंस के चलते टली 'राक्षस'बताते चलें कि 'हनुमान' की सफलता के बाद प्रशांत वर्मा ने फिल्म के अगले पार्ट 'जय हनुमान' और रणवीर सिंह के साथ फिल्म 'राक्षस' की घोषणा की थी। हालांकि, बाद में दोनों के बीच क्रिएटिव डिफरेंस होने के चलते इस फिल्म को टाल दिया गया।

रणवीर जल्द ही फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आएंगे।

वर्क फ्रंट पर रणवीर की अगली फिल्म रोहित शेट्टी की 'सिंघम अगेन' है। इसमें वो 'सिंबा' के रोल में नजर आएंगे। इसके अलावा वो फरहान अख्तर के साथ 'डॉन 3' पर भी जुटे हुए हैं।

सुनील शेट्टी ने सिनेमा को बताया ओटीटी का बाप, कहा- वीडियो कैसेट की वजह से भी फिल्म इंडस्ट्री का कुछ न बिगड़ा

सिनेमा वर्सेज़ ओटीटी मंचों की बहस को लेकर बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर सुनील शेट्टी ने कुछ मजेदार बातें कही हैं। उनका कहना है कि सिनेमा ओटीटी प्लैटफॉर्म के पिता के समान है। उन्होंने कहा है कि फिल्मों का क्रेज़ कभी खत्मे नहीं होने वाला है। एक्टर ने कहा, 'इसका क्रेज़ पहले भी था और आगे भी हमेशा रहने वाला है।'

उन्होंने सिनेमा और ओटीटी के बीच कॉम्पिटिशन को लेकर कहा- बिल्कुल नहीं। क्या एक पिता के लिए उसका बेटा चुनौती हो सकता है? सभी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का पिता हमेशा सिनेमा ही रहेगा।उन्होंने कहा, 'बॉलीवुड डायरेक्टकर्स एक्सपेरिमेंटल होते हैं, जिसके कारण कभी-कभी अच्छी फिल्में नहीं बनती हैं, जबकि साउथ इंडियन फिल्में ऑडियंस को कनेक्ट करती हैं और यही वजह है कि वहीं की फिल्मों को हिंदी और अन्य भाषाओं में डब किया जाता है या कॉपी की जाती है।'

'ओटीटी उभरते हुए कलाकारों के लिए एक बढ़िया मंच'

उन्होंने आगे कहा, 'ओटीटी प्लेटफॉर्म मुख्य रूप से उभरते हुए कलाकारों के लिए एक बढ़िया मंच देता है। एक्टर ने अलग-अलग भाषाओं में फिल्मों के महत्व पर जोर दिया और कहा कि हर रचना की अपनी अलग खूबसूरती होती है, केवल एक फैक्ट ये है कि इसे देश के पक्ष में बनाया जाना चाहिए।

'कैसेट सिनेमा माध्यम का कुछ भी बिगाड़ नहीं पाई'

उन्होंने आगे कहा कि एक दौर वह भी था जब वीडियो कैसेट के बारे में कहा गया था कि इनके कारण सिनेमा जगत में उथल-पुथल मच जाएगी लेकिन ये कैसेट सिनेमा माध्यम का कुछ भी बिगाड़ नहीं पाईं।

'वीडियो कैसेट के दौर में ही मैंने अक्षय कुमार और अजय देवगन ने कदम रखा'

शेट्टी ने कहा,'वीडियो कैसेट के दौर में ही मैंने अक्षय कुमार और अजय देवगन ने फिल्म जगत में पहला कदम रखा था। इसी तरह, ओटीटी मंच देश भर के नए, युवा और प्रतिभाशाली अभिनेताओं को सिनेमा जैसे बड़े माध्यम में एंट्री का मौका देंगे।'

ओटीटी मंचों पर गाली-गलौज वाले संवादों के खिलाफ लगाम लगनी चाहिए

हालांकि एक्टर ने इस बात को लेकर सहमति जताई कि ओटीटी मंचों पर गाली-गलौज वाले संवादों के खिलाफ लगाम लगनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर यह भी कहा कि किसी भी माध्यम पर सामने आने वाली देशविरोधी कॉन्टेंट पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए।

'जो मिट्टी पिघलने से शरमाती हो, उससे मूर्ति कैसे बनाऊं' मनीषा कोइराला को फोटोग्राफर ने डांटकर कही थी ऐसी बात

बॉलीवुड एक्ट्रेस मनीषा कोइराला, जो संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी' में मल्लिकाजान के किरदार से वाहवाही लूट रही हैं। उन्होंने हाल ही में 90 के दशक में बॉलीवुड में महिला कलाकारों द्वारा सामना की गई कठिनाइयों और परेशानियों को साझा किया। अपने करियर की शुरुआती दिनों का एक किस्सा सुनाया। बताया कि एक बार एक मशहूर फोटोग्राफर ने उनसे टू-पीस बिकिनी में पोज देने के लिए कहा था। लेकिन उन्होंने मना कर दिया था क्योंकि वह सिर्फ स्वीमिंग करने के दौरान ही बिकिनी पहनती थीं। और उसके बाद उस फोटोग्राफर ने उन्हें डांटा था।

एक इंटरव्यू में, मनीषा कोइराला ने बताया, 'मेरे करियर की शुरुआत में ही मुझे तस्वीरें खिंचवाने के लिए कहा गया था। और वहां एक बहुत फेमस फोटोग्राफर था। मैं अपनी मां के साथ गई थी। उस फोटोग्राफर ने कहा, तुम अगली सुपरस्टार हो और ये हो वो हो, बोलने लगा। फिर वह मेरे पास एक टू-पीस बिकिनी लेकर आया और मुझे इसे पहनने के लिए कहा। मैंने उससे कहा, सर, मैं इसे तब पहनती हूं, जब मैं समंदर किनारे जाती हूं या स्वीमिंग के लिए जाती हूं, लेकिन अगर मुझे फिल्मों में जाने के लिए मुझे इस रास्ते से जाना होगा, तो मैं ये नहीं करूंगी। मैं इसे नहीं पहनूंगी।'

मनीषा कोइराला को फोटोग्राफर ने डांटा

जब मनीषा ने अपनी आपत्ति जताई, तो फोटोग्राफर ने उन्हें डांटा। उन्होंने बताया, 'मैंने उससे कहा कि या तो तुम मुझे पूरे कपड़े पहनाकर फोटो खींचो, नहीं तो मैं...।' एक्ट्रेस ने आगे बताया, 'मुझे याद है कि उसने मुझे एक बड़ा डायलॉग दिया था। उसने कहा, 'जो मिट्टी पिघलने से शरमाती हो, उससे मूर्ति कैसे बनाऊं। मैं उसे आज भी नहीं भूली हूं।'

उसी फोटोग्राफर ने फिर मनीषा की फोटो क्लिक की

मनीषा ने 90 के दशक में कुछ लोगों की मानसिकता के बारे में बात की। उन्हें याद किया कि कैसे उसी फोटोग्राफर ने, जिसने उनके करियर की शुरुआत में उन्हें डांटा था, उनके स्टार बनने के बाद उसी ने उनकी फोटो क्लिक की थी। एक्ट्रेस ने बाताया, 'तब उसी व्यक्ति ने मेरी तस्वीर खींची और कहा, ओह, मुझे पता था कि तुम एक बड़ी स्टार बनने जा रही हो। मैं उनके बारे में कुछ बुरा नहीं नहीं सोचती। मगर उनके सोचने का तरीका वैसा था। उनका एक्सपोजर ऐसा था, इसलिए उन्होंने ऐसा व्यवहार किया।'

'मेरे पिता एक बेहतर बेटे के हकदार थे', करण का छलका दर्द, कहा- मैं स्कूल के बाकी लड़कों से अलग था

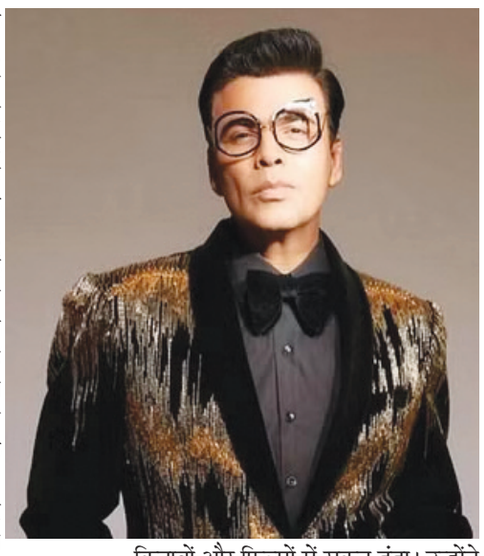

करण जौहर बॉलीवुड के प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक, निर्माता, लेखक, कॉस्ट्यूम डिजाइनर, अभिनेता और टीवी होस्ट हैं। वह रूही जौहर और यश जौहर के बेटे हैं। वह धर्मा प्रोडक्शन्स कंपनी के कर्ता-धर्ता भी हैं। हालांकि, करण को बचपन से ही कई संघर्षों से होकर गुजरना पड़ा था। हाल ही में, एक बातचीत में करण ने बताया कि उन्हें तीन साल की उम्र से ही बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ा था। आइए जानते हैं कि निर्माता ने क्या कहा है।

फिल्म निर्माता करण जौहर ने खुद के साथ अपनी आजीवन निराशा व्यक्त की। करण ने बताया कि उन्होंने अक्सर महसूस किया कि उनके माता-पिता एक बेहतर बेटे के हकदार थे। उन्होंने अपनी आवाज को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक बोलने की कक्षाएं लेने के बारे में भी चर्चा की, जिसका उद्देश्य उनका आत्मविश्वास बढ़ाना था। हाल ही में, एक इंटरव्यू में करण ने कहा, मुझे लगा कि बचपन में मैं बहुत असफल रहा। मुझे लगा कि मैं अपने माता-पिता को निराश कर रहा हूं। मुझे लगा कि मैं वह लड़का नहीं हूं, जो उन्हें मिलना चाहिए था। मुझे ऐसा मानने के लिए तैयार किया गया था क्योंकि मैं लड़कों से अलग था। मैं अपने स्कूल के बाकी सभी लड़कों से अलग था।

करण ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने संघर्षों को अपने तक ही सीमित रखा और किताबों और फिल्मों में सुकून ढूंढा। उन्होंने तीन साल की उम्र में एक प्रतियोगिता के दर्दनाक पलों को याद किया, जहां उन्होंने डांस किया था, लेकिन कुछ उपस्थित लोगों के मजाक का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, ''यह प्रतिभा प्रतियोगिता थी और हर कोई प्रदर्शन कर रहा था। मैंने डांस किया। मैं बता सकता हूं कि कुछ लोग मजाक कर रहे थे और हंस रहे थे और मेरी मां दर्शकों में थीं।

करण ने आगे कहा, ₹मुझे याद है कि मैं घर गया था। दरवाजा बंद कर लिया था और यह सोचकर रो रहा था कि मैं अन्य लड़कों की तरह क्यों नहीं बन सकता।₹ कॉलेज में, करण को फिट होने के लिए एक नए तरह के दबाव का सामना करना पड़ा और अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए उन्होंने वॉयस मॉड्यूलेशन कक्षाएं लीं।

माता-पिता की अच्छी आदतें, बच्चों के जीवन पर डालती हैं पॉजिटिव असर

माता-पिता बनने का मतलब यह कतई नहीं है कि आप पैरेंट्स होने के नाते गलतियां हो हीं नहीं. मायने यह रखता है कि आप अपने बच्चे के सामने कितने बेहतर इंसान बनते हैं और बच्चों के जीवन को सकारात्मक बनाने के लिए आप किस हद तक प्रयास करते हैं. इससे बच्चे पर प्रभाव पड़ता है. यहां हम बता रहे हैं कि आप प्रभावशाली परवरिश के लिए किन आदतों को अपनाएं.

वेरीवेल फैमिली के मुताबिक, सबसे प्रभावशाली माता पिता बनने का लक्ष्य आदर्शवादी माता-पिता बनना नहीं है, बल्कि आप अपने बच्चों को आने वाले जीवन की कठिनाइयों को डील करने के लिए कितना मानसिक रूप से मजबूत बना रहे हैं और एक जिम्मेदार इंसान बनाने का प्रयास कर रहे हैं.

बेहतर परवरिश के लिए माता-पिता को घर और बाहर नियमों को लागू करना जरूरी है. ये नियम

हर किसी पर लागूं हों. ये नियम जीवन में डिसिप्लिन लाता है, जो बेहतर लाइफ के लिए जरूरी है. सही समय पर घर आना और घर को मेंटेन रखना आदि इसमें शामिल है. बच्चे जब अपने माता-पिता को मेहनत करते देखते हैं तो उन्हें भी मेहनत करने का मोटिवेशन मिलता है.

हालांकि, रूल्स के प्रति कभी कभी या कुछ चीजों में फ्लेक्सिबल होना भी जरूरी है. हैम्पशायर यूनिवर्सिटी के मुताबिक, जरूरत से अधिक नियम बना देना भी कई बार परिवरिश में मुश्किलें पैदा कर सकता है और बच्चे नियमों को तोड़ना सीख लेते हैं, इसलिए कभी कभी नियमों को लेकर फ्लेक्सिबल भी बनें.

कुछ माता-पिता अपने बच्चों के साथ बहुत सारी बातें करते हैं. अगर बच्चा आपसे हर बात शेयर कर रहा है तो यकीन मानिए आपकी परवरिश अच्छी हो रही है. दरअसल, जब बच्चा अपने लाइफ की छोटी छोटी बातें भी शेयर करता है तो उसका सोशल स्किल, भाषा, एक्सप्रेशन, क्रिएटिविटी, इमैजिनेशन आदि भी काफी बढ़ता है और उसे आपकी तरफ से सही गलत का भी पता चलता है.

अगर आप अपने बच्चे को रोज 20 मिनट कुछ पढ़कर सुनाते हैं तो ये उसके विकास में काफी मदद कर सकता है. शोधों में पाया गया है कि अगर आप ऐसा करते हैं तो बच्चा 15 साल की उम्र जाते जाते अपने उम्र से एक साल अधिक की जानकारी इकट्ठा कर पाता है. यही नहीं, इससे बच्चे का शब्दकोश बढ़ता है और वह दुनिया के प्रति समझ भी बढ़ा पाता है.

इन टिप्स की मदद से लोगों की शिकायतों के बाद भी आपका रिश्ता बना रहेगा मजबूत

रिश्ते में आना आसान होता है, लेकिन इस रिश्ते को मेंटेन रखना, आपस में भरोसा कायम रखना और प्यार को बनाए रखना उतना ही मुश्किल है. हालांकि, अगर हेल्दी रिलेशनशिप के कुछ सिंपल टिप्स को फॉलो करें तो आपकी लव लाइफ काफी स्मूद हो सकती है और बिना परेशानियों के रिश्ते को मजबूत बनाए रख सकते हैं.

हैप्पी मैरिज में छपी एक खबर के मुताबिक, किसी भी रिश्ते के लिए बातचीत सबसे जरूरी चीज होती है. इसके बगैर कई तरह की समस्याएं आपस में शुरू हो सकती हैं. अगर आप चाहते हैं कि लोगों की बातों का असर अपके शादीशुदा जिंदगी पर असर ना करे और शादी सफल रहे तो आपस में बातचीत बनाए रखें और हर तरह की समस्याओं, उलझनों और अच्छी चीजों को भी आपस में शेयर करें.

सुनना एक कला है. रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए भी एक अच्छा श्रोता बनना बहुत जरूरी होता है. इससे आपस में विश्वास बढ़ता है और आपके बीच पारदर्शिता बनी रहती है. कई बार लोग केवल अपनी बात को बताना पसंद करते हैं, सुनना नहीं चाहते हैं. लेकिन यह नहीं सोचते कि आखिर पार्टनर क्या बताना चाहता है. इसलिए पार्टनर की परेशानियों को सुनना भी शुरू करें. यकीनन, आपके बीच अंडरस्टैंडिंग बढ़ेगी.

कई लोग अपने गुस्से और नाराजगी को तो व्यक्त करते हैं, लेकिन प्यार और भरोसे को बताने में पीछे रह जाते हैं. अगर आप चाहते हैं कि आपके बीच भरोसा बना रहे तो उनपर अपने भरोसे को दिखाएं और यह महसूस कराएं कि आप दुनिया में सबसे ज्यादा भरोसा अपने पार्टनर पर करते हैं.

रिश्ते में सपोर्टिव बनना जरूरी है. कोई भी रिश्ता बिना एक दूसरे के सपोर्ट के काम नहीं कर सकता. यह सपोर्ट दोनों तरफ से होना जरूरी है. यह सपोर्ट, इमोशनल, फाइनेंशियल, फिजिकल, मेंटल, हर तरह से होना चाहिए. जब आप हर तरह से एक दूसरे को सपोर्ट करते हैं तो इससे बॉन्डिंग स्ट्रॉन्ग बनती है और रिश्ते बुरे वक्त में भी मजबूत रहता है. हेल्दी रिलेशनशिप के लिए एक-दूसरे की सोच और भावनाओं की कद्र करना भी जरूरी होता है. हो सकता है कि आपकी सोच में अंतर हो, लेकिन आपको यह समझना होगा कि आप एक दूसरे की अलग सोच को हर वक्त क्रिटिसाइज करने की बजाय यह महसूस कराएं कि आप उनकी सोच की भी इज्जत करते हैं. इस तरह एक दूसरे के प्रति समझ बढ़ेगी और भरोसा मजबूत होगा।

आज भी अपनों के बीच दुर्व्यवहार का शिकार हो रही हैं महिलाएं

'दिल धड़कने दो' के एक दृश्य में कृपा करने या इजाज़त देने की बात पर चर्चा होती है, जहां एक पति यह कहता है कि उसके घर में कभी किसी स्त्री ने नौकरी नहीं की, लेकिन उसने अपनी पत्नी को करने दी। इस पर पत्नी का मित्र पति को याद दिलाता है कि जब आप किसी को इजाज़त देने की

बात करते हैं, तो आप ख़ुद को नियंत्रक की स्थिति में रखते हैं।' यह नियंत्रण, कृपालु या संरक्षक बनना केवल शब्द नहीं हैं। इसकी पूरी परिभाषा है, व्यवहार का पूरा व्याकरण है और यह कई स्त्रियों के जीवन पर छाया घुटन का तम है।

महिलाएं ख़ुद को समाज की अहम इकाई साबित कर चुकी हैं। वे पहले भी थीं, लेकिन इसकी तस्दीक़ ख़ुद करने से गुरेज़ करती थीं। अब वे समर्थ हैं और मुखर भी, लेकिन यह पूरा सच नहीं है। आज भी घरों की चारदीवारों के पीछे और अपनों के बीच महिलाएं दुर्व्यवहार और दमन का शिकार हो रही हैं। चाहे वो वर्किंग हों या होममेकर, महिलाओं के प्रति मालिकाना रवैया आज भी दिख रहा है।

सिद्ध हो चुका है कि महिलाएं बेहतर मैनेजर और सलाहकार होती हैं, वहीं कई घरों में उन्हें बोलने तक नहीं दिया जाता। वे अपने ही घर में स्वतंत्र महसूस नहीं कर पाती हैं जो उनके प्रति हीन रवैया रखे जाने की तरफ़ इशारा करता है। उन्हें इतना निम्न महसूस करवा दिया जाता है कि उनका आत्मसम्मान ख़त्म हो जाता है और आत्मविश्वास आहत होता है। उनका मज़ाक़ उड़ाना, उनकी बातों को बीच में काटना, उनकी ज़रूरतों को दरकिनार करना गंभीर नकारात्मक व्यवहार हैं, जो आज भी हो रहे हैं। लेकिन इससे भी गंभीर बात ये है कि महिलाएं अपने प्रति हो रहे ऐसे व्यवहार को सामान्य समझकर सहन कर जाती हैं और इस रवैए का विरोध तक नहीं करतीं।

बारिश में होती हैं कई तरह की बीमारियां इनसे बचने के लिए कुछ बातों का खयाल रखें

जैसे हमारे पास शरीर और मन हैं, ठीक उसी प्रकार प्रकृति और मौसम हैं। मन में विचरते, उमड़ते-घुमड़ते और बदलते भावों की भांति ही प्रकृति में मौसमों का आना-जाना भी तय है। प्रकृति से अभिन्न रूप से जुड़े होने के चलते बदलते मौसम का असर हमारे शरीर और मन दोनों पर पड़ता है। कभी-कभी ये असर बीमारियों का रूप भी ले लेता है। चिकित्सा की भाषा में इन्हें 'सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर' कहा जाता है। ज़रूरी नहीं कि इनका असर सभी पर देखने को मिले, लेकिन बहुत से लोग इस तरह के डिसऑर्डर से परेशान रहते हैं। बहरहाल, बारिश में होने वाली इन मौसमी दिक़्क़तों से बचाव के बारे में जानने से पहले, देखें कि शरीर और मन पर मौसम के बदलाव का क्या असर हो सकता है।

सता सकती हैं समस्याएं

दरअसल, हमारे शरीर की आधी से अधिक प्रक्रियाएं प्रकाश संवेदी होती हैं। इस वजह से बदलते मौसम का सीधा-सीधा असर शरीर की बाहरी-भीतरी सभी प्रकार की क्रियाओं पर पड़ता है। इसके चलते आपको सर्दी-बुख़ार, डिहाइड्रेशन, क़ब्ज़ जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इनके अलावा भी कुछ अन्य समस्याएं हो सकती हैं, जिनसे सावधान रहना चाहिए।

सांस संबंधी रोग : बरसात के आते ही चहुंओर हरियाली छाने लगती है। मौसम तो ख़ुशनुमा हो जाता है, लेकिन हवा में मौजूद नमी के कारण सांस के रोगियों को सर्दी-ज़ुकाम, सांस फूलने की समस्या अधिक होती है।

पानी से परेशानी : बारिश में बाहर से आएं तो हाथ-मुंह अवश्य धोएं। गंदे पानी से एलर्जी हो सकती है। घर के गिर्द पानी जमा न होने दें। इसमें पनपने वाले मच्छर डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया जैसी बीमारियों का कारण बनते हैं।

मन में उदासी का मौसम : बदलते मौसम में शारीरिक समस्याएं तो आसानी से पकड़ में आ जाती हैं, पर मानसिक रूप से परेशान रहकर भी आप उसे पहचान नहीं पाते। अधिकतर देखा जाता है कि पैनिक डिसऑर्डर से पीड़ित लोग मौसम बदलने के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। इस मौसम में ठंडक और बढ़ती आर्द्रता से आपकी मनःस्थिति पर भी प्रभाव पड़ता है। आलसीपन या किसी काम में मन न लगना, भूख और नींद पर असर पड़ना, एकाग्रता में बाधा महसूस करना और अकारण ही निराश रहना आदि इसके लक्षण हैं।

त्वचा की तकलीफ़ें : हवा में नमी, पानी से अधिक सम्पर्क और गड्ढे आदि में जमा दूषित जल के चलते त्वचा में संक्रमण के आसार बढ़ जाते हैं। यदि आप पहले से ही किसी प्रकार के त्वचा संबंधी रोग से पीड़ित हैं, तो बारिश का मौसम आपकी परेशानी बढ़ा सकता है।

बाहर के खाने से बचें

इस मौसम में जंक फूड और बाहर का खाना खाने से बचें। स्वच्छ और घर के बने खाने को प्राथमिकता दें। खाना ताज़ा ही हो और लम्बे समय से खुला न रखा हो। फलों को भी कटा न छोड़ें और ज़रा भी ख़राबी दिखे तो उस हिस्से को काटकर अलग करने के बजाय पूरा फल फेंक दें।

बारिश में भीगें मगर...

बरसात में हल्के गीले कपड़े और भीगे जूते-मोज़े पहनने की भूल बिलकुल भी न करें। कभी-कभार बारिश में भीगकर उसका आनंद लें, लेकिन लम्बे समय तक भीगे न बैठे रहें। बार-बार और बेवजह न भीगें।

बदलाव के लिए रहें तैयार

बदलता मौसम आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित नहीं करता, लेकिन इसके चलते आपको कुछ शारीरिक और मानसिक बदलावों का सामना ज़रूर करना पड़ सकता है। हां, कमज़ोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले व्यक्तियों को इस मौसम में ज़्यादा सावधानियां बरतने की ज़रूरत होती है। बेहतर है कि नियमित खानपान पर ध्यान दें, बारिश में ज़्यादा भीगने से बचें और ज़रूरत होने पर चिकित्सक से परामर्श अवश्य लें।

सावधानी रखें और आनंद लें

मौसम में बदलाव के साथ शरीर और मन की दशा में भी कुछ उतार-चढ़ाव होना बहुत सामान्य-सी बात है। हां, कुछ विशेष शारीरिक स्थितियों में दिक़्क़त ज़्यादा हो सकती है, जैसे- यदि आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमज़ोर है, श्वास संबंधी बीमारी या फिर एलर्जी की समस्या है, तो बदलते मौसम में आपको सावधानी रखने की आवश्यकता है।

गंदे पानी से बचाव

बरसात में पानी का दूषित होना सामान्य है। ऐसे में पानी को उबालकर या फिल्टर करके ही पिएं। इसके अलावा गंदे पानी के संपर्क में आने से भी बचें। अपने रहवास के आसपास भी दूषित पानी जमा होने से रोकें, ताकि मच्छर जनित रोगों से भी बचा जा सके। इस मौसम में बैक्टीरिया जल्दी पनपते हैं, इसलिए साफ़-सफ़ाई का ख़ास ख़याल रखें। ध्यान रहे कि कपड़ों में नमी न रह जाए।

दिमाग को हेल्दी रखने के लिए आज़माए ये तरीके

आजकल की भगति दौड़ती ज़िंदगी में तनाव लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। देश की 70% आबादी हमेशा टेंशन में रहती है और फिर होता ये है कि स्ट्रेस, हार्मोनल चेंजेस, खराब लाइफस्टाइल और नींद की कमी का सीधा असर हमारे दिमाग पर पड़ता है। स्ट्रेस लेने से दिमाग कमजोर होने लगता है और उस वजह से लोग न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर की गिरफ्त में आने लगते हैं। न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर दिमाग के साथ साथ शरीर और रीढ़ की हड्डी में पाई जाने वाली नसों को भी प्रभावित करते हैं। ऐसे में फरीदाबाद स्थित फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल के न्यूरोलॉजी निदेशक डॉ. विनीत बंगा हमे बता रहे हैं कि दिमाग को स्टेबल और मन को शांत बनाने के लिए डेली रूटीन में क्या करें?

इन तरीकों से दूर होगा दिमाग का केमिकल लोचा:

संतुलित आहार लें: पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार का सेवन दिमाग की सेहत के लिए बेहद ज़रूरी है। एंटीऑक्सीडेंट, हेल्दी फैट्स, विटामिन और मिनिरल्स से भरपूर खाद्य पदार्थ मस्तिष्क को ऊर्जा और पोषण प्रदान करते हैं। इसलिए, अपनी डाइट में पत्तेदार साग, जामुन, मछली, मेवे और बीज शामिल करें। सैल्मन जैसी मछली में ओमेगा 3 फैटी एसिड मदिमाग को तेज करने में बेहद फायेमंद है।

नियमित करें व्यायाम: नियमित रूप से व्यायाम करने से दिमाग का ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है जो याद्दाश को बेहतर बनाने में मदद करती है। हफ्ते में कम से कम 5 दिन 30 मिनट तक व्यायाम का लक्ष्य रखें। जैसे- पैदल चलना, तैरना और योग जैसी गतिविधियाँ मस्तिष्क के कार्य को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाती हैं।

दिमाग को तेज बनाने वाले गेम खेलें: अपनी डेली रूटीन में ऐसी एक्टिविटी शामिल करें जो आपके दिमाग को चुनौती देती हैं। जैसे - पहेलियाँ, पढ़ना, नए कौशल सीखना या संगीत वाद्ययंत्र बजाना आपके मस्तिष्क को तेज रखने में मदद कर सकता है।

पूरी नींद लें: दिमाग के स्वास्थ के लिए नींद बेहद ज़रूरी है। रोज़ाना 7-9 घंटे की अच्छी नींद लेने का लक्ष्य रखें। सोने से पहले कैफीन का सेवन न करें और और इलेक्ट्रॉनिक्स का इस्तेमाल न करें। रात को सोने से पहने मोबाइल का इस्तेमाल करने से आपकी नींद खराब हो सकती है।

स्ट्रेस कम लें: तनाव दिमाग को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। इसलिए, तनाव से छुटकारा पाने के लिए गहरी साँस लें और आंखें बंद कर ध्यान ले लगें। अपनी मन-पसंद चीज़े सीखें। प्रियजनों के साथ समय बिताना और ब्रेक लेना भी तनाव को कम करने में मदद करता है।

जिम के लिए कौन से फल सबसे अच्छे हैं? फिटनेस और हेल्थ, दोनों के लिए फायदेमंद

क्या आप भी हर रोज जिम में वर्कआउट करते हैं? अगर हां, तो आपको भी इन फ्रूट्स के बारे में जान लेना चाहिए जिन्हें एक्सरसाइज करने से पहले या फिर बाद में खाने से आपकी हेल्थ को काफी हद तक इम्प्रूव किया जा सकता है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर फलों का सेवन करने की सलाह देते हैं। फलों में पाए जाने वाले तमाम पोष्टिक तत्व आपकी ओवरऑल हेल्थ पर एक-दो नहीं बल्कि ढेर सारे पॉजिटिव असर डाल सकते हैं। जिम जाने वाले ज्यादातर लोग फिट रहने के साथ-साथ अपनी मसल्स की मजबूती के लिए भी वर्कआउट कर पसीना बहाते हैं। आज हम कुछ ऐसे फलों के बारे में बताने जा रहे हैं जो जिम के लिए सबसे अच्छे साबित हो सकते हैं।

एवोकाडो- अगर आप जिम जाकर अपनी बॉडी बनाने की कोशिश कर रहे हैं तो आपको अपनी डाइट में एवोकाडो को जरूर शामिल करना चाहिए। एवोकाडो में पाए जाने वाले तत्व मसल्स को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं।

सेब- हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर सेब को अपनी डाइट का हिस्सा बनाने की सलाह देते हैं। सेब आपकी हेल्थ के साथ-साथ आपकी मसल्स को भी पावरफुल बनाने में मदद कर सकता है। आप वर्कआउट से थोड़ी देर पहले या फिर वर्कआउट के थोड़ी देर बाद सेब का सेवन कर सकते हैं।

केला- कार्बोहाइड्रेट रिच केला आपकी हेल्थ के साथ-साथ आपकी मसल्स के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। केले का सेवन करने से आपकी मसल्स को डैमेज होने से या फिर टूटने से भी बचाया जा सकता है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आप बनाना शेक को अपने ब्रेकफास्ट में शामिल कर सकते हैं।

ब्लूबेरी- एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर ब्लूबेरी आपकी मसल्स की ग्रोथ के लिए फायदेमंद साबित हो सकती हैं। मसल्स को मजबूत बनाने के लिए ब्लूबेरी को अपनी डाइट का हिस्सा जरूर बनाएं।

तरबूज- क्या आपको भी यही लगता है कि गर्मियों में तरबूज खाने से सिर्फ आपके शरीर में मौजूद पानी की कमी को पूरा किया जा सकता है? अगर हां, तो आज हम आपकी इस गलतफहमी को दूर कर देते हैं। तरबूज का सेवन करने से आपकी मसल्स के ब्लड सर्कुलेशन में सुधार होता है जिससे आपकी मसल्स की ग्रोथ और स्ट्रेंथ इम्प्रूव होती है।

सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाना पड़ सकता है भारी, कहीं आप भी तो नहीं कर रहे ये गलतियां

सोशल मीडिया, ये वो दुनिया है जहां कुछ लोग अब प्रसिद्ध होने के लिए आते हैं। यहां रेस लगती है नाम कमाने की और फॉलोअर्स बढ़ाने की। जिसके जितने ज़्यादा फॉलोअर्स होंगे लोगों के बीच उसकी उतनी ही ज़्यादा अहमियत भी होगी। इसलिए ज़्यादातर लोग अपने फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए नए-नए पैंतरे आज़माते रहते हैं। यहां पैसे कमाने के कई रास्ते भी मिल जाते हैं। लोगों में प्रसिद्ध होने और पैसे कमाने का जुनून जितना बढ़ रहा है, उतनी ही धोखाधड़ी बढ़ती जा रही है।

एक नज़र ऐसे ही धोखाधड़ी पर डालते हैं...

थर्ड पार्टी एप

ये एप्स सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने, पोस्ट पर लाइक्स और कमेंट्स पाने में मदद करते हैं। प्ले स्टोर पर ऐसे कई एप्स मौजूद हैं। इनका इस्तेमाल करने के लिए पहले आपको अपने सोशल मीडिया अकाउंट से इसमें लॉगइन करना पड़ता है, यानी कि आप सीधा-सीधा अपने सोशल मीडिया का यूज़र आईडी, ई-मेल आईडी और पासवर्ड किसी अनजान एप के साथ साझा कर

रहे हैं। इससे अकाउंट हैक हो सकता है। इसके अलवा, कुछ ऐसे अकाउंट्स भी मौजूद हैं जो फॉलोअर्स, लाइक्स और कमेंट बढ़ाने का दावा करते हैं, जिसके बदले कुछ रकम चुकानी होती है।

फॉलोअर्स बढ़ाने के ये दोनों ही ज़रिए काम करते हैं, परंतु इनकी मदद से जो अकाउंट्स आपको फॉलो करते हैं वो ऐसे अकाउंट होते हैं जो सक्रिय नहीं हैं या फिर स्पैम हैं। इनका कॉन्टेंट शून्य होता है या आपत्तिजनक होता है, ये सिर्फ़ दूसरों को फॉलों करने के लिए होते हैं।

इन तरीक़ों से आपके फॉलोअर्स की संख्या तो बढ़ जाएगी लेकिन आपके अकाउंट की वृद्धि रुक जाएगी।

निवेश स्कैम

सोशल मीडिया पर एक ऐसी पोस्ट आपने भी देखी होगी जिसमें व्यक्ति बिटक्वाइन की कंपनी का नाम लेकर बताता है कि उसने इसमें 50 हज़ार रुपये निवेश किए और वो 1 लाख रुपये में बदल गए। पोस्ट में उस कंपनी और व्यक्ति को टैग करके यह भी बताया जाता है कि अगर आपको भी मेरी तरह ज़िंदगी बदलनी है तो इस व्यक्ति (टैग किए हुए) को मैसेज करें। खाते में पैसे आने के मैसेज के स्क्रीनशॉट भी पोस्ट किए जाते हैं। ये एक धोखाधड़ी है जिसमें हैकर किसी व्यक्ति का सोशल मीडिया अकाउंट हैक करके इस तरह के पोस्ट डालता है।

क्रिप्टोकरंसी, बिटक्वाइन जैसे डिजिटल निवेशों का झांसा दिया जाता है। ठग मैसेज करता है या फिर आपके ही किसी परिचित का अकाउंट हैक करके आपको निवेश करने के लिए तैयार करता है। इसके लिए वो कोई लिंक साझा कर सकता है, जिसे खोलते ही अकाउंट की बागडोर हैकर के हाथ में होती है। अब इसमें वो निवेश से जुड़े फ़ायदों के झूठे पोस्ट डालना शुरू कर देता है। कुछ मामलों में ठग सिर्फ़ निवेश के नाम पर पैसे लेकर ग़ायब हो जाते हैं।

कुछ ठगी ऐसी भी हैं

सोशल मीडिया पर कपड़े या अन्य सामान भी बेचे जाते हैं। जब ख़रीदार ऑनलाइन भुगतान कर देता है तो न सामान उस तक पहुंचता है और न ही पैसे वापस होते हैं। इसके बाद वह विक्रेता ग़ायब हो जाता है।

स्पॉन्सर्ड पोस्ट या ब्रांड एंबेसडर बनने के लिए भी मैसेज आ सकते हैं, जिसमें वो आपको पैसे देकर पोस्ट करने के लिए कहेंगे।

गिवअवे पोस्ट यानी पोस्ट को लाइक करके लोगों को टैग करना होता है। इसमें विजेता को उपहार दिए जाते हैं। इनमें ज़्यादातर स्कैम होते हैं जिसमें एक लिंक भी दिया होता है, उस पर क्लिक करते ही सोशल मीडिया अकाउंट हैक हो जाता है।

थोड़ा ध्यान रखें

निवेश से संबंधित मैसेज को डिलीट कर दें। किसी भी लिंक पर क्लिक करने से बचें।

किसी भी थर्ड पार्टी एप का इस्तेमाल करने से बचें। अगर आपने किया है तो उन नक़ली फॉलोअर्स को हटा दें।

यदि किसी दोस्त की तरफ़ से कोई लिंक या पैसे से संबंधित मैसेज आता है तो फौरन उसे कॉल करके बताएं।

ऑनलाइन शॉपिंग केवल विश्वसनीय कंपनी से करें। अगर सोशल मीडिया पर कुछ पसंद आया है तो उस कंपनी की वेबसाइट देखें और उस वस्तु से जुड़े ख़रीदारों के रिव्यू भी पढ़ें। फॉलोअर्स बढ़ाने, पैसे कमाने जैसी बातों में न आएं।

एसी-एलईडी लाइट के लिए 15 से फिर मांगे जाएंगे आवेदन

नए आवेदकों के साथ मौजूदा लाभार्थी भी कर सकेंगे

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। सरकार एयर कंडीशनर (एसी) और एलईडी लाइट जैसे घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत आवेदन प्रक्रिया 15 जुलाई से 90 दिन के लिए फिर शुरू करने जा रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को कहा, पीएलआई योजना के तहत व्हाइट गुड्स उद्योग अधिक निवेश करना चाहता है। इसे ध्यान में रखते हुए आवेदन प्रक्रिया 15 जुलाई से 12 अक्तूबर तक खुली रहेगी। समय सीमा खत्म होने के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। किसी भी तरह के भेदभाव से बचने के लिए नए आवेदकों के साथ मौजूदा लाभार्थियों को भी निवेश बढ़ाकर आवेदन के लिए पात्र बनाया गया है। आवेदक योजना की शेष अवधि के लिए ही प्रोत्साहन पा सकेंगे। तीसरे दौर में स्वीकृत आवेदक अधिकतम तीन साल के लिए पात्र होंगे। सिर्फ नए आवेदक, मार्च, 2023 तक की निवेश अवधि चुनने वाले और निवेश बढ़ाने की मंशा रखने वाले मौजूदा लाभार्थी ही इसके पात्र होंगे।

सेंसेक्स ने 80,397 और निफ्टी ने 24,443 का हाई बनाया

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। शेयर बाजार आज यानी 9 जुलाई को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 80,397 और निफ्टी ने 24,443 का हाई बनाया। इसके बाद निफ्टी 112 अंक की तेजी के साथ 24,433 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं सेंसेक्स में 391 अंक की तेजी रही। ये 80,351 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 में तेजी और 12 में बढ़त देखने को मिली है। ऑटो, स्टील और बैंकिंग शेयर्स में आज ज्यादा तेजी रही। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार देखने को मिला है। जापान के निक्केई में 1.96% की बढ़त रही। वहीं शंघाई कंपोजिट में 1.26% की तेजी रही। हांगकांग के हैंगसेंग फ्लैट बंद हुआ।

स्पोर्ट्स स्टोर लॉन्च करने की तैयारी में रिलायंस रिटेल

फ्रांसीसी स्पोर्ट्स रिटेलर डेकाथलॉन को देगी टक्कर

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी का रिलायंस रिटेल एक स्पोर्ट्स स्टोर लॉन्च करने की योजना बना रहा है। इसके जरिए कंपनी कोविड-19 के बाद तेजी से बढ़ते एथलीजर मार्केट में टार्गेट करेगी। इकोनॉमिक टाइम्स ने अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। इसके जरिए कंपनी फ्रांसीसी स्पोर्ट्स रिटेलर डेकाथलॉन को टक्कर देगी।

रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी नए स्टोर के लिए बड़े शहरों के मॉल और रोड के किनारे 8 हजार से 10 हजार स्क्वायर फीट की जगह किराए पर लेने के लिए बातचीत कर रही है। हालांकि, कंपनी की ओर से ऑफिशियल तौर पर इसके बारे में कोई भी जानकारी नहीं दी है।

वित्त वर्ष 23 में डेकाथलॉन को 3,955 करोड़ का रेवेन्यू

ईटी ने एक मॉल ऑपरेटर के हवाले से बताया कि रिलायंस ऐसी जगह की तलाश कर रही है जिसे मॉल के बाहर तक बढ़ाया जा सके, जहां एक खेल का मैदान भी हो। रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज से मिली एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, वित्त वर्ष 23 में डेकाथलॉन को 3,955 करोड़ का रेवेन्यू हुआ है, जो वित्त वर्ष में 2,936 करोड़ और वित्त वर्ष 21 में 2,079 करोड़ था।

दो सालों में प्रमुख स्पोर्ट्स ब्रांड्स की बिक्री में आया उछाल

फिटनेस के बारे में बढ़ती जागरूकता और एथलेटिक वियर की बढ़ती मांग के कारण पिछले दो सालों में प्रमुख स्पोर्ट्स ब्रांड्स की बिक्री में उछाल आया है। रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज से मिली एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, प्यूमा, डेकाथलॉन, एडिडास, स्केचर्स और एसिक्स जैसे ब्रांड्स ने वित्त वर्ष 21 से लेकर अब तक साल दर साल 35%-60% की ग्रोथ हासिल की है। वित्त वर्ष 23 में इन कंपनियों का संयुक्त रेवेन्यू 11,617 करोड़ रहा।

स्पोर्ट्सवियर कंपनियों के लिए तेजी से बढ़ते मार्केट में से एक है भारत

1.4 बिलियन की आबादी के साथ भारत स्पोर्ट्सवियर और फुटवियर कंपनियों के लिए तेजी से बढ़ते मार्केट और बड़े इंटरनेशनल मार्केट में से एक है। ज्यादातर ग्लोबल ब्रांड भारत में दो दशकों से से ज्यादा समय से मौजूद हैं, जो क्रिकेट और अन्य स्पोर्ट्स एक्टिविटीज के साथ पार्टनरशिप करके अपने प्रोडक्ट को बेच रहे हैं।

रिलायंस ग्रुप की रिटेल इकाई है रिलायंस रिटेल

रिलायंस रिटेल देश की निजी सेक्टर की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की रिटेल इकाई है। रिलायंस रिटेल ने वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में 1.56 करोड़ वर्ग फीट के ग्रॉस एरिया एडिशन के साथ 1,840 नए स्टोर खोले हैं। कुल स्टोर की संख्या बढ़कर 18,836 हो गई है, जो 7.91 करोड़ वर्ग फीड के क्षेत्र को कवर करती है। रिलायंस रिटेल की आय 10.7% बढ़कर 6,683 करोड़ हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में 69,288 करोड़ थी। वहीं पिछली तिमाही में ये 83,040 थी। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और फैशन एंड लाइफ स्टाइल में ग्रोथ के कारण ऐसा हुआ है।

सोने की कीमत में गिरावट, चांदी महंगी हुई

गोल्ड 292 रुपए घटकर 72,454 रुपए पर आया
एक किलो चांदी 91,892 रुपए की हुई

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में आज यानी 9 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की वेबसाइट के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 292 रुपए घटकर 72,454 रुपए पर आ गया है। कल इसके दाम 72,746 रुपए प्रति दस ग्राम थे। हालांकि आज चांदी की कीमत में तेजी है। एक किलो चांदी 159 रुपए चढ़कर 91,892 रुपए में बिक रही है। इससे पहले चांदी 91,733 रुपए किलो प्रति पर थी। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति पर पहुंच गई थी।

नया निवेश जून तिमाही में दो दशक के निचले स्तर पर, सीएमआईई ने जारी की रिपोर्ट

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। नया निवेश इस साल जून तिमाही में पूरी तरह से ठप हो गया। नए निवेश की घोषणाएं कम हुईं और परियोजनाएं भी पूरी नहीं हो पाईं। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के मुताबिक, जून तिमाही में 443 अरब रुपये का निवेश आया, जो 2004 के बाद दो दशक में सबसे कम है। रिपोर्ट के अनुसार, 18वीं लोकसभा चुनावों के दौरान निवेश गतिविधियों में गिरावट कई चुनावों से भी बदतर थी।

यही नहीं, लॉकडाउन के दौरान जून, 2020 में भी इससे ज्यादा 1.6 लाख करोड़ का नया निवेश आया था। सीएमआईई ने कहा, सुप्रीम कोर्ट के चुनावी बॉन्ड योजनाओं को असांविधानिक घोषित करने और नई सरकार को लेकर कुछ अनिश्चितता ने भी निवेश माहौल खराब कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, चुनावी वर्ष की तिमाही में नए निवेश पर पड़ने वाला यह असर नई सरकार आने के बाद खत्म हो जाता है। अनुमान है कि आगे निवेश की गति तेज हो सकती है। उदाहरण के तौर पर मई, 2019 में चुनाव परिणाम के बाद सितंबर तिमाही में निवेश में सुधार हुआ। दिसंबर तिमाही में और तेजी आई। आगामी तिमाहियों में नया निवेश प्रति तिमाही कम-से-कम 4-5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

कंगाल पाकिस्तान में भारत से सस्ती है मोबाइल सेवा

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। रिलायंस जियो, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने मोबाइल टैरिफ में भारी बढ़ोतरी की है। इससे महंगाई से जूझ रहे आम लोगों की परेशानी बढ़ गई है। एनालिस्ट्स का कहना है कि इससे शहरी इलाकों में टेलिकॉम सर्विसेज पर खर्च वित्त वर्ष 2025 में कुल घरेलू खर्च का 2.8% हो जाएगा। ग्रामीण परिवारों के लिए यह 4.5% से बढ़कर 4.7% हो जाएगा। लेकिन सरकार और टेलिकॉम रेगुलेटर ट्राई (ट्राई) ने कहा है कि टेलिकॉम कंपनियां टैरिफ फिक्स करने के लिए स्वतंत्र हैं और उनका इस मामले में हस्तक्षेप करने का कोई इरादा नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि भारत में मोबाइल टैरिफ अब भी दुनिया के अधिकांश देशों से सस्ता है।

हालिया बढ़ोतरी के बाद रिलायंस जियो का मिनिमम सर्विस चार्ज 139 रुपये से बढ़कर 189 रुपये हो गया है। इसमें 28 दिन की वैलिडिटी और दो जीबी डेटा शामिल है। इसी तरह एयरटेल और वोडाफोन आइडिया का भी मिनिमम सर्विस चार्ज 179 रुपये से बढ़कर 199 रुपये हो गया है। लेकिन सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देश में महीनेभर के लिए अनलिमिटेड वॉयस और 18 जीबी डेटा के लिए आपको 1.89 डॉलर यानी करीब 157 रुपये खर्च करने पड़ते हैं। यह रेट सरकारी कंपनी बीएसएनएल का है। बीएसएनएल पहले एक प्राइस रेगुलेटर की तरह काम करता था। इससे प्राइवेट कंपनियां टैरिफ बढ़ाने से बचती थीं। लेकिन कंपनी 4-जी और 5-जी सर्विसेज के मामले में निजी कंपनियों के साथ होड़ करने की स्थिति में नहीं है।

पाकिस्तान में सस्ती है सेवा

सरकार ने कई देशों में मोबाइल टैरिफ के बारे में डिटेल जानकारी देते हुए भारत से उनकी तुलना की है। इन आंकड़ों के मुताबिक चीन में मिनिमम सर्विस के लिए यूजर्स को 8.84 डॉलर खर्च करने पड़ रहे हैं। अफगानिस्तान में यह राशि 4.77 डॉलर, भूटान में 4.62 डॉलर, बांग्लादेश में 3.24 डॉलर और नेपाल में 2.75 डॉलर है। यानी इन देशों में मोबाइल टैरिफ भारत से महंगा है। दूसरी ओर आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में मोबाइल यूजर्स को अपनी सर्विस बनाए रखने के लिए मिनिमम 1.39 डॉलर खर्च करने पड़ते हैं। यानी पाकिस्तान में मोबाइल टैरिफ भारत से सस्ता है।

भारत में पिछले साल रोजगार वृद्धि दर छह प्रतिशत रही

आरबीआई ने रिपोर्ट जारी की

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने जानकारी देते हुए बताया है कि पिछले वित्त वर्ष में भारत में 46.7 मिलियन नौकरियां और मिली हैं। हालांकि यह आंकड़ा निजी सर्वेक्षणों की संख्या से कहीं ज्यादा है, जिनमें उच्च बेरोजगारी दर की बात कही गई थी।

पिछले साल रोजगार वृद्धि दर 6 प्रतिशत रही

आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक उद्योग स्तर की उत्पादकता और रोजगार को मापने पर पता चलता है कि 2023-24 में रोजगार वृद्धि दर 6 प्रतिशत रही, जबकि 2022-23 में यह 3.2 प्रतिशत थी। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार 2023-24 में भारत का कुल रोजगार 643.3 मिलियन था, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह 596.7 मिलियन था। केंद्रीय बैंक देश की उत्पादकता और रोजगार के स्तर का अनुमान लगाने के लिए सरकार के राष्ट्रीय खातों और श्रम मंत्रालय के डेटा का उपयोग करता है।

नियमित रूप से रोजगार के आंकड़े जारी करता है केंद्रीय बैंक

रोजगार से संबंधित रिपोर्ट केंद्रीय बैंक की ओर से नियमित रूप से जारी की जाती है, जिसमें परंपरागत रूप से केवल ऐतिहासिक संख्याएं ही दिखाई जाती हैं। हालांकि, सोमवार को जारी की गई रिपोर्ट को लेकर केंद्रीय बैंक ने कहा कि वह उपलब्ध जानकारी के आधार पर पहली बार वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए कुल अर्थव्यवस्था के लिए उत्पादकता का एक अनुमान लगाने का प्रयास किया गया है।

भाजपा के कम सीटें पाने पर महंगाई और बेरोजगारी को बताया गया था बढ़ा कारण

विश्लेषकों ने नौकरियों की कमी और उच्च मुद्रास्फीति को पिछले महीने संसद के सीधे निर्वाचित सदन में बहुमत हासिल करने में पीएम मोदी की विफलता से जोड़ा, जिसका अर्थ है कि उन्हें तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में लौटने के लिए सहयोगियों पर निर्भर रहना पड़ा।

चालू खरीफ सीजन : धान की बुवाई का रकबा 19.35 फीसदी बढ़ा

दलहन में करीब 55% की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। धान की धीमी बुवाई को पिछले 10 दिन से हो रही बारिश ने बूस्टर डोज दे दिया है। इसलिए, धान की बुवाई का रकबा चालू खरीफ सीजन 2024-25 में 19.35 फीसदी बढ़कर 59.99 लाख हेक्टेयर पहुंच गया है। एक साल पहले की मान अवधि में यह रकबा 50.26 लाख हेक्टेयर था। कृषि मंत्रालय की सोमवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, दालों की बुवाई का रकबा भी 8 जुलाई, 2024 तक एक साल पहले की समान अवधि के 23.78 लाख हेक्टेयर से 54.79 फीसदी बढ़कर 36.81 लाख हेक्टेयर पहुंच गया। इस अवधि में अरहर की बुवाई का रकबा भी 4.09 लाख हेक्टेयर से पांच गुना बढ़कर 20.82 लाख हेक्टेयर पर पहुंच गया। मंत्रालय के मुताबिक, चालू खरीफ सीजन में कुल बुवाई का रकबा 14 फीसदी बढ़कर 378.72 लाख हेक्टेयर पहुंच गया। एक साल पहले की समान अवधि में यह 331.90 लाख हेक्टेयर था। वहीं, तिलहन की बुवाई का रकबा भी बढ़कर 80.31 लाख हेक्टेयर पहुंच गया।

अब जहाज भी बनाएंगे गौतम अडानी !

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडानी अब जहाज निर्माण यानी शिपबिल्डिंग में उतरने की योजना बना रहे हैं। गुजरात के मुंद्रा में अडानी ग्रुप के फ्लैगशिप पोर्ट पर जहाज बनाने का काम शुरू हो सकता है। इसकी वजह यह है कि चीन, जापान और दक्षिण कोरिया में अधिकांश यार्ड कम से कम 2028 तक पूरी तरह बुक हैं। यही वजह है कि दुनिया में जहाज ऑपरेट करने वाली बड़ी कंपनियों को शिपबिल्डिंग के लिए वैकल्पिक जगहों की तलाश है। इनमें भारत भी शामिल है। इस मौके का फायदा उठाने के लिए अडानी ग्रुप शिपबिल्डिंग में उतरने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। अडानी ग्रुप देश का सबसे बड़ा पोर्ट ऑपरेटर है। मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 में भारत को शीर्ष 10 शिपबिल्डर बनाने और मैरीटाइम अमृत काल विजन में 2047 तक शीर्ष पांच में शामिल होने का लक्ष्य रखा गया है।

डबल होगी अटल पेंशन! 6.62 करोड़ लोगों को होगा फायदा

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। सरकार अपनी प्रमुख सोशल सिक्योरिटी स्कीम अटल पेंशन योजना के तहत न्यूनतम गारंटीड राशि को दोगुना कर 10,000 रुपये कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक 23 जुलाई को पेश होने वाले बजट में इसकी घोषणा की जा सकती है। उन्होंने बताया कि सरकार इसके राजकोषीय प्रभाव का आकलन कर रही है तथा बजट से पहले इस पर निर्णय लिया जाएगा। सरकार देश में सामाजिक सुरक्षा ढांचे को मजबूत करना चाहती है क्योंकि वह सामाजिक सुरक्षा पर लेबर कोड लागू करने के लिए आधार तैयार कर रही है। 20 जून तक के आंकड़ों के मुताबिक अटल पेंशन योजना में कुल 6.62 करोड़ लोगों ने खाते खोले थे। साल 2023-24 में 1.22 करोड़ नए खाते खोले जाएंगे।

एक अधिकारी ने बताया कि अटल पेंशन योजना को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए कुछ प्रस्ताव रखे गए हैं। इनमें गारंटीड राशि बढ़ाना भी शामिल है। इन पर विचार किया जा रहा है।

वर्तमान में, सरकार द्वारा गारंटीकृत लाभ के साथ, अंशदान के आधार पर 1,000-5,000 रुपये प्रति माह की न्यूनतम पेंशन की गारंटी है। पिछले महीने पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष दीपक मोहंती ने कहा था कि 2023-24 में अटल पेंशन योजना के तहत एनरॉलमेंट 2015 में योजना के शुभारंभ के बाद से सबसे अधिक था।

किसे नहीं मिलता है फायदा

पेंशन रेगुलेटर ने पेंशन राशि में बढ़ोतरी की वकालत की है। उसका कहना है कि मौजूदा राशि समय के साथ अपनी वैल्यू बरकरार नहीं रख पाएगी। इस साल की शुरुआत में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि अटल पेंशन योजना को एक किफायती योजना के रूप में डिजाइन किया गया है जिसमें पेंशन राशि की गारंटी है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि इस योजना ने शुरुआत से ही 9.1% रिटर्न दिया है और यह अन्य बचत योजनाओं की तुलना में काफी प्रतिस्पर्धी है। वित्त मंत्री ने कहा कि अटल पेंशन योजना गरीबों और निम्न मध्यम वर्ग के लिए एक सब्सिडी वाली योजना है और यह स्पष्ट है कि अधिकांश पेंशन खाते निचले स्लैब में हैं।

साल 2015-16 में शुरू की गई अटल पेंशन योजना को नेशनल पेंशन स्कीम के माध्यम से पीएफआरडीए द्वारा प्रशासित किया जाता है। इस योजना में मृत्यु या लाइलाज बीमारी के मामलों को छोड़कर 60 वर्ष की आयु में पेंशन फंड के 100% एन्युटी के साथ योजना से बाहर निकलने की अनुमति है। बाहर निकलने पर ग्राहक को पेंशन उपलब्ध होती है। इनकम टैक्स का भुगतान करने वाले लोग इस योजना में शामिल होने के पात्र नहीं हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन	में	मिथुन..	04-06 बजे
चंद्र-	सिंह	में	कर्क...	06-19 बजे
मंगल	मेष	में	सिंह...	08-30 बजे
बुध-	कर्क	में	कन्या..	10-37 बजे
गुरु-	वृष	में	तुला....	12-44 बजे
शुक्र-	कर्क	में	वृश्चिक..	14-54 बजे
शनि-	कुंभ	में	धनु.....	17-06 बजे
राहु-	मीन	में	मकर..	19-12 बजे
केतु-	कन्या	में	कुंभ....	21-04 बजे
			मीन...	22-41 बजे
			मेष....	00-17 बजे
			वृष....	02-02 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-52 सूर्यास्त. -18-50
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर • धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी 07-52 तक उपरान्त पंचमी
मास - आषाढ़ शुक्ल ,बुधवार 10 July
नक्षत्र - मघा 10-15 तक उपरान्त पूर्वाफाल्गुनी
योग - व्यतिपात 03-09 तक उप वरियान
करण- विष्टी 07-52 तक उप बव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - गण्ड मूल नक्षत्र _10-15 तक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:22 से 13:59 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ.	05:52 - 07:28 शुभ	उत्पात	18:50 - 20:15 अशुभ
अमृत.	07:28 - 09:06 शुभ	शुभ.	20:15 - 21:38 शुभ
काल.	09:06 - 10:44 अशुभ	अमृत	21:38 - 22:59 शुभ
शुभ.	10:44 - 12:22 शुभ	चंचल.	22:59 - 00:22 शुभ
रोग.	12:22 - 13:59 अशुभ	रोग	00:22 - 01:44 अशुभ
उत्पात	13:59 - 15:37 अशुभ	काल.	01:44 - 03:06 अशुभ
चंचल	15:37 - 17:15 शुभ	लाभ	03:06 - 04:28 शुभ
लाभ	17:15 - 18:50 शुभ	उत्पात	04:28 - 05:52 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आप कुछ मिलनसार नए लोगों या विदेशी प्रतिनिधियों से आज के दिन मिल सकते हैं ! स्वतंत्र रूप से उन लोगों के साथ संवाद करे और जितनी उपयोगी जानकारी इकट्ठा कर सके करे क्योंकि यह आपकी परियोजना के पूरा होने में आप के लिए बहुत मददगार साबित होगा । किसी भी विचलित करने वाले परिदृश्य से परेशान न हो जो की आपके वरिष्ठ सहकर्मी ने आपके लिए बनाया हो ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

बड़े रोजगार के अवसर आप का इंतजार कर रहे हैं! ध्यान से इस बारे में सोचे और आपके पूर्ण संतुष्ट होने पर अपने करियर की दिशा परिवर्तित करे । आपका सहकर्मी नौकरी को त्याग सकता है और उसकी जगह आप किसी जरूरतमंद को अपने यहाँ काम पर लगवा सकते है । हालाँकि आप अवगत नहीं है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आपको एक सुपर हीरो की तरह शक्तिया मिल सकती है । आपके लंबित कार्य और परियोजनाओं के पूरा होने के संकेत दिखाई देंगे। आप अपने करीबी लोगों के साथ आज मिल सकते है। अपनी टीम को प्रेरित और प्रोत्साहित करे । आपका सहयोगी अपनी जिम्मेदारियों से दूर भाग सकता है इसलिए चालाकी से काम ले ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज उत्तरार्द्ध में एक व्यापारिक यात्रा आपको करनी पड़ सकती है । यह बौद्धिक विवेक को बढ़ाने के लिए एक महान अवसर होगा। अगर आप अपने आप को बोझिल महसूस कर रहे है , तो पूर्वाद्ध में अवकाश लेकर अपने आप को तैयार करे की किस तरह से आप अपने आप को औरो के सामने प्रस्तुत करेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आप सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन आपकी प्रगति रुक सकती है। अगर आपने किसी भी गैजेट या कुछ रचनात्मक वस्तु का उत्पादन किया है, तो उसे जल्द से जल्द उस पर क़ानूनी एकाधिकार करवा ले । लोग ये साबित करने की कोशिश कर सकते हैं की ये वस्तु उन्ही की है , हालाँकि वास्तविकता में वे शायद ही कोई भी उत्पाद की एक प्रतिकृति के निर्माण में आपके करीब आ सकते हैं।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज आप मे अपनी जिम्मेदारियों से बचने के लिए एक स्वाभाविक प्रवृत्ति रहेगी , लेकिन ये स्थिति आपके वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपकी मुसीबत को बढ़ा सकती हैं। तथ्य यह है कि किसी भी वास्तविक इच्छा से प्रेरित न होकर आपके आलसी होने की आदत से आप अधिक कार्य से परहेज कर रहे है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज एक अप्रत्याशित अवसर आपके कार्य क्षेत्र में आ सकता है और आपको उसे पकड़ने में संकोच नहीं करना है । अत्यधिक विलंब इस अवसर को गवा सकता है और आप एक धन रुपी अवसर को खो सकते है। यह अवसर आपको कोई पुराना जानकर या एकदम अपरिचित व्यक्ति भी आपके पास ला सकता है, यह समय फिर जोखिम लेने का है जो की आपको लाभ देगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आप एक आमंत्रक की भूमिका में रहेंगे ! इसलिए एक मेजबान की जगह एक आयोजक की भूमिका में रहे , आप दोनों ही मामलो में अच्छी राशि पाएंगे परन्तु एक आयोजक की भूमिका लाभप्रद होगी । यह आपकी जन्मजात क्षमताओं में से एक है सिर्फ आप उसकी पहचान नहीं कर पाये थे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

अगर आप अपने कार्यक्षेत्र या अपने आर्थिक लक्ष्यों के लिए किसी पारंगत व्यक्ति या अपने निकट जानने वाले व्यक्ति से परामर्श लेते है तो ये सुझाव आपको काफी लाभ दे सकता है । आज का दिन इंजीनियरों और कंप्यूटर में प्रवीण व्यक्तियों के लिए काफी अछा रहेगा । आपको दूसरी नौकरी का प्रस्ताव भी मिल सकता है या उसी नौकरी में स्थान परिवर्तन के संकेत भी आपको मिल सकते है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

अगर आप अपनी क्षमता से कार्य करने की कोशिश करेंगे, तो आपके प्रयासों को उदारता से पुरस्कृत किया जाएगा , तो अपने काम और जिम्मेदारी पर ध्यान केंद्रित करे । आपकी ओर से की गयी कोई लापरवाही आप के लिए भारी पड़ सकती हैं, हालांकि दिन मौद्रिक लाभ के लिए शुभ है । आपका पिछला निवेश आपको अच्छी आमदनी दे सकता है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आपको विदेशी भूमि में स्थापित प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ कार्य करने के लिए प्रस्ताव मिल सकता है , और आपके विदेश में बसने का आपका सपना सच हो सकता है, हालाँकि दस्तावेज से जुड़े कुछ मुद्दों का सामना करना पड़ सकता है लेकिन इन मुद्दों का समय रहते हल हो जाएगा, और जब आपको सब कुछ मिल जाएगा जिसे आप चाहते थे तो धन की वर्षा भी आप पर होने लगेगी ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

कार्यस्थल पर प्रभावी ढंग से संवाद करने की क्षमता आप के खिलाफ की गई कुछ कार्रवाई करने के कारण प्रभावित हो रही है! आप पर संगठन का विश्वास और गोपनीयता के उल्लंघन का आरोप लगाया जा सकता है। अपने आप को शांत बनाए रखे और अन्य लोगों की जरूरतों पर विचार करें। यह जल्द ही अपने पक्ष में होगा ।

पं। महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

हेमंत सोरेन की फिर बढ़ सकती हैं मुश्किलें

हाईकोर्ट से मिली रेगुलर बेल को ईडी ने किया चैलेंज, सुप्रीमकोर्ट पहुंची जांच एजेंसी

रांची, 9 जुलाई (एजेंसियां)। जमीन घोटाला और उससे जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रेगुलर जमानत पर बाहर आए सीएम हेमंत सोरेन की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट से मिली जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

ईडी ने सोमवार को याचिका दाखिल की है। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में यह मामला सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं किया गया है। 28 जून को झारखंड हाईकोर्ट ने हेमंत सोरेन को कुछ शर्तों के साथ नियमित जमानत दी थी। 148 दिनों के बाद वे जेल से निकले थे। हेमंत सोरेन को ईडी ने बड़गाई अंचल के बरियातू स्थित 8.86 एकड़ जमीन को लेकर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के बाद 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था। हेमंत सोरेन ने गिरफ्तारी से पहले मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, जेल से निकलने के तुरंत बाद 5 जुलाई को हेमंत सोरेन ने दोबारा मुख्यमंत्री की शपथ ले ली। वहीं आठ जुलाई को उन्होंने कैबिनेट विस्तार भी किया है।

झारखंड हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि जिस जमीन के मामले में हेमंत को गिरफ्तार किया है, उसपर कब्जा लेने में उनकी कोई भूमिका नहीं है। सारे तथ्यों को देखकर स्पष्ट होता है कि बड़गाई स्थित 8.86 एकड़ जमीन हासिल करने या कब्जा लेने में उनकी अप्रत्यक्ष रूप से भी संलिप्तता नहीं दिखती है। न ही जमीन छिपाकर रखने के मामले में प्रोसीड्स ऑफ क्राइम बनता है।

कोई रेवेन्यू रिकॉर्ड प्रत्यक्ष रूप से उनकी संलिप्तता नहीं दर्शाता है। कोर्ट ने यह भी कहा था कि जिन्हें जमीन से वंचित किया गया या जिनकी जमीन पर दखल किया गया, उन्होंने कभी किसी अधिकारी से शिकायत ही नहीं की। इसलिए ऐसा प्रतीत होता है कि ईडी के ये सारे आरोप आधारहीन है। कोर्ट संतुष्ट है और इसके पर्याप्त कारण है। हेमंत वैसे सभी आरोपों के दोषी नहीं है, जैसा ईडी ने आरोप लगाया है।

जेल से बाहर आते ही बने सीएम

पांच महीने तक जेल में रहने के बाद हेमंत सोरेन बाहर आए। इसके ठीक बाद राज्य में फिर सत्ता परिवर्तन हुआ। हेमंत सोरेन झारखंड के 13वें मुख्यमंत्री बने। जेल से निकलने के छठे दिन ही उन्होंने राज्य की कमान एक बार फिर से अपने हाथ में ले ली। 31 जनवरी को जिस राजभवन से उनकी गिरफ्तारी हुई थी, 156 दिन बाद दोबारा फिर से उन्होंने वहीं शपथ ली।

मारपीट करने वाले बदमाशों का नंगे पांव निकाला जुलूस

जगदलपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। जगदलपुर में पुलिस ने मारपीट करने वाले 2 बदमाशों का सोमवार शाम को जुलूस निकाला। दोनों बदमाशों को हथकड़ी लगाकर पुलिस ने नंगे पांव शहर में घुमाया। इससे पहले पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। वहां से करीब आधा किमी जेल रोड तक पैदल ले गए। आरोप है कि दोनों ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर बाजार में एक युवक को लात-घूंसों और रॉड से पीटा था। इस घटना का वीडियो भी वायरल हुआ। इसके बाद सिटी कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तीसरे का अभी तक पता नहीं चल सका है।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से 400 रुपए, वारदात में प्रयुक्त लाठी और रॉड बरामद कर ली है। जानकारी के मुताबिक, लोहंडीगुड़ा निवासी ऑटो चालक कोमल यादव रविवार शाम चित्रकोट से यात्रियों को लेकर संजय बाजार आया था।

छत्तीसगढ़ में एक महीने से मानसून, फिर भी बारिश 28% कम

रायपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आज जशपुर और बलरामपुर जिले में गरज-चमक के साथ भारी बारिश होने के संभावना है। बाकी जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। अगले तीन दिन मध्य छत्तीसगढ़ यानी रायपुर और दुर्ग संभाग में बारिश की गतिविधियां कम रहेंगी। मौसम विभाग ने 11-12 जुलाई को सरगुजा और बिलासपुर संभाग के जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। यहां हल्की से भारी बारिश की संभावना है। वहीं, प्रदेश के 11 जिलों में सोमवार को मध्यम बारिश रिकॉर्ड की गई। बाकी जिलों में हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में 1 जून से 8 जुलाई तक 207 मिलीमीटर बारिश हुई है, जो औसत से 28% कम है। अब तक 286.7 मिलीमीटर बारिश हो जानी चाहिए थी। जबकि प्रदेश में महीने भर से मानसून एक्टिव है। हालत ये है कि प्रदेश के बड़े-छोटे बांधों को मिलाकर सिर्फ 34 फीसदी पानी बचा है। सोमवार को रायपुर और जगदलपुर में सुबह से बारिश हो रही थी, लेकिन दोपहर बाद फिर मौसम बदला और धूप निकल आई। सबसे ज्यादा बारिश 39.8 मिलीमीटर बालोद में और सबसे कम बारिश 1.2 मिलीमीटर मोहला मानपुर में दर्ज हुई। एक हफ्ते तक लगातार हुई बारिश के बाद कोरबा जिले में पिछले तीन दिनों से बारिश नहीं हो रही है। सुबह होते हैं तेज धूप निकलती है। इसके बाद कभी धूप तो कभी छांव की स्थिति बनती रहती है। मंगलवार सुबह भी तेज धूप निकलने से उमस और गर्मी महसूस हो रही है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में पिछले 2 दिनों से बारिश रुकी हुई है और आसमान साफ है। अगले 2 दिनों में अच्छी बारिश के आसार हैं। वहीं, पेंड्रा से सटे अमरकंटक इलाके में पहाड़ी क्षेत्र में बारिश हो रही है, लेकिन मैदानी इलाके सूखे पड़े हैं। छत्तीसगढ़ में मानसून को आए एक महीने हो चुके हैं, लेकिन ये अब तक कमजोर पड़ा है।

इसके कमजोर रहने से किसानों के साथ सरकार की भी चिंता बढ़ा रही है। कम बारिश का ही असर है कि प्रदेश के प्रमुख बांध खाली हैं। बड़े-छोटे बांधों को मिलाकर सिर्फ 34 फीसदी पानी बचा है। अकेले गंगरेल डैम का पिछले साल की तुलना में जलस्तर 7 मीटर कम है। ऐसा ही हाल मॉडम सिल्ली बांध का है। सोमवार को छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 35 डिग्री राजनांदगांव में रिकॉर्ड किया गया। सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.2 नारायणपुर में दर्ज किया गया। रायपुर में दिन का पारा 34 डिग्री रहा। बिलासपुर में 32.2 डिग्री, अंबिकापुर में 33.9, जगदलपुर में 32.2 और दुर्ग में 32.8 डिग्री टेंपरेचर रिकॉर्ड किया गया।

दो मजदूरों की मौत

बारिश से गिरी निर्माणाधीन केनाल की दीवार, दोनों युवकों की हड्डियां चकनाचूर, मुआवजा देने के निर्देश

कोंडागांव, 9 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव में झारखंड के 2 मजदूरों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि सोमवार को तेज बारिश हो रही थी। इसी दौरान मजदूर बारिश से बचने के लिए निर्माणाधीन केनाल की दीवार की आड़ लेकर छिपे हुए थे। इस दौरान दीवार ढहने से मजदूर दब गए। हादसा केशकाल थाना क्षेत्र के खालेमुरवेंड में हुआ है।

मिली जानकारी के मुताबिक मजदूर राजेश इक्का (45) और सोनू कोयारी (36) की मौत हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

बताया जा रहा है कि कोंडागांव जल संसाधन विभाग निर्माण कार्य करा रहा था, जिसका ठेका अंबिकापुर के पंकज नाम के व्यक्ति को मिला है। ठेकेदार ने झारखंड के मजदूरों को काम में रखा था। मजदूरों को झारखंड के गुमला से लाया था, जो पिछले कई दिनों से मजदूरी कर रहे थे।

बताया जा रहा है कि यह निर्माण कार्य अंबिकापुर निवासी ठेकेदार पंकज करा रहा था। घटिया निर्माण के कारण केनाल की दीवार पहली बारिश नहीं झेल पाई और धराशायी हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि वजनी दीवार गिरने से शरीर की हड्डियां चकनाचूर हो गई हैं। दोनों ने मौके पर दम तोड़ दिया।

मामले में जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता खिलेश्वर साहू ने कहा कि ठेकेदार पंकज को कहा गया है कि मृत मजदूरों के परिवारों को तत्काल 2-2 लाख रुपए सहायता राशि देने के निर्देश दिए गए हैं।

केशकाल थाना प्रभारी विकास बघेल ने कहा कि मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रहे हैं। पोस्टमॉर्टम कराने के बाद एफआईआर दर्ज की जाएगी।

वहीं उन्होंने कहा कि मजदूरों के परिजनों को मामले की जानकारी दे दी गई है। शाम तक पहुंचेंगे। साथ ही जांच के बाद कार्रवाई होगी।

नायब तहसीलदार का कॉलर पकड़ा, थप्पड़ मारे

रेवेन्यू कोर्ट में सुनवाई के दौरान चप्पल फेंकी डायस पर चढ़ा और गला दबाया, शर्ट भी फाड़ी

महासमुंद, 9 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद में एक व्यक्ति ने सोमवार नायब तहसीलदार को उसी के दफ्तर में थप्पड़ जड़ दिया। पहले नायब तहसीलदार को चप्पल फेंककर मारी और फिर कॉलर पकड़ लिया। फिलहाल नायब तहसीलदार युवराज साहू की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला पटेवा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, युवराज साहू झलप उप तहसील में नायब तहसीलदार हैं। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे राजस्व न्यायालय में डायस पर बैठकर नायब तहसीलदार युवराज सिंह प्रकरण का निराकरण कर रहे थे। इसी दौरान छिलपावन निवासी कुलप्रीत सिंह पहुंच गया। दोनों के बीच कुछ देर बाद बहस होने लगी। वीडियो में दिख रहा है कि कुलप्रीत नायब तहसीलदार को कह रहा है कि 'पैसा लेकर भी काम नहीं कर रहा है। कौन है 420, किसे 420 कह रहे हो। किस एंगल से 420 लगता हूं। पैसा लेकर काम तू करता है, कौन है 420।'

इसके बाद वीडियो में कुछ अधिकारी-कर्मचारी कुलप्रीत को गाली-गलौज करते सुनाई दे रहे हैं। वहीं, कुलप्रीत कह रहा है कि 'मैं यहीं बैठा हूं। कहीं नहीं जा रहा हूं।' बताया जा रहा है कि कुलप्रीत नायब तहसीलदार युवराज साहू से कोई काम कराना चाह रहा था, लेकिन वे करने से मना कर रहा था। तहसीलदार के मना करने पर कुलप्रीत ने अपने बैंक मैनेजर दोस्त से कहा कि वह तहसीलदार को बोले कि काम कर दे।

इसके बाद कुलप्रीत के कहने पर बैंक मैनेजर ने नायब तहसीलदार युवराज साहू से काम करने की गुजारिश कि। बताया जा रहा है कि इस पर युवराज ने कुलप्रीत को 420 कहा। ये बात बैंक मैनेजर ने कुलप्रीत को आकर बताई। कहा जा रहा है कि इसी को लेकर कुलप्रीत गुस्से में था। वह नायब तहसीलदार के पास पहुंचा और पूंछने लगा कि क्या मैं 420 हूं। पैसे लेकर काम तुम कर रहे है, 420 कौन है। इसके बाद विवाद बढ़ गया और लोग बीच-बचाव करने लग गए। आरोप है कि कुलप्रीत सिंह ने गाली गलौज करते हुए डायस पर बैठे नायब तहसीलदार को चप्पल फेंककर मारी। इसके बाद वह डायस पर चढ़ गया। उसने नायब तहसीलदार का कॉलर पकड़ लिया और थप्पड़ मारने लगा। यह भी आरोप है कि उसने नायब तहसीलदार का गला दबाने का भी कोशिश की। इस दौरान कार्यालय में पदस्थ पृथ्वी अजय, पूजा कंवर, सहायक ग्रेड 3 और उपस्थित कोटवार उषा बाई रात्रे, तुलाराम मोंगरे और ग्रामीण तुलाराम चंद्राकर ने बीच बचाव कर मामला किसी तरह शांत कराया। मारपीट में नायब तहसीलदार की शर्ट फट गई। अधिकारी के गाल और पीठ पर चोट आई है। उप तहसील कार्यालय में मारपीट की खबर मिलते ही रायपुर संभाग के पटवारी, आरआई, नायब तहसीलदार और पहुंच गए।

इसके बाद नायब तहसीलदार युवराज साहू सभी के साथ पटेवा थाना पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी कुलप्रीत सिंह को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

9 साल बाद झारखंड में 12वां मंत्री

सीएम हेमंत से ज्यादा पावरफुल इरफान, योजना बजट में सबसे कमजोर रामेश्वर उरांव, संथाल से सबसे ज्यादा मंत्री

रांची, 9 जुलाई (एजेंसियां)। जमीन घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल से बाहर आने के 148 दिनों बाद हेमंत सोरेन फिर सीएम बने। पांच जुलाई को उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उसके बाद आठ जुलाई को विधानसभा के विशेष सत्र में विश्वास प्राप्त कर लिया। सरकार के पक्ष में 45 वोट पड़े और विपक्ष में 0 वोट पड़े। विश्वास मत के साढ़े तीन घंटे बाद हेमंत सरकार के 11 मंत्रियों ने शपथ ली। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने राजभवन के बिरसा मंडप में सबको पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। सबसे पहले पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने शपथ ग्रहण किया। इस बार के मंत्रिमंडल में नौ साल बाद 12 वें मंत्री का पद भरा गया है। इससे पहले साल 2014 में हेमंत सोरेन के 14 माह के मुख्यमंत्री काल में कैबिनेट में पूरे 11 मंत्री थे। पूरे मंत्रिमंडल में सर्वाधिक मंत्री कोल्हान प्रमंडल से हैं। शपथ ग्रहण के साथ ही देर शाम तक सभी मंत्रियों को उनके विभाग भी आवंटित कर दिए गए। 13वें सीएम के रूप में हेमंत सोरेन ने जो मंत्रिमंडल बनाई है, वह चंपाई कैबिनेट से थोड़ी अलग है। इस मंत्रिमंडल में चंपाई सरकार में मंत्री रहे बसंत सोरेन और बादल पत्रलेख को हटा दिया गया है। कांग्रेस के इरफान अंसारी, दीपिका पांडेय सिंह और झामुमो के बैद्यनाथ राम नए मंत्री बने हैं। 7 पुराने मंत्री रिपिट हुए हैं। साढ़े नौ साल बाद राज्य में 12वां मंत्री बना है। झारखंड में सीएम समेत कुल मंत्रियों की संख्या 12 तय है। इस नए मंत्रिमंडल में नए चेहरे तो हैं ही पर नई बात यह भी है कि सीएम से ज्यादा पावरफुल उनके मंत्री हैं। यदि योजना बजट राशि के हिसाब से देखे तो सबसे पावरफुल मंत्री इरफान अंसारी हो गए हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस मामले में दूसरे स्थान पर हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 का कुल मूल योजना बजट 79,783 करोड़ करोड़ रुपए का है। योजना बजट के मामले में तीसरे स्थान पर बन्ना गुप्ता हैं। चौथे स्थान पर बेबी देवी और पांचवें स्थान पर बैद्यनाथ राम आ जा रहे हैं।

12 मंत्रियों में वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव सबसे कम योजना बजट वाले विभागों के मंत्री हैं।

छत्तीसगढ़ का 'नया नागलोक'

सांपों की 26 प्रजातियां मिली, रायगढ़ में 2 महीने में 500 और 8 साल में 50 हजार से ज्यादा सर्पों का रेस्क्यू

रायगढ़, 9 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जशपुर को नागलोक कहा जाता है, लेकिन पिछले कुछ सालों से रायगढ़ जिले में भी सांपों की संख्या लगातार बढ़ी है। आंकड़ों के मुताबिक, 8 सालों में 50 हजार से ज्यादा सांप रेस्क्यू किए गए हैं। इनमें अकेले 2 माह में ही 500 से ज्यादा सांपों को पकड़ा गया है। सर्पररक्षक टीम के मुताबिक, इनमें जहरीले और बिना जहर वाले मिलाकर 26 से ज्यादा प्रजातियां मिल चुकी हैं। बारिश और धूप के कारण शहर के मोहल्लों और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में सांप निकल रहे हैं। आए दिन टीम के पास कॉल आ रहे हैं। सांपों को पकड़कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा जा रहा है।

रेस्क्यू कॉल की संख्या बढ़ी

सर्पररक्षक एंड एनिमल रेस्क्यू टीम में 19 सदस्य हैं इनमें अलग-अलग क्षेत्र से 12 रेस्क्यू करने वाले हैं। उन्होंने बताया कि बाकी दिनों में हर दिन 15 से 20 कॉल आते हैं। अब बारिश का मौसम आने के बाद यही कॉल संख्या 50 से 70 तक हो जाती है। हालांकि सर्पररक्षक टीम के सदस्यों का यह भी मानना है कि रायगढ़ में 40 से ज्यादा वार्ड हैं इसलिए बाकी जिलों की अपेक्षा ज्यादा रेस्क्यू कॉल आते हैं। कई बार ऐसा होता है कि सर्पररक्षक टीम के व्हाट्सएप ग्रुप में मैसेज या उनके पास रेस्क्यू के लिए कॉल आते हैं, लेकिन वे दूर या दूसरी जगह सांप का रेस्क्यू करने में व्यस्त रहते हैं। इसके कारण कई रेस्क्यू कॉल छूट भी जाते हैं। सर्पररक्षक टीम के पदाधिकारियों ने बताया कि रायगढ़ जिले में सांप की अब तक 26 प्रजातियां देखी गई है। टीम का यह भी कहना है कि आने वाले दिनों में प्रजातियों की संख्या और बढ़ेगी। अब बारिश में सांप ज्यादा संख्या में निकलेंगे, क्योंकि जुलाई में जब अंडे से सांप के बच्चे निकलते हैं तो इनकी संख्या और बढ़ जाती है। वहीं जशपुर में 70 से ज्यादा सांपों की प्रजातियां मिली हैं इसलिए जशपुर को 'नागलोक' कहते हैं।

सर्पररक्षक टीम के सदस्य नीरज ने बताया कि सबसे खतरनाक स्वभाव का सांप रसेल वाइपर है। यह सांप रायगढ़ जिले में लगभग कई जगह पाया जाता है। उन्होंने बताया कि शहर के नदी नालों के आसपास, भेलवा टिकरा, उर्दना, बड़े रामपुर, इन्दिरा नगर ,सर्किट हाउस, गोर्वधनपुर, रेगड़ा, बोईरदादर, विनोबा नगर, गोपालपुर, लोइंग, महापल्ली, वृन्दावन कालोनी, भगवानपुर में ये सांप निकल चुके हैं। सर्पररक्षक समिति के अध्यक्ष विनीतेश तिवारी ने बताया कि पिछले 2 माह में लगभग 500 सांप रेस्क्यू हुए हैं। जिनमे ज्यादातर इंडियन स्पेक्टीकल कोबरा, कॉमन करैत, बैंडेड करैत, बड़े साइज के धमना सांप, अजगर, कॉमन वूल्फ, कॉमन कुकरी है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रवक्ता एनएसयूआई प्रभारी महामंत्री, सचिव गिरफ्तार

रायपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रवक्ता विकास तिवारी, एनएसयूआई के प्रभारी महामंत्री हेमंत पाल और प्रदेश सचिव कुणाल दुबे को गिरफ्तार किया गया है। तीनों को एक दिन की रिमांड पर जेल भेजा गया है। कृष्णा किड्स स्कूल प्रबंधन ने इन नेताओं पर स्कूल के अंदर जबरदस्ती घुसकर संस्था के खिलाफ नारेबाजी और स्टाफ को गाली देने का आरोप लगाया था।

दरअसल, स्कूल प्रबंधन ने 8 जून को न्यू राजेंद्र नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने इन नेताओं की गिरफ्तारी के लिए टीम भेजी थी। इसके बाद हेमंत और कुणाल थाने पहुंचे और लगभग 1 बजे अपनी गिरफ्तारी दी।

विकास तिवारी ने रायपुर की अदालत में सरेंडर किया था। कल बुधवार को इस मामले में जमानत को लेकर सुनवाई होगी। फिलहाल तीनों कांग्रेस नेताओं की रात जेल में बीतेगी।

नशे में दूल्हे को देख लड़की का शादी से इनकार

परिजनों-ग्रामीणों का गुस्सा देख भागे बाराती, दुल्हन बोली- नहीं चाहिए शराबी लड़का

कोरिया, 9 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरिया में दूल्हा शराब के नशे में बारात लेकर पहुंचा तो जमकर हंगामा हुआ। दूल्हे को नशे में झूमते देख दुल्हन ने शादी से इनकार कर दिया। दुल्हन के परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा देख पहुंचे बाराती भाग निकले। दूल्हे के परिजनों ने माफी मांगी, लेकिन लड़की वाले नहीं माने और बारात बैरंग लौट गई।

दरअसल, ग्राम पंचायत आनी निवासी रामचरण की बेटी लवन्ती की शादी पटना के ग्राम बरदिया के रहने वाले राम अवतार के बेटे रमेश कुमार के साथ तय हुई थी। सोमवार रात सेहरा बांधे दूल्हा रमेश कुमार गाजे-बाजे के साथ बारात लेकर दुल्हन के घर पहुंचा। वधु पक्ष के लोगों ने बारात का स्वागत किया।

इस दौरान कई रस्में पूरी कर आरती उतारने के लिए दुल्हन की मां रजंति पहुंची। उन्होंने देखा कि, दूल्हा शराब के नशे में धुत है।

दुल्हन लवन्ती को इसका पता चला तो उसने शादी से इनकार कर दिया। इसे लेकर हंगामा शुरू हो गया। मामला बढ़ता देख साथ आए बाराती मौके से भाग निकले।

विवाद बढ़ता देख दूल्हा रमेश कुमार और परिजनों ने दुल्हन पक्ष से माफी मांगी। उन्होंने शादी संपन्न कराने का निवेदन किया, लेकिन वे नहीं माने। दुल्हन लवन्ती का कहना है कि वो ऐसे लड़के से बिल्कुल भी शादी नहीं करना चाहेगी, जो शराब या किसी तरह के नशे का सेवन करता हो। गांव और समाज ने भी लवन्ती के इस फैसले का साथ देते हुए उसकी तारीफ की।

लड़की की मां रजन्ति ने कहा कि, आरती उतारने गई तो देखा कि दूल्हा शराब के नशे में था। जिसके बाद मैंने आरती नहीं उतारी। मैंने बेटी के शादी से इनकार करने पर उसके फैसले का साथ दिया। दुल्हन के पिता रामचरण ने कहा कि, शादी के इंतजाम में उनके काफी पैसे खर्च हो गए, लेकिन बेटी के निर्णय के साथ ही परिवार और समाज है। वे अच्छा लड़का देखकर उसकी शादी करेंगे।

दुल्हन के शादी से इनकार करने के बाद दूल्हे रमेश का नशा उतर गया। रमेश ने कहा कि, गलती हुई है। अब वह शराब नहीं पिएगा, लेकिन दुल्हन ने शादी करने से स्पष्ट इनकार कर दिया। इसके बाद बिना दुल्हन लिए ही बारात लौट गई।

हालांकि इस मामले में कोई पुलिस केस नहीं हुआ।

प्रशासन ने नहीं सुनी तो ग्रामीणों ने खुद ही बना ली जुगाड़ की पुलिया

चंदा जुटाकर शुरू किया काम

बीजापुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। बीजापुर जिले के भोपालपटनम ब्लाक के धनगोल गांव के ग्रामीणों ने एक मिसाल पेश की है। ग्रामीण लगातार प्रशासन से लेकर जनप्रतिनिधियों तक से पुलिया की मांग करते रहे। लेकिन किसी ने भी इनकी नहीं सुनी, तब जाकर ग्रामीणों का सब्र टूटा और गांव में ही लोगों ने 100 - 100 रुपये चंदा जोड़कर मशीनरी लगाई और ताड़ के तनों से ध्वस्त हुए पुलिये पर रपटा बनाना शुरू कर दिया। गांव वालों का दावा है कि यह रपटा तीन दिनों में बनकर तैयार हो जाएगा। हालांकि यह रपटा वैकल्पिक है, इस रपटे से पैदल व दो पहिया वाहन वाले ही पार हो सकेंगे। बीजापुर जिले के भोपालपटनम ब्लाक के धनगोल पंचायत का यह मामला है, जहां प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से एक अदद पुलिया की फरियाद करते ग्रामीण थक चुके थे।

तब ग्रामीण प्रशासन से उम्मीद छोड़ बारिश में पेश आने वाली कठिनाईयों से बचने श्रमदान के बूते जुगाड़ की पुलिया को आकार देने में व्यस्त हो गए। नेशनल हाईवे से महत 3 किमी दूर धनगोल गांव को जोड़ती कच्ची सड़क में बनी यह पुलिया करीब पांच साल पहले ढह गई थी। जिसके चलते बारिश के दिनों में उफनते नाले से गांव वालों की मुश्किलें बढ़ जाती थी। 50 परिवारों तक ना तो एंबुलेंस पहुंच पाती थी और ना ही दुपहिया वाहन से नेशनल हाईवे तक पहुंचा जा सकता था। बारिश के मौसम में पुलिया के अभाव में गांव का जिला मुख्यालय से संपर्क लगभग टूट ही जाता था।

वाणी की हत्याकर देखने गया, जिंदा है या मर गई

रायपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। अंबिकापुर की वाणी गोयल आखिरी बार रायपुर के बेबीलोन होटल के सीसीटीवी फुटेज में आरोपी विशाल गर्ग के साथ दिखाई दी थी। जांच में पता चला कि वाणी की हत्या के बाद विशाल दो बार फिर होटल में गया था।

आशंका है कि वाणी की मौत की तस्दीक करने के लिए विशाल ने ऐसा किया। उसे डर था कि वाणी बच गई तो वह पकड़ा जा सकता है। हालांकि बाद में उसने डब्ल्यूआरएस कॉलोनी के पास ट्रेन से कटकर खुद की भी जान दे दी। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद दोनों के शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया था। वाणी के शव का अंतिम संस्कार अंबिकापुर में किया गया। वहीं विशाल के शव को लेकर परिजन पहले गृहग्राम प्रतापपुर गए और फिर वाराणसी में दाह संस्कार किया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी विशाल गर्ग लंबे समय से वाणी के पीछे पड़ा हुआ था। आरोपी उससे शादी करना चाहता था, लेकिन वाणी इसके खिलाफ थी।

बंटी ने पिस्तौल निकाल गोली चलाई

मिस फायर होने पर मुझे अंदर ले जाकर बुरी तरह पीटा, पुलिस ने बचाया : कमलेश

जमशेदपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। सीतारामडेरा के भालूबासा जंबो अखाड़ा के पास हुई मारपीट की घटना में घायल पूर्व सीएम रघुवर दास के भतीजे कमलेश साहू को रविवार देर रात होश आया। सोमवार सुबह उसे टाटा मेन हॉस्पिटल में सीसीयू से वार्ड नंबर 4ए के बेड नंबर 54 पर शिफ्ट कर दिया गया।

सोमवार को डीएसपी भोला प्रसाद ने बयान लिया। कमलेश ने पुलिस को दिए बयान में हमला करने का आरोप कमल किशोर उर्फ जंबो, उसके बेटा बंटी सिंह और जंबो के भाई बृजकिशोर सिंह, बृजकिशोर की पत्नी व चार-पांच अन्य युवकों पर लगाया है। सभी आरोपी फरार हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। इधर, पुलिस को दिए बयान में कमलेश ने पुलिस को बताया- सात जुलाई की शाम को भालूबासा चौक पर धर्मेंद्र ने आकर बताया- कमलकिशोर उर्फ जंबो के दोनों बेटे उसे खोज रहे हैं। शाम करीब 6 बजे वह (कमलेश) मुन्ना यादव के साथ खा-पीकर शीतला मंदिर कार्यालय गए। वहां से स्कूटी लेने के बाद मुन्ना यादन को उसके घर छोड़ने गया था। वहां कमल किशोर उर्फ जंबो, उसका बेटे बंटी सिंह और बृजकिशोर सिंह उसे देखकर गाली-गलौज करने लगे। इसका विरोध करने पर वहां पहले से मौजूद 4 से 5 अजात लड़के और बृजकिशोर की सपना ने रॉड से दोनों (कमलेश व मुन्ना यादव) पर हमला कर दिया। बंटी सिंह ने पिस्तौल निकालकर गोली चलाई, लेकिन मिस फायर हो गई। फिर उन दोनों को एक कमरे में ले जाकर रॉड से जानलेवा हमला किया। सभी उसकी हत्या कर लाश को चांडिल डैम में फेंक देने की बात कह रहे थे।

मोदी के रूस जाने से भड़के जेलेंस्की

कहा– दुनिया के सबसे खूनी नेता को गले लगाया, रूसी हमले में 41 लोगों की मौत

कीव, 9 जुलाई (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने मोदी-पुतिन की मुलाकात पर नाराजगी जताई है। उन्होंने मोदी के दौरे को यूक्रेन में शांति की कोशिशों को बड़ा झटका बताया। उन्होंने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा, 'दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के नेता का दुनिया के सबसे खूनी नेता को गले लगाना निराशाजनक है।'

दरअसल, यूक्रेन का दावा है कि सोमवार को रूस ने कीव में बच्चों के अस्पताल पर हमला किया जिसमें 41 लोग मारे गए। ये सब उस वक्त हुआ जब मोदी रूस दौरे पर रवाना हो चुके थे। अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन के मुताबिक हमले के बाद अस्पताल से 600 से ज्यादा मरीजों को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया।

हमले के कुछ ही देर बात अस्पताल की इमारत गिर गई। पुलिस ने बताया कि 3 बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। बाकी घायलों का इलाज किया जा रहा है। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि यह हमला ऐसे समय में किया गया जब अस्पताल में भीड़ ज्यादा थी।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने मंगलवार को इस घटना पर विशेष बैठक बुलाई है। इससे पहले जेलेंस्की ने भी बदला लेने के लिए देश के सैन्य अधिकारियों के साथ इमरजेंसी मीटिंग बुलाई है।

रेस्क्यू टीम और स्थानीय लोग मलबे को हटाकर लोगों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। लोगों के मुताबिक मलबे में अभी भी कई सारे लोग दबे हैं। हमला इतना बड़ा था की आस-पास की 100 से ज्यादा इमारतों को नुकसान हुआ है।

यूक्रेनी वायु सेना ने बताया कि उसने 38 में से 30 रूसी मिसाइल को मार गिराया था। ये अब तक के सबसे बड़े हमलों में से एक था। इन हमलों मे सबसे ज्यादा नुकसान द्निप्रो, क्रीवी री, स्लोव्यांस्क और क्रामाटोरस्क शहरों को हुआ है।

3 दिन पहले 55 बार एयरस्ट्राइक की

रूस ने शुक्रवार और शनिवार को पिछले 24 घंटों में यूक्रेन पर 55 बार एयरस्ट्राइक की थी। जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 43 से ज्यादा लोग घायल हो गए। रूस की न्यूज एजेंसी आरआईए के मुताबिक रूसी सेना ने शुक्रवार को यूक्रेन की अलग-अलग जगहों पर 6 रॉकेट और 70 से ज्यादा ग्लाइड बम से हमला किया।

यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक रूसी सेना रातभर से रुक-रुक कर हमले कर रही है। उन्होंने उत्तरी यूक्रेन में बिजली के प्लांट पर हमला किया, जिससे 1 लाख से ज्यादा लोग बिना बिजली के रहने को मजबूर हैं।

यूक्रेनी सेना ने पूरे इलाके में कुछ दिनों तक ऐसे हमले जारी रहने की चेतावनी जारी की है। यूक्रेनी जनरल स्टाफ ने बताया कि शनिवार को यूक्रेनी और रूसी सेनाओं के बीच 45 बार आमने-सामने से भिडंत हुई है।

इसके कुछ ही घंटों बाद रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उसने पूर्वी यूक्रेन में 30 किलोमीटर तक कब्जा कर लिया था। यूक्रेनी सेना ने बताया कि रूस चासिव यार में कब्जा करना चाहता है। ये इलाका ऊंचाई वाला अगर इस इलाके पर रूस ने कब्जा कर लिया तो उसे आसानी से बढ़त मिल जाएगी। 24 फरवरी 2022 को शुरू हुई रूस-यूक्रेन जंग को 2 साल से ज्यादा समय बीत चुका है।

यूक्रेन के नाटो में शामिल होने की जिद के चलते व्लादिमिर पुतिन ने उस पर हमला किया था। पुतिन इस जंग को मिलिट्री ऑपरेशन बताते हैं।

सांस्कृतिक मंडली से मिले पीएम मोदी

रूस में दो नए दूतावास खोलने का किया एलान

मॉस्को, 9 जुलाई (एजेंसियां)। मॉस्को में भारतीय समुदाय को संबोधित करने के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत के लिए रूसी सांस्कृतिक मंडली ने कार्यक्रम प्रस्तुत की। कार्यक्रम के बाद प्रस्तुति देने वाली मंडली से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बातचीत की। उन्होंने इस दौरान बताया कि वे रूस में दो नए दूतावास भी खुलने जा रहे हैं। पीएम मोदी के स्वागत में कलाकारों ने भारतीय गानों पर प्रस्तुति दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मॉस्को में आयोजित 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे हैं। दो दिवसीय इस कार्यक्रम में द्विपक्षीय मुद्दों पर बात होगी। इस कार्यक्रम में भारतीय समुदाय को संबोधित करने के लिए रूसी सांस्कृतिक मंडली ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मंडली से बातचीत की। उन्होंने कलाकारों से पूछा कि आप कितने सालों से नृत्य का अभ्यास कर रहे हैं? उनमें से कुछ 10 साल से और कुछ पिछले 30 सालों से कार्यक्रम का अभ्यास कर रहे हैं। पीएम मोदी ने उनसे उनकी भारत यात्रा के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि वे कार्यक्रम के लिए भारत आए थे।

वीडियों में कलाकारों ने पीएम मोदी से मिलने पर अपनी भी जाहिर की है। पीएम मोदी ने मॉस्को में भारतीय समुदाय को संबोधित किया , उन्होंने दोनों देशों के बीच संबंधों के बारे में बात की। साथ ही संबंधों को मजबूत करने में भारतीय प्रवासियों के योगदान का जिक्र किया। इस्कॉन मॉस्को के अध्यक्ष साधु प्रिय दास ने कहा कि उन्होंने पीएम मोदी को 2001 में मॉस्को में इस्कॉन मंदिर की अपनी यात्रा की तस्वीरें दिखाई, जब उन्होंने 2001 में मॉस्को में इस्कॉन में प्रार्थना की। पीएम मोदी के भारतीय समुदाय को संबोधित करने के बाद रामकृष्ण मिशन के स्वामी आत्मलोकानंद ने कहा कि वे पीएम मोदी के बिना भारत के भविष्य के बारे में नहीं सोच सकते। स्वामी आत्मलोकानंद ने कहा, "हम 1991 से 30 साल से अधिक समय से यहां काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि रूसी लोग संस्कृत भाषा में रूचि रखते हैं और हम उन्हें सिखा रहे हैं। पीएम मोदी के बिना हम भविष्य के भारत के बारे में नहीं सोच सकते। जिसका सपना स्वामी विवेकानंद ने देखा था। पीएम मोदी स्वामी विवेकानंद की इच्छाओं को पूरा कर रहे हैं।

वहीं भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने रूस में नए वाणिज्य दूतावास खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भारतीय वाणिज्य दूतावास कजान और येकातेरिनबर्ग में खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं आप सभी के साथ कुछ अच्छी खबर साझा करना चाहता हूं। हमने कजान और येकातेरिनबर्ग में नए वाणिज्य दूतावास खोलने का फैसला किया है। इससे यात्रा और व्यापार में वृद्धि होगी। दो साल पहले पहील खेप भारत-रूस 'उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे' के माध्यम से भेजी गई थी। यह बड़ी उपलब्धि है।

अब भारत और रूस चेन्नई-वल्दिवोस्तोक पूर्वी गलियारे को खोलने के लिए काम कर रहे हैं। 21वीं सदी में भारत विश्व बंधु की भूमिका निभाएगा।

बेफिक्र होकर खाइए टिड्डे

झींगुर जैसे 16 कीड़े, सिंगापुर खाद्य एजेंसी ने इन्हें बताया सुरक्षित

सिंगापुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। झींगुर, टिड्डा और पतंगा प्रजाति इन्सान के खाने योग्य हैं। यह बात सिंगापुर के खाद्य नियामक सिंगापुर खाद्य एजेंसी (एसएफए) ने कही है। एसएफए ने सोमवार को इन कीटों की 16 प्रजातियां को इंसानी खानपान के लिए मंजूरी दे दी है।

इसके साथ ही ये कीड़े बहुजातीय संप्रभु द्वीप देश और नगर-राज्य सिंगापुर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चीनी और भारतीय व्यंजनों सहित वैश्विक खाद्य पदार्थों के मशहूर मेन्यू में शामिल हो गए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, एसएफए के इस एलान का खानपान के कारोबार से जुड़े लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। ये कारोबारी चीन, थाईलैंड और वियतनाम में पैदा होने वाले इन कीड़ों की सिंगापुर में आपूर्ति और खानपान की व्यवस्था करते हैं।

मंजूरी दिए गए कीटों में झींगुर, टिड्डे, पतंगे, मिल वॉर्म्स और रेशम के कीड़ों की प्रजातियां शामिल हैं। इनका इस्तेमाल करने का इरादा रखने वाले कारोबारियों को बस एसएफए के जरूरी दिशा-निर्देश मानने होंगे। एसएफए ने अक्तूबर 2022 में कीड़ों की 16 प्रजातियों को उपभोग के लिए मंजूरी देने की संभावना पर सार्वजनिक तौर पर सलाह-मशवरा शुरू किया था। इसके बाद उसने कहा था कि वह अप्रैल 2023 की दूसरी छमाही में इन प्रजातियों को उपभोग के लिए हरी झंडी देगा। फिर सीमा 2024 तक बढ़ा दी।

कनाडा में चोरी हुआ 400 किलो सोना भारत पहुंचा

पिछले साल हुई थी चोरी, पूरे कंटेनर को उठा ले गए थे चोर

ओटावा, 9 जुलाई (एजेंसियां)। कनाडा पुलिस ने मान लिया है कि पियर्सन एयरपोर्ट से गायब हुई अरबों रुपये की सोने की ईंटें अब नहीं मिल पाएंगी। पिछले साल 17 अप्रैल को टोरंटो के पियर्सन एयरपोर्ट पर कनाडा कार्गो टर्मिनल से सोने की 6600 ईंटें चोरी हो गई थीं। पुलिस को सोने की चोरी का पता 3 दिन बाद चला था। सोने की इन ईंटों का वजन 400 किलो था। इन ईंटो की कीमत तब भारतीय रुपयों में करीब 121 करोड़ थी। ये चुराई गई सोने की ईंटें आज तक वापस नहीं मिल पाई हैं। कनाडा पुलिस ने आशंका जताई है कि ये सोना भारत और दुबई पहुंच गया होगा। कनाडाई पुलिस ने कहा कि ये चोरी नेटफ्लिक्स के क्राइम सीरिज स्टाइल में की गई। इसमें सोना और कैश एयरपोर्ट के एक कार्गो केंद्र से चोरी कर लिया गया था। ये सोना स्विट्जरलैंड में एयरपोर्ट पहुंचने के 42 मिनट के भीतर ही चोरी हो गया था। पुलिस ने कहा कि इसे बड़ी चालाकी से कंटेनर फैसिलिटी में शिफ्ट कर दिया गया। घटना के 3 दिन बाद 20 अप्रैल को पता चला कि यह पूरा कार्गो ही चोरी हो गया है। इस चोरी के लिए फर्जी रसीद का इस्तेमाल किया गया था। पुलिस ने बताया कि इस चोरी के मामले में पकड़े गए आरोपियों में तीन भारतीय मूल के लोग भी शामिल हैं। पील रीजनल पुलिस (पीआरपी) के लीड इन्वेस्टिगेटर डिटेक्टिव सार्जेंट माइक मैविटी ने कहा कि उन्हें लगता है कि चोरी किए गए सोने का एक बड़ा हिस्सा विदेश के बड़े गोल्ड मार्केट्स में चला गया है। जहां सीरियल नंबर के साथ सोना ले लिया जाता है। बाद में इसे पिघला दिया जाता है। मैविटी ने कहा कि यह सब कुछ घटना के तुरंत बाद ही हुआ होगा। पील रीजनल पुलिस (पीआरपी) ने पहले इस चोरी को कनाडा में अब तक की सबसे बड़ी सोने की डकैती बताया था। इस चोरी को 'प्रोजेक्ट ' का नाम दिया था।

इस मामले में गिरफ्तारियों की जानकारी देते हुए पुलिस ने कहा था कि एयरलाइन के 2 कर्मचारियों की मदद से इस चोरी को अंजाम दिया गया। अब इन कर्मचारियों पर केस चल रहा है। पुलिस ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि इस सोने को पिघलाकर सोने के ब्रेसलेट बनाए गए और फिर उन्हें बेच दिया गया।

यह पहली बार नहीं था जब पियर्सन एयरपोर्ट से सोने की चोरी की घटना हुई। 25 सितंबर 1952 को भी ऐसा ही मामला सामने आया था जब टोरंटो से मॉन्ट्रियल पहुंचे फ्लाइट से सोने के 10 डिब्बों में से 4 चोरी हो गए। चोरी हुए सोने की कीमत 14 करोड़ रुपए थी। तब ये कनाडा इतिहास की सबसे बड़ी चोरी थी। इस चोरी की घटना को आजतक हल नहीं किया जा सका। पुलिस प्लेन में हुई इस चोरी की जांच कभी पूरी नहीं कर पाई। कनाडा में 1974 में सोने की सरेआम चोरी का मामला सामने आया था। इस दौरान ओटावा के एयरपोर्ट से 27 करोड़ रुपए के सोने की चोरी हो गई थी।

भारतीय मूल के शख्स ने चार साल पहले किया था 17 साल की बच्ची से दुष्कर्म

13 साल और चार सप्ताह की जेल

सिंगापुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। सिंगापुर में भारतीय मूल के एक बार मालिक को 13 साल और चार सप्ताह जेल की सजा सुनाई गई। दरअसल, शख्स 17 साल की एक बच्ची से दुष्कर्म करने का दोषी पाया गया। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 42 वर्षीय राज कुमार बाला को पीड़िता से दुष्कर्म और छेड़छाड़ के आरोप में दोषी ठहराया गया और उसने बाल एवं युवा व्यक्ति अधिनियम के तहत भगोड़े व्यक्ति को शरण देने के तीसरे आरोप में अपना गुनाह भी कबूल कर लिया। बचाव पक्ष के वकील रमेश तिवारी ने कहा कि उनके मुवक्किल के खिलाफ और भी लंबित मामले हैं, जिनकी सुनवाई पूरी नहीं हुई है। जबतक मामले में सुनवाई पूरी नहीं होती उन्हें जमानत दे दी जाए। अदालत में बताया गया कि करीब चार वर्ष पहले फरवरी में पीड़िता 17 साल की थी, जब वह सिंगापुर के एक गर्ल्स होम से भाग गई थी। उसे एक अन्य भागी लड़की से होटल, मोटल और भोजनालयों के लिटिल इंडिया परिसर में डनलप स्ट्रीट में बाला के डॉन बार और बिस्ट्रो में नौकरी के अवसर के बारे में पता चला। बताया गया कि यह लड़की भी यहीं काम कर रही थी और इसका भी बाला ने यौन उत्पीड़न किया था। फिलहाल इस मामले में कोई आरोप नहीं लगाया गया है। पीड़िता नौकरी के लिए साक्षात्कार देने के लिए बार में गई और बाला से मिली, जिसने उसे काम समझाया। साथ ही बार में अन्य लड़की के साथ रहने की इजाजत दे दी। पीड़िता ने कुछ दिनों तक बार में काम किया। मगर फिर पुलिस को फरार लोगों के बारे में गुप्त जानकारी मिली। उन्होंने 22 फरवरी, 2020 के शुरुआती घंटों में जगह पर छापा मारा। पीड़ित छापा कार्रवाई से बचने के लिए अन्य लड़की के साथ भाग गई।

नाटो सदस्यों में अलग-थलग पड़ा कनाडा

रक्षा खर्च में कटौती से निशाने पर आए जस्टिन ट्रूडो

वॉशिंगटन, 9 जुलाई (एजेंसियां)। नाटो के 32 सदस्य देशों में कनाडा अलग-थलग पड़ गया है। अमेरिका के एक मीडिया चैनल ने यह दावा किया है। उनका कहना है कि कनाडा अपने घरेलू रक्षा खर्च को तय सीमा तक खर्च नहीं कर पा रहा है। इसके चलते कनाडा की सेना के कई उपकरण पुराने हो गए हैं और कनाडा की सरकार में अभी रक्षा खर्च प्राथमिकता में भी नहीं है। यह रिपोर्ट ऐसे समय सामने आई है, जब कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो नाटो की बैठक में शामिल होने के लिए वॉशिंगटन डीसी पहुंचे। राष्ट्रपति जो बाइडन की अध्यक्षता में नाटो की अहम बैठक वॉशिंगटन में हो रही है।

क्या कहा गया है कि रिपोर्ट में

नाटो की बैठक में प्रधानमंत्री ट्रूडो नाटो में कनाडा के योगदान पर बात रखेंगे, जिसमें ऑपरेशन रि-एश्योरेंस भी शामिल है, जो कनाडा की सबसे बड़ी सक्रिय विदेशी सैन्य तैनाती है। साथ ही ट्रूडो यूरो-अटलांटिक क्षेत्र की सुरक्षा, स्थिरता के लिए कनाडा की प्रतिबद्धता भी जाहिर करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि 'पिछले कई वर्षों में, कनाडा 32 सदस्यीय गठबंधन के बीच अलग-थलग हो गया है। यह घरेलू सैन्य खर्च लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफल रहा है, साथ ही नए उपकरणों को फंड देने के लिए तय बेंचमार्क से पीछे रह गया है। फिलहाल कनाडा के उन लक्ष्यों को हासिल करने की कोई उम्मीद भी नजर नहीं आ रही।'

अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, नाटो के 12 संस्थापक सदस्यों में से एक कनाडा ने साल 2014 में रूस के क्रीमिया पर कब्जा करने के बाद सकल घरेलू उत्पाद का 2 प्रतिशत रक्षा पर खर्च करने का वादा किया था। हालांकि कनाडा अपने वादे से काफी पीछे है। हालांकि नाटो के 32 सदस्य देशों में से 23 देशों ने रक्षा खर्च को लेकर तय लक्ष्यों को हासिल किया है। यूक्रेन पर हमले के बाद पुतिन को लेकर पूर्वी मोर्चे पर आशंकाएं बढ़ रही हैं। यही वजह है कि यूरोपीय देश अपना रक्षा खर्च बढ़ाने में जुटे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि नाटो सम्मेलन के दौरान कनाडा पर अपने वादे को पूरा करने का दबाव डाला जा सकता है। इस बात की भी चिंता जताई जा रही है कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप जीत जाते हैं तो यूरोप की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

मीडिया रिपोर्ट में अमेरिका के एक शीर्ष अधिकारी के हवाले से यह दावा किया गया है। कहा गया है कि कनाडा की सेना के कई हथियार और उपकरण अनुपलब्ध और अनुपयोगी हैं। कनाडा की सरकार इस दिशा में खास प्रयास भी नहीं कर रही है। बता दें कि साल 2024 के बजट में, कनाडा सरकार ने रक्षा खर्च में पाँच वर्षों में 8.1 अरब अमरीकी डॉलर और 20 वर्षों में 73 अरब अमरीकी डॉलर खर्च करने का एलान किया है। कनाडा की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने और वैश्विक चुनौतियों का जवाब देने के लिए कनाडा सरकार ने यह ऐतिहासिक निवेश करने का एलान किया है।

2022 से, कनाडा ने यूक्रेन को समर्थन देते हुए 19 अरब अमरीकी डॉलर से अधिक की आर्थिक सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई है। इसमें 4 अरब अमरीकी डॉलर की सैन्य सहायता शामिल हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, अन्य सहायता में 12.4 अरब अमरीकी डॉलर की वित्तीय सहायता, 35.2 करोड़ अमरीकी डॉलर की मानवीय सहायता, 44.2 करोड़ अमरीकी डॉलर की विकास सहायता और 21.0 करोड़ अमरीकी डॉलर से अधिक की सुरक्षा और स्थिरीकरण सहायता शामिल है।

भारतवंशी नौ वर्षीय बेटी ने प्रस्तुति देकर अमेरिका में मचाया तहलका

आनंद महिंद्रा ने वीडियो शेयर कर दी बधाई

न्यूयॉर्क, 9 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय मूल की एक नौ वर्षीय लड़की प्रणयस्का मिश्रा अपनी गायन प्रतिभा से अमेरिकी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रही है। उसे लोकप्रिय 'अमेरिकाज गॉट टैलेंट' में प्रदर्शन पर काफी प्रशंसा मिल रही है। प्रणयस्का फ्लोरिडा में रहती है। पिछले सप्ताह टीवी टैलेंट शो में उसने टीना टर्नर का क्लासिक 'रिवर डीप, माउंटेन हाई' गीत पर प्रस्तुति दी। उसकी सशक्त प्रस्तुति ने शो के जज साइमन कॉवेल और हेइडी क्लम को बेहद प्रभावित किया। बिलबोर्ड.कॉम की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मिश्रा के मंत्रमुग्ध कर देने वाले प्रदर्शन पर उसे जज सुपरमॉडल हेइडी क्लम से गोल्डन बजर ने नवाजा।

विद्रोही गुट का एयरपोर्ट पर कब्जा

दावा– सेना के साथ भिड़ंत में 400 सैनिक मारे गए, सैन्य शासन के खिलाफ लड़ रहे विद्रोही

नाएप्यीडॉ, 9 जुलाई (एजेंसियां)। म्यांमार में अल्पसंख्यक जनजातीय विद्रोही ग्रुप अराकान ने सैन्य शासन के खिलाफ चल रही लड़ाई में एक एयरपोर्ट को कब्जे में ले लिया है। थांडवे नाम का ये एयरपोर्ट म्यांमार के पश्चिमी प्रांत रखाइन के दक्षिणी हिस्से में मौजूद है। इसे मा जिन एयरपोर्ट के नाम से भी जाना है। देश के सबसे बड़े शहर यंगून से इसकी दूरी 260 किमी है। म्यांमार में सैन्य शासन के लागू होने के बाद से थांडवे एयरपोर्ट पहली ऐसी जगह है जिस पर किसी विद्रोही समूह ने कब्जा किया है। ये एयरपोर्ट देश के सबसे अहम समुद्र तटीय रिसॉर्ट्स तक सेवा देता है। एयरपोर्ट को अपने नियंत्रण में लेने से अराकान आर्मी के लिए रखाइन प्रांत के तटीय इलाकों पर कब्जा करने का रास्ता खुल गया है। अराकान आर्मी का इलाके के उत्तरी हिस्से पर पहले से ही नियंत्रण है। रखाइन प्रांत के निवासियों और स्थानीय मीडिया ने भी एयरपोर्ट पर कब्जे की बात की पुष्टि की है। फिलहाल इस एयरपोर्ट पर अराकान गुट के कब्जे के बाद सभी तरह की गतिविधियों पर रोक लग गई है। 2021 में आंग सान सू की की चुनी हुई सरकार का तख्तापलट कर सेना वहां शासन में आई थी। देश के कई हिस्सों में विद्रोही गुट सैन्य शासन के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह को अंजाम दे रहे हैं। इन विद्रोहों में लोकतंत्र की बहाली के समर्थक और गुरिल्ला गुट दोनों शामिल हैं। अराकान आर्मी ने रविवार रात टेलीग्राम ऐप पर एक बयान जारी कर बताया कि उन्होंने इलाके में हुई लड़ाई के बाद 400 से अधिक सैनिकों के शवों को जब्त किया है। इसके अलावा विद्रोहियों को काफी मात्रा में गोला-बारूद भी मिला है। हालांकि न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक अराकान आर्मी के इन दावों की पुष्टि नहीं हो पाई है। अराकान आर्मी म्यांमार के अल्पसंख्यक बौद्ध रखाइन समुदाय का मिलिट्री विंग है। इसका मकसद म्यांमार की सरकार से रखाइन प्रांत की स्वायत्ता हासिल करना है। अराकान आर्मी को अरखा आर्मी भी कहा जाता है।

म्यांमार में सेना ने 1 फरवरी 2021 को तख्तापलट कर दिया था। इसके बाद स्टेट काउंसलर आंग सान सू की और राष्ट्रपति विन मिंट समेत कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया था। उन पर तब से एक दर्जन से भी ज्यादा मुकदमे दर्ज किए गए। इनमें से कई मामलों में उन्हें दोषी भी ठहराया गया है। वे फिलहाल राजधानी नेपीता में 27 साल की सजा काट रही हैं। इसके बाद मिलिट्री लीडर जनरल मिन आंग हलिंग ने खुद को देश का प्रधानमंत्री घोषित कर दिया था। सेना ने देश में 2 साल के आपातकाल की घोषणा की थी।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत रांची में

वार्षिक बैठक 12 जुलाई से शुरू होगी, देशभर के प्रभारी रहेंगे मौजूद

रांची, 9 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ की वार्षिक बैठक इस बार रांची में हो रही है। इस बैठक में भाग लेने के लिए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत मंगलवार सुबह रांची पहुंचे। 12 जुलाई से शुरू होने वाली बैठक में भाग लेने के लिए संगठन के सभी प्रांत प्रचारक या प्रांत प्रभारी के पहुंचने का सिलसिला जारी है। संगठन के पदाधिकारी ने बताया कि तीन दिवसीय बैठक के दौरान प्रांत प्रचारक मई-जून में आयोजित आरएसएस प्रशिक्षण शिविरों की समीक्षा करेंगे। आने वाले वर्ष में संगठन के विभिन्न कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर भी विचार-विमर्श करेंगे। प्रांत प्रचारक पूर्णकालिक आरएसएस कार्यकर्ता होते हैं, जो इसके 46 प्रांतों या संगठनात्मक प्रांतों के प्रभारी होते हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रतिवर्ष होने वाली अखिल भारतीय स्तर की प्रांत प्रचारक बैठक इस वर्ष आगामी 12,13 एवं 14 जुलाई 2024 को झारखंड प्रदेश की राजधानी रांची में आयोजित हो रही है। मई-जून में संपन्न संघ के प्रशिक्षण वर्गों की लगभग दो माह की श्रृंखला के बाद देशभर के सभी प्रांत प्रचारक इस बैठक में उपस्थित रहेंगे। संघ की संगठन योजना में कुल 46 प्रांत बनाये गए हैं। संघ शताब्दी वर्ष (2025-26) के आग्रह व उपक्रमों पर बैठक में विचार विनिमय होगा।

हार के बाद बड़े बदलाव से गुजर रही है कंजर्वेटिव पार्टी

लंदन, 9 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन में आम चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी की करारी हार के बाद से बड़े बदलाव से गुजर रही है। वहीं देश में अंतिम तौर पर नेता विपक्ष की कुर्सी संभाल रहे हैं ऋषि सुनक ने अपनी शैडो कैबिनेट भी नामित की है। जो मंगलवार को संसद के नए सदस्यों के शपथ ग्रहण के साथ ही हाउस ऑफ कॉमन्स में उनकी जगह लेंगे। बता दें कि देश के आम चुनाव में 44 वर्षीय ब्रिटिश भारतीय नेता ऋषि सुनक की पार्टी को कुछ हाई-प्रोफाइल इस्तीफों

और टोरी सांसदों के गायब रहने के कारण पिछले सप्ताह के सबसे बड़ी चुनावी हार का सामना करना पड़ा है। ब्रिटेन में हुए आम चुनाव को लेबर पार्टी ने भारी बहुमत से जीता है। वहीं ऋषि सुनक के शैडो कैबिनेट के सदस्यों की बात करें तो, जेम्स कार्टलिज को शैडो रक्षा सचिव और एड आर्गर को शैडो न्याय सचिव नियुक्त किया गया है, क्योंकि पूर्व मंत्री-ग्रांट शैप्स और एलेक्स चाक-अपनी सीटें हार गए हैं। जबकि माइकल गोव के सांसद का पद छोड़ने के बाद केमी बेडेनोच, पूर्व व्यापार सचिव को शैडो लेवलिंग सचिव नामित किया गया है, और केविन हॉलिनरेक विपक्ष में बेडेनोच की पूर्व मंत्री भूमिका की शैडो करेंगे। पेनी मोर्डंट के चुनावों में हारने के बाद पूर्व गृह कार्यालय मंत्री क्रिस फिलिप टोरीज के लिए हाउस ऑफ कॉमन्स के नए शैडो नेता होंगे।

अन्य कई विभागों में विपक्षी बेंचों से उनके पूर्व मंत्री पद शामिल होंगे, जिसमें जेरेमी हंट को शैडो चांसलर, जेम्स क्लेवरली को शैडो गृह सचिव और भारतीय मूल की क्लेयर कॉउटिन्हो को शैडो ऊर्जा सुरक्षा और नेट जीरो सचिव के रूप में नामित किया गया है।

डिप्टी सीएम दिया कुमारी आज पेश करेंगी भजनलाल सरकार का पूर्ण बजट

जयपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की भजनलाल सरकार आज अपना पहला पूर्ण बजट पेश करने जा रही हैं। वित्तमंत्री के रूप में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी विधानसभा में बजट पेश करेंगी। आने वाले दिनों में राजस्थान में उपचुनाव होने है। ऐसे में यह तय है कि बजट लोक लुभावना होगा। बजट में दीया कुमारी हर वर्ग के लिए बड़ी घोषणाएं कर सकती हैं। बता दें कि दिया कुमारी पहले ही कह चुकी है कि सभी वर्गों को ध्यान में रखकर बजट बनाया गया है और बजट में हर वर्ग के लिए बड़ी घोषणाएं है।

भजनलाल शर्मा सरकार ने इसी साल फरवरी में अंतरिम बजट पेश किया था, जिसके जरिए 31 जुलाई तक के खर्चों के लिए वित्तीय व्यवस्था की गई थी। बुधवार को बजट पेश होने के बाद विधानसभा में करीब 13 दिन तक विभागवार अनुदान मांगों पर चर्चा होगी और अंत में वित्त एवं विनियोग विधेयक (बजट) पारित होगा। वित्त एवं विनियोग विधेयक पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जवाब देंगे।

पानी की सौगात : बजट में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के लिए फंड की घोषणा संभव है। इस योजना के धरातल पर आने से प्रदेश के 21 जिलों में पानी की समस्या दूर होगी।

तीन प्रोजेक्ट की घोषणा संभव : इंटरलिंकिंग ऑफ रिवर के तहत प्रदेश के सूखाग्रस्त इलाकों में बांधों को लबालब करने की योजना है। ऐसे में तीन प्रोजेक्ट के लिए फंड की घोषणा संभव है।

सरकारी नौकरी : भजनलाल सरकार का सबसे ज्यादा युवाओं पर फोकस है। ऐसे में साफ है कि सरकारी नौकरियों को लेकर बड़ा ऐलान किया जा सकता है। सत्ता में आने से पहले भाजपा 70 हजार नौकरियां देने का दावा किया था। हाल ही में सीएम भजनलाल ने कहा था कि जल्द ही सरकारी नौकरियों का ऐलान करेंगे। ऐसे में युवाओं के लिए सरकारी नौकरियों की बड़ी घोषणा होना तय है।

आरक्षण का दायरा : सीएम भजनलाल शर्मा ने हाल ही में तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती लेवल वन में महिलाओं के लिए 50 फीसदी आरक्षण देने का ऐलान किया था। ऐसे में माना जा रहा है कि लेवल टू में भी महिलाओं के लिए 50 फीसदी आरक्षण की घोषणा हो सकती है। बजट से पहले ही सरकार पुलिस भर्ती में महिलाओं का आरक्षण 30 से बढ़ाकर 33 प्रतिशत तक करने का संकेत दे चुकी है। ऐसे में माना जा रहा है कि अन्य भर्तियों में भी आरक्षण का दायरा 30 से बढ़ाकर 33 या 35 फीसदी किया जा सकता है।

पेट्रोल और डीजल होगा सस्ता : राजस्थान में पेट्रोल और डीजल सस्ता करने के वादे के साथ बीजेपी सत्ता में आई थी। इसके बाद दिसंबर 2023 में भजनलाल सरकार ने डीजल और पेट्रोल पर 2 फीसदी वैट घटाकर बड़ी राहत दी थी।

इससे प्रदेश में पेट्रोल और डीजल पांच रुपए तक सस्ता हो गया था। माना जा रहा है कि बजट में अब एक बार फिर पेट्रोल और डीजल पर वैट कम करने का ऐलान हो सकता है।

सेवानिवृत्ति की उम्र : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पिछले दिनों सरकारी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की उम्र बढ़ाने के संकेत दिए थे। ऐसे में माना जा रहा है कि बजट में सरकारी कर्मचारियों की सेवानिवृत्त होने की आयु 65 साल करने का ऐलान किया जा सकता है।

स्टेट हाईवे हो सकता है टोल फ्री : वसुंधरा राजे ने अपने दूसरे कार्यकाल में स्टेट हाईवे टोल को फ्री कर दिया था। लेकिन, साल 2018 में कांग्रेस ने सत्ता में आते ही स्टेट टोल फिर से शुरू कर दिया था। लेकिन, माना जा रहा है कि भजनलाल सरकार स्टेट हाईवे को फिर से टोल मुक्त करने का ऐलान कर सकती है।

भजनलाल मंत्रिमंडल में होगा बदलाव!

कई मंत्रियों पर गिरेगी गाज, ऐसे विधायकों को मिलेगा मौका

जयपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने मंत्रिमंडल विस्तार कर दिया है। ऐसे में अब राजस्थान में भी मंत्रिमंडल फेरबदल और विस्तार की चर्चा सियासी गलियारों में तेज हो गई है। राज्य में अभी विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है। ऐसे में संभवतः अगस्त में भजनलाल सरकार के मंत्रिमंडल में बदलाव हो सकता है। विधानसभा के चालू सत्र के बीच मंत्रिमंडल विस्तार की परम्परा कम ही रही है। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीना का इस्तीफा स्वीकार होगा या नहीं। यह मामला भी संभवतः मंत्रिमंडल फेरबदल और विस्तार तक लंबित रह सकता है।

भाजपा के दिल्ली से जुड़े उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार पिछले दिनों मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दिल्ली गए थे। दिल्ली यात्रा के दौरान मंत्रिमंडल फेरबदल और विस्तार को लेकर कुछ नेताओं से फौरी तौर पर चर्चा हो चुकी है। अभी और चर्चा होगी। लोकसभा चुनाव में हुई हार का असर भी इस मंत्रिमंडल फेरबदल और विस्तार में दिखेगा।

जिन विधायकों ने अच्छा परिणाम दिया है, उनको मंत्री पद से नवाजा जा सकता है। जिन मंत्रियों के यहां परिणाम खराब आया और मंत्री के रूप में छह माह की परफार्मेंस भी खराब रही है। ऐसे मंत्रियों को हटाया भी जा सकता है।

बताया जा रहा है कि 3 से 4 मंत्रियों को लेकर दिल्ली में ज्यादा शिकायतें हैं। ऐसे में उनको हटाने की ज्यादा संभावना है। कुछ मंत्रियों के विभागों में भी बदलाव होगा।

मंत्रिमंडल में 30 सदस्य हो सकते हैं, अभी 24

नियमानुसार कुल विधायकों के 15 प्रतिशत सदस्य ही मंत्री बन सकते हैं। प्रदेश की विधानसभा में 200 सदस्य हैं। ऐसे में सीएम सहित कुल 30 मंत्री बनाए जा सकते हैं। वर्तमान में सीएम सहित 24 मंत्री बने हुए हैं। मंत्रियों के छह पद रिक्त हैं और किरोड़ी मीना के इस्तीफे पर निर्णय होना है। ऐसे में यदि सरकार 3 से 4 मंत्रियों को हटाती है तो 8 से 10 नए विधायकों को मंत्री बनाया जा सकता है।

5 सीटों पर उपचुनाव का भी दिखेगा असर

मंत्रिमंडल विस्तार में क्षेत्र और जातिगत समीकरण भी साधे जाएंगे, जिससे 5 सीटों पर जल्द होने वाले उप चुनाव पर भी भाजपा को फायदा मिल सके। पूर्वी राजस्थान, शेखावाटी और वागड़ से नए विधायकों को मंत्री बनाए जाने की संभावना ज्यादा है।

रीट परीक्षा फर्जीवाड़े में कांग्रेस के पूर्व विधायक ने की लाखों की धोखाधड़ी, गहलोत का नाम भी आया सामने

भरतपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। भरतपुर जिले के नदबई के पूर्व विधायक एवं देवनारायण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष जोगिंदर सिंह अवाना के खिलाफ 42 लाख की धोखाधड़ी का दर्ज हुआ है। रिपोर्ट में उसकी दो बेटियों को रीट परीक्षा पास कराने के एवज में 10 लाख रुपए देने का भी आरोप लगाया है। इसके अलावा पूर्व सीएम अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत का नाम भी सामने आया है। हालांकि, पूर्व विधायक के तत्कालीन निजी सहायक सचिव ने अवाना, उनकी पानी एवं उच्चैन पंचायत समिति के प्रधान पुत्र के खिलाफ धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए उच्चैन थाने में मुकदमा दर्ज कराया हैं।

एसएचओ प्रदीप कुमार ने बताया कि जुगलापट्टी उच्चैन निवासी अतरसिंह पुत्र फतेहसिंह गुर्जर ने नदबई के पूर्व विधायक जोगिन्दरसिंह अवाना, पत्नी बृजेश कुमारी, पुत्र हिमांशु अवाना के खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया है कि उच्चैन निवासी महावीर गुर्जर, कप्तानसिंह एवं अन्य ने मुझे दिसम्बर 2018 से 25 हजार मासिक वेतन पर पूर्व विधायक अवाना के पास निजी सहायक कर्मचारी के पद लगवाया था। जहां दिसम्बर 2023 तक कार्य किया था। इसका वेतन मुझे आज तक नहीं दिया गया और पूर्व विधायक अवाना ने कहा कि तेरा वेतन इकट्ठा तेरे बच्चों की शादी पर ले लेना।

तत्कालीन मुख्यमंत्री कांग्रेस सरकार अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत 20 फरवरी 2022 को उच्चैन में आए थे। कार्यक्रम के कुछ दिन पहले तत्कालीन विधायक जोगिंदरसिंह अवाना ने कहा था कि मेरी सीधी वैभव गहलोत से बात होती रहती है। तुम मुझे 20 लाख रुपए दे देना, मैं तुम्हारी दोनों लड़कियों को रीट में पास कराकर अध्यापक की नौकरी लगवा दूंगा। मैंने 10 लाख रुपए इकट्ठा कर 20 फरवरी 2022 को कार्यक्रम खत्म होने पर पूर्व विधायक अवाना को उच्चैन में लड़कियों की नौकरी लगवाने के एवज में दे दिए थे। उस दिन अवाना ने मेरी पुत्री अनीत सिंह व गोरी कुमारी को वैभव गहलोत से भी मिलाया था और कहा कि मेरी वैभव से बात हो गई हैं। तुम्हारा काम हो आएगा।

रिपोर्ट में कहा है कि विधानसभा चुनाव 2024 से कुछ दिन पहले जब आचार संहिता लगने वाली थी। तब पैसों का ज्यादा तकादा किया तो पूर्व विधायक अवाना ने देने से इंकार कर दिया। इतना ही नहीं राजस्थान विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने धमकाया कि रुपए के बारे में किसी को बताया तो मुकदमा करवा कर पांच-सात साल के लिए जेल भिजवा दूंगा।

रिपोर्ट में आरोप है कि वैभव गहलोत की सभा की तैयारी को लेकर विधायक पुत्र उच्चैन पंचायत समिति प्रधान हिमांशु अवाना के कहने पर सभा स्थल की साफ-सफाई के लिए अतरसिंह के मार्फत विजयसिंह पुत्र कुंवर पाल जाट निवासी बहरारेखपुरा की चार जेसीबी मशीनों से सफाई कराई गई थी। इसका डेढ़ लाख रुपए का भुगतान आज तक नहीं दिया गया हैं। मुख्यमंत्री की सभा (अशोक गहलोत व डोटासरा) 25 दिसम्बर 2022 को उच्चैन में हुई थी। इसमें पूर्व विधायक जोगिंदरसिंह अवाना एवं उनके पुत्र हिमांशु अवाना (प्रधान पंचायत समिति उच्चैन) के कहने पर भीड़ जुटाने के लिए प्रचार प्रसार, गाड़ी वाहन व्यवस्था, पार्किंग एवं सभा स्थल की साफ- सफाई आदि का खर्चा एक दिसम्बर से 25 दिसम्बर तक का कुल खर्चा करीब 10 लाख 50 हजार रुपए खर्च किए गए थे। इसका भुगतान मुझे आज तक नहीं किया गया है। मानदेय समेत कुल रकम 42 लाख रुपए है।

गुजर रही मानसून ट्रफ लाइन

अगले 48 घंटों में होगी झमाझम बारिश

जयपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश में लगातार बारिश का दौर जारी है। पूर्वी राजस्थान में भारी बारिश से जिले लबालब हो रहे हैं। राज्य में भरतपुर व दौसा जिलों में कहीं-कहीं भारी वर्षा दर्ज की गई है। पूर्वी राजस्थान में सर्वाधिक बारिश दौसा में बांदीकुई में 91 मिलीमीटर, सिकराई में 76 मिलीमीटर , भरतपुर के भुसावर में 91 मिलीमीटर दर्ज की गई। इसके अलावा पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर के छतरगढ़ में 38 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। राजधानी जयपुर में दोपहर तीन बजे बाद बारिश का दौर शुरू हुआ। करीब आधा घंटे तक हुई बारिश में शहर की सड़कों पर पानी भर गया। सांगानेर एयरपोर्ट पर शाम पांच बजे तक जयपुर में बीते 24 घंटों में 40 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

मौसम केन्द्र निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार उत्तर-पूर्वी राजस्थान के ऊपर एक परिसंचरण तंत्र बना हुआ है। मानसून ट्रफ लाइन जैसलमेर, चित्तौड़गढ़ से होकर गुजर रही है।

रद्द हो जाएगा जिला! भजनलाल सरकार ने समीक्षा के लिए बनाई प्रशासनिक समिति

भीलवाड़ा, 9 जुलाई (एजेंसियां)। तीस लाख की आबादी का भीलवाड़ा जिला महज 11 माह में अठारह लाख का रह गया है। शाहपुरा उपखंड को नया जिला बनाने से आए बदलाव से भीलवाड़ा जिले की भौगोलिक सरंचना बदल गई। प्राकृतिक व पुरा सम्पदा का भी बंटवारा हो गया। हालांकि प्रदेश में नवगठित जिलों की पुनर्समीक्षा के लिए प्रशासनिक समिति बनाई गई है। इसमें शाहपुरा को फिर उपखंड मुख्यालय बनाने की चर्चा है।

राज्य सरकार के गत वर्ष मार्च में शाहपुरा समेत 19 नए जिलों का गठन किया। शाहपुरा उपखंड भीलवाड़ा से तोड़कर नया जिला बनाया गया। शाहपुरा को जिला बने करीब 11 माह हो गए, लेकिन प्रशासनिक ढांचा मजबूत नहीं हो सका है। नए जिले को अफसर मिल गए, लेकिन स्थायी कार्यालय व सरकारी आवास नहीं मिले हैं। शाहपुरा जिले की कई पंचायतें भीलवाड़ा जिले का हिस्सा रहने की मांग कर रही है। अभी भीलवाड़ा उदयपुर तो शाहपुरा जिला अजमेर संभाग में है।

दोनों जिले के सीमांकन की तस्वीर वर्ष 2026 के परिसीमन के बाद साफ होगी। इसके बाद नए जिलों के लिए नए परिसीमन से राजनीतिक समीकरण बदल जाएंगे।

भीलवाड़ा जिले में 12 तहसील है। इनमें भीलवाड़ा, हमीरगढ़, मांडल, करेड़ा, आसीन्द, हुरड़ा, रायपुर, सहाड़ा, बिजौलियां, मांडलगढ़, सवाईपुर व अंटाली शामिल है। 11 उपखंडों में भीलवाड़ा, मांडलगढ़, बिजौलियां, रायपुर, गंगापुर, आसीन्द, करेड़ा, हमीरगढ़, मांडल तथा गुलाबपुरा शामिल है।

शाहपुरा जिले में अभी छह तहसील व पांच उपखंड है। शाहपुरा, जहाजपुर, काछोला, कोटड़ी, फूलिया कलां व बनेड़ा तहसील हैं। शाहपुरा, जहाजपुर, फूलियाकलां, बनेड़ा तथा कोटड़ी उपखंड हैं। बदनोर क्षेत्र अब शाहपुरा के बजाय ब्यावर जिले में जोड़ा गया है।

भजनलाल शर्मा सरकार ने हाल ही पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के कार्यकाल में गठित 19 जिलों के नए सिरे से समीक्षा के लिए उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा की अध्यक्षता में कमेटी बनाई है। चर्चा है कि शाहपुरा समेत नए नौ जिलों के गठन की पुनः समीक्षा हो सकती है। ऐसे में शाहपुरा के पुनः उपखंड मुख्यालय में तब्दील होने की संभावना है। राजनीतिक व प्रशासनिक गलियारों में शाहपुरा के गठन को लेकर बजट के मद्देनजर अटकलों का दौर गरम है।

जिले होने के सभी मापदंडों पर शाहपुरा खरा उतरता है। जनता की मांग पर ही जिला बना है। मुख्यमंत्री से मिलकर तथ्य व जनता की मंशा बता चुका हूं। प्रशासनिक समिति के संयोजक उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा व टीम के समक्ष भी पैरवी की है। सभी चाहते हैं कि शाहपुरा जिला बना रहे।

80 बच्चों के साथ रविंद्र सिंह भाटी की जयपुर एंट्री

जयपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी 80 स्कूली बच्चों के दल समेत जयपुर दौरे पर हैं। ये सभी बच्चे शिव विधानसभा क्षेत्र के सरकारी स्कूलों की 10वीं एवं 12वीं कक्षा के टॉपर्स हैं, जिन्हें रविंद्र सिंह भाटी अपने खुद के खर्चे पर प्रोत्साहन के तौर पर विधानसभा समेत जयपुर भ्रमण करवा रहे हैं। इस पहल को लेकर कई लोग रविंद्र सिंह भाटी की तारीफ करते दिखाई दिए।

कभी सोचा नहीं था जयपुर जा पाएंगे

बच्चों से जब इस बारे में बात कि गई तो वे काफी इमोशनल व खुश दिखाई दिए। छात्राओं ने कहा कि कभी सोचा नहीं था कि जयपुर जा पाएंगे। किसी ने कहा कि हमने सिर्फ मोबाइल व टीवी में हवा महल, विधानसभा देखा था और आज वहां घूमने जा रहे हैं, यह सब मुमकिन हो पाया रविंद्र सिंह भाटी की वजह से। बच्चे जयपुर टूर को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

यह रहेगा आज का शेड्यूल

रविंद्र सिंह भाटी सुबह सभी छात्रों को विधानसभा लेकर पहुंच चुके हैं। विधानसभा भ्रमण के बाद ओपन बस में जयपुर के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण करेंगे। बच्चों के साथ वे हवा महल, नाहरगढ़ फोर्ट आदि का भ्रमण करने जाएंगे।

रूस में 'आयुष्मान भारत' को लेकर पीएम मोदी ने बोला कुछ ऐसा तो भड़के गहलोत, जमकर सुनाई खरी खोटी

जयपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर। रूस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयुष्मान भारत को दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना बताने पर राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत बुरी तरह भड़क गए। पूर्व सीएम गहलोत ने पीएम मोदी को जमकर खरी खोटी सुनाई। साथ ही राजस्थान में चिरंजीवी योजना का नाम बदलने और 25 लाख की जगह 5 लाख रुपए तक के इलाज की सुविधा देने को लेकर भी भजनलाल सरकार पर तीखा हमला बोला।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने मंगलवार को पीएम मोदी एक वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री रूस में आयुष्मान भारत को दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना बताकर वाहवाही लेने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, सत्य ये है कि आयुष्मान योजना से देश के केवल 40 प्रतिशत परिवारों को ही महज 5 लाख रुपए तक के इलाज की सुविधा मिलती है जो की गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए नाकाफी है।

भजनलाल सरकार पर भी बोला तीखा हमला

अशोक गहलोत ने आगे लिखा कि हमारी सरकार ने राजस्थान में चिरंजीवी योजना से सभी प्रदेशवासियों को 25 लाख रुपए तक के कैशलेस इलाज एवं 10 लाख रुपये के दुर्घटना बीमा की सुविधा दी थी। हालांकि, वर्तमान भाजपा सरकार ने इस योजना को बेहतर करने की बजाय ठंडे बस्ते में डाल दिया है। यही भाजपा की कथनी और करनी में अंतर है।

बेटे पर बताई प्रेत बाधा

फिर अघोरी ने इलाज के नाम पर युवक को जलते कुंड में पटका

डीडवाना, 9 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के डीडवाना जिले में एक अघोरी ने तंत्र-मंत्र के नाम पर एक शख्स को जलते हुए हवन कुंड में ही ढकेल दिया. हवन कुंड में गिरने की वजह से शख्स बुरी तरह से झुलस गया. जब शख्स की हालत बिगड़ गई इसके बाद परिजनों ने उसे हॉस्पिटल पहुंचाया. मामले के खुलासा तब हुआ जब डीडवाना जिला हॉस्पिटल में डॉक्टर्स ने इलाज के दौरान शख्स से उसके झुलसने का कारण पूछा. इसके बाद शख्स के परिजनों ने पूरी घटना बताई. जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला डीडवाना के जायल के कठोती गांव का है. जहां अजमेर का रहने वाले प्रशांत अपने परिवार के साथ एक अघोरी बाबा के पास पहुंचा था. कठोती गांव के अघोरी बाबा कई बीमारियों का इलाज करने का दावा करते हैं. प्रशांत के परिजनों ने जब अघोरी को प्रशांत की समस्याएं बताई तो अघोरी ने कहा कि उस पर प्रेत बाधा का साया है. प्रेत बाधा के साये का इलाज अघोरी ने देर रात शुरू किया.

देखते ही देखते हवन कुंड में पटका

परिजनों के सामने ही प्रशांत को बिठाया गया और अघोरी ने जलते हुए हवन कुंड के सामने तंत्र-मंत्र शुरू कर दिया. थोड़ी देर बाद अघोरी ने प्रशांत को हवन कुंड के अंदर ढकेल दिया. परिजनों ने कहा कि वह जल जाएगा तो अघोरी ने उन्हें शांत रहने को कहा और भरोसा दिलाया कि इससे प्रशांत को कुछ नहीं होगा बल्कि उसकी समस्याएं हवन कुंड में जल जाएंगी. वहीं हवन कुंड में फेंके गए प्रशांत बुरी तरह से झुलस गया.

बुरी तरह झुलसा शख्स

प्रशांत के एक हाथ में फफोले बन गए और वह बेहोश हो गया. जब प्रशांत की हालत खराब हो गई तो उसके परिजनों ने भी तुरंत उसे वहां से उठाया और बाहर लेकर आए. इसके बाद बाबा के आश्रम के कुछ लोग उन्हें जिन के खुनखुना थाना क्षेत्र के बांठड़ी में छोड़कर चले गए. अघोरी के आश्रम के लोगों ने पीड़ित परिजनों से कहा कि अब वह अपने गांव अजमेर जा सकते हैं. जब बांठडी गांव के लोगों ने उनकी हालत देखी तो तुरंत 108 पर कॉल किया और एंबुलेंस से उन्हें जिला हॉस्पिटल पहुंचाया. फिलहाल प्रशांत का गंभीर रूप से इलाज चल रहा है. वहीं प्रशांत के परिजनों ने पुलिस को भी पूरे मामले की जानकारी दी है. डीडवाना थाना पुलिस ने कहा है कि जानकारी जुटाने के बाद अघोरी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी.

भारतीय सेना के 12 पर्वतारोहियों के दल ने युण्डारखाल चोटी पर फहराया तिरंगा

कोटा, 9 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय सेना के 12 पर्वतारोहियों के दल ने अपने 25 दिवसीय ट्रेकिंग अभियान में उत्तराखंड के गढ़वाल रीजन की सबसे ऊंची चोटी युण्डारखाल पास पर तिरंगा फहराया।

भारतीय सेना के 12 पर्वतारोहियों के दल ने अपने 25 दिवसीय ट्रेकिंग अभियान में गड़वाल रीजन की सबसे ऊंची चोटी पर युण्डारखाल पास पर तिरंगा फहराया। विश्व पर्यावरण दिवस की जागरूकता व बॉर्डर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यह अभियान किया गया। 14 सिख रेजीमेंट के कमान अधिकारी कर्नल आशीष धनखड़ ने बताया कि लेफ्टिनेंट नवनीत अग्रहरि के नेतृत्व में पर्वतारोहियों के दल में चोटी के शिखर पर पहुंचने के लिए जोखिम भरी यात्रा की। यह पर्वत शिखर समुद्र तल से 17000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। अभियान के तहत दल ने पौधारोपण, पूर्व सैनिकों से मुलाकात व सीमांत गांवों का भी भ्रमण किया।

गांडीव डिवीजन के जीओसी मेजर जनरल गौरव मिश्रा ने कोटा पहुंचने टीम को बधाई दी और इस चुनौतीपूर्ण उपलब्धि को पूरा करने के लिए दल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह अभियान भारतीय सेना के दृढ़ संकल्प, उच्च दक्षता एवं राष्ट्र के प्रति सौहार्द और कर्तव्य प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

डोटासरा बोले- शिक्षा मंत्री को नहीं है शिक्षा का ज्ञान

प्रदेश में नहीं बंद होंगे इंग्लिश मीडियम स्कूल

सीकर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। लक्ष्मणगढ़ पंचायत समिति परिसर में करीब 25 लाख रुपये की लागत से बनने वाले राजीविका भवन का विधिवत शिलान्यास कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और सीकर सांसद अमराराम ने किया।

इसके मौके पर आयोजित कार्यक्रम में नवनिर्वाचित सीकर सांसद अमराराम का नागरिकों की ओर से सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि प्रदेश में इंग्लिश मीडियम स्कूलों को बंद नहीं होने देंगे।

आज गरीब परिवारों के करीब सवा तीन लाख बच्चे इंग्लिश मीडियम स्कूलों में पढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि ये आरएसएस की मानसिकता है। शिक्षा मंत्री को शिक्षा का ज्ञान नहीं, बल्कि उन्हें अनर्गल बयानों का ज्ञान है।

आगामी बजट को लेकर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि पिछली सरकार ने बजट में घोषणा की थी और उनकी वित्तीय स्वीकृति जारी होकर टेंडर भी हो चुके थे, लेकिन सरकार उन्हें रोक रखा है। पहले इसकी लडाई लड़ेंगे।

बलकमपेट एल्लम्मा पोचम्मा मंदिर में हुई घटना के पीछे साजिश : कोंडा सुरेखा

किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए हर विभाग लगातार सतर्क रहे : पोन्नम प्रभाकर

मंत्रियों ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक आपातकालीन बैठक की

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और देवदया धर्मार्थ विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि बलकमपेट एल्लम्मा पोचम्मा मंदिर में अम्मावारी के विवाह समारोह के दौरान आज हुई घटना के पीछे एक साजिश है। मंत्री सुरेखा ने कहा कि जब मंत्री पोन्नम प्रभाकर मंदिर आए तो कुछ राजनीति से प्रेरित उपद्रवियों ने कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा करने की साजिश रची। मंत्री सुरेखा ने पुलिस विभाग को लापरवाही बरतने पर फटकार लगाई। बालकमपेट अम्मावारी मंदिर कल्याणोत्सव में हुई अप्रिय घटना के मद्देनजर मंत्री सुरेखा ने आज संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक आपातकालीन बैठक की। बैठक में सांसद अनिल कुमार यादव, जीएचएमसी मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी, राजस्व विभाग के मुख्य सचिव शैलजा राम अय्यर, आयुक्त हनमंत राव, जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली, हैदराबाद कलेक्टर अनुदीप, अतिरिक्त सीपी (कानून और व्यवस्था) विक्रमसिंह मान, पश्चिम क्षेत्र के डीसीपी विजय कुमार, राजस्व विभाग के उपायुक्त रामकृष्ण राव, सहायक आयुक्त बालाजी, राज्य स्तरीय बोनाला समिति के सदस्य और अन्य ने भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री सुरेखा ने कहा कि सरकार द्वारा बहुत महत्वाकांक्षी रूप से आयोजित बलकमपेट बोनालु उत्सव में पुलिस की लापरवाही के कारण, राजनीति से प्रेरित अराजकतावादी ताकतों ने आज शांति और सुरक्षा समस्या पैदा करने की साजिश रची है। मंत्रियों ने कहा कि आषाढ़ बोनालु मेले के दौरान लाखों श्रद्धालुओं को सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए सीएम रेवंत रेड्डी के निर्देशानुसार कई बैठकें आयोजित की गई हैं। हालांकि, मंत्री ने कहा कि यह घटना वांछनीय नहीं है। उस समय ड्यूटी पर तैनात एसएस द्वारा एक महिला पत्रकार के साथ दुर्व्यवहार का मामला उनके संज्ञान में आने पर मंत्री सुरेखा ने पुलिस के उच्च अधिकारियों को जांच कर संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया था। मंत्री सुरेखा ने पुलिस विभाग को सीसी कैमरों की फुटेज की जांच करने और उत्सव में शामिल हुए स्थानीय लोगों से विवरण प्राप्त करने के बाद कल तक एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। मंत्री कोंडा सुरेखा और पोन्नम प्रभाकर ने उस समय ड्यूटी पर मौजूद पुलिस के बारे में जानकारी ली। अधिकारियों को आत्म-आलोचना करने की सलाह दी जाती है। मंत्रियों ने साफ कर दिया कि जो भी सरकार की छवि खराब करने की कोशिश करेगा, उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मंत्रियों ने कहा कि पुलिस विभाग के उत्साह से श्रद्धालुओं को होने वाली परेशानी उनके संज्ञान में आयी है। उच्च अधिकारियों को त्रुटियों की समीक्षा करने की सलाह दी गई। इन परिस्थितियों के मद्देनजर मंत्री सुरेखा ने राजस्व विभाग के मुख्य सचिव को बोनालु त्योहारों के दौरान स्थिति पर लगातार नजर रखने के लिए राजस्व विभाग के कर्मचारियों को वॉकी-टॉकी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

सरकार काम में तेजी लाने के लिए ग्रीन चैनल के जरिए फंड जारी करने के लिए तैयार : रेवंत

सीएम ने दिसंबर 2025 से पहले कलवाकुर्ती एलआईएस कार्य पूरा करने के दिए निर्देश

महबूबनगर, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को दिसंबर 2025 से पहले कलवाकुर्ती लिफ्ट सिंचाई परियोजना को पूरा करने और क्षेत्र का दौरा करके तदनुसार कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार काम में तेजी लाने के लिए ग्रीन चैनल के माध्यम से धन जारी करने के लिए तैयार है। उन्होंने मंगलवार को यहां अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान कहा कि हर महीने काम की प्रगति पर समीक्षा बैठक आयोजित की जानी चाहिए और काम युद्ध स्तर पर पूरा किया जाना चाहिए। इससे पहले दिन में मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती महबूबनगर जिले में 353.66 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की आधारशिला रखी। इनमें 276.80 करोड़ रुपये से शहर में एसटीपी के निर्माण और 37.87 करोड़ रुपये से सीसी रोड और स्टोरेज टैंक बिछाने का शिलान्यास किया गया। इसी तरह, पलामुरू विश्वविद्यालय में 42.40 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न कार्यों, एमवीएस डिग्री कॉलेज में 10 करोड़ रुपये की लागत से लड़कियों के छात्रावास का निर्माण, देवरकद्र में 6.10 करोड़ रुपये की लागत से डिग्री कॉलेज का निर्माण, ग्रामीण महबूबनगर में 3.25 करोड़ रुपये की लागत से केजीबीवी भवन का निर्माण और गंदेड़ में 6.20 करोड़ रुपये की लागत से केजीबीवी भवन के निर्माण सहित अन्य कार्यों की आधारशिला रखी गई।

कर्मचारी स्थानांतरण की प्रक्रिया 20 जुलाई तक पूरी की जाएं : शांति कुमारी

मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस पर समीक्षा की

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने जिला कलेक्टरों को महिला स्वयं सहायता समूहों वाले 25 हजार ग्राम संगठनों को एक करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करके करोड़पति बनाने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार तैयार की गई कार्ययोजना को प्रभावी ढंग से लागू करने का निर्देश दिया। मुख्य सचिव ने आज जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए वनमहोत्सवम, महिला शक्ति, नागरिक सेवा केंद्र, अम्मा आदर्श स्कूल, कृषि संबंधी मुद्दे, धरनी, कर्मचारी स्थानांतरण, आवास आदि की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य में चालू सीजन में 20.02 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है और इसके तहत माननीय मुख्यमंत्री ने वारंगल में वनमहोत्सवम कार्यक्रम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य में पर्याप्त पौधे उपलब्ध हैं और हाल ही में हुई बारिश के कारण जिलेवार निर्धारित

लक्ष्यों के अनुसार गुणवत्ता वाले पौधे लगाने के लिए विशेष उपाय किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पौधे की जियो टैगिंग के साथ ही उनके जीवित रहने के उपाय किए जाएं। जिले के वरिष्ठ अधिकारी इस तरह से पौधे लगाने के उपाय अपनाएं कि गांवों में खाली पड़ी शत-प्रतिशत जमीन को कवर किया जा सके। उन्होंने कहा कि जिला अधिकारियों और मैदानी अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से पौधरोपण स्थलों का निरीक्षण किया जाए। 25 हजार स्वयंसेवी संस्थाओं को एक करोड़ की वित्तीय सहायता अगले पांच वर्षों में राज्य के 25 हजार ग्राम संगठनों को एक करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देकर स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को करोड़पति बनाने की मुख्यमंत्री द्वारा परिकल्पित कार्ययोजना को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों से अब तक नहीं जुड़ी सभी महिलाओं को शामिल करने और अगले पांच वर्षों में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को करोड़पति बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जल्द ही नीतिगत निर्णय दस्तावेज जारी किया जाएगा। उन्होंने स्कूली विद्यार्थियों के लिए एक सेट गणवेश समय पर सिलने के लिए महिला समूहों की सराहना करते हुए कलेक्टरों को दूसरे सेट गणवेश का कार्य जल्द पूरा करने के लिए कदम उठाने को कहा। सभी जिलों में इंदिरा कैंटीन स्थापित करने की कार्यवाही की जाए।

आईटीडीए एएचएस आदिलाबाद और आसिफाबाद के छात्रों ने इसरो एनआरएससी का दौरा किया

आसिफाबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एकीकृत जनजातीय विकास संगठन परियोजना अधिकारी खुशबू गुप्ता के प्रोत्साहन के तहत एएचएस आदिलाबाद और आसिफाबाद जिलों के छात्रों ने आज इसरो एनआरएससी की एक उत्साही यात्रा की।

वैज्ञानिकों से बातचीत की। इसरो कार्यक्रमों, रिमोट सेंसिंग, भविष्य की परियोजनाओं और लॉन्च वाहनों के बारे में जाना। यात्रा का मुख्य आकर्षण रॉकेट प्रदर्शन था, जिसने छात्रों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रति अधिक प्रेरित किया। इस शैक्षिक यात्रा ने युवा बुद्धिजीवियों के बीच एसटीईएम शिक्षा में रुचि जगाई।

आईआईआईटी हैदराबाद ने उन्नत एल्गोरिदम विकसित करने के लिए एथलीट इंक के साथ सहयोग किया

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद (आईआईआईटीएच) और एथलीट इंक खेल विश्लेषण के लिए उन्नत एल्गोरिदम और डेटा मॉडल विकसित करने के लिए सहयोग करेंगे। ये मॉडल और एल्गोरिदम एथलीट के अगली पीढ़ी के खेल संचारक प्रौद्योगिकी प्लेटफ़ॉर्म को बढ़ाने में मदद करेंगे। यह प्लेटफ़ॉर्म प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण और उन्नत खोज तकनीकों का उपयोग करके अमेरिकी कॉलेज के खेल संचारकों को आंकड़े और अन्य खेल जानकारी खोजने में मदद करेगा और साथ ही उन्नत भाषा मॉडल का उपयोग करके डेटा से कथाएँ तैयार करेगा। प्रो. मनीष श्रीवास्तव के नेतृत्व में आईआईआईटीएच की टीम एथलीट की टीम के सदस्यों के साथ मिलकर परियोजनाओं पर काम करेगी, जिसमें एथलीट के खेल डेटा और आर्किटेक्चर के लिए विशिष्ट प्राकृतिक भाषा-आधारित खोज इंजन विकसित करना और डेटा माइनिंग, पैटर्न पहचान, एआई और डीप लर्निंग तकनीक का उपयोग करके खेल सामग्री और कहानियां तैयार करना शामिल है। एथलीट, इंक के अध्यक्ष और सीईओ डॉ. किरण शास्त्री ने कहा, आईआईआईटीएच और एथलीट के बीच साझेदारी एक उच्च प्रदर्शन वाली टीम को साथ लाती है जो कॉलेज के खेल संचारकों को अधिक प्रभावी बनाने में मदद करने के लिए अत्याधुनिक समाधान प्रदान करेगी। भाषा प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र में सहायक प्रोफेसर और एथलीट-आईआईआईटीएच साझेदारी के लिए संकाय प्रमुख डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने भी बात की।

सालारजंग संग्रहालय में समन्वय बैठक आयोजित की

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मोहर्रम के अवसर पर हैदराबाद के पुलिस आयुक्त के. श्रीनिवास रेड्डी की अध्यक्षता में सालारजंग संग्रहालय में एक समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्व प्रसाद अतिरिक्त सीपी, ट्रैफिक, श्रीमती स्नेहा मेहरा, डीसीपी साउथ जोन, मिर्जा रियाज उल हसन एफेंदी, एमएलसी, जफर हुसैन, विधायक, याकूतपुरा, मीर जुल्फेकर अली, विधायक, चारमीनार, शिया धार्मिक नेता, सिटी पुलिस अधिकारी और जीएचएमसी, आर एंड बी, जलकार्य, बिजली, चिकित्सा और स्वास्थ्य, अग्निशमन, नेहरू प्राणी उद्यान, तेलंगाना वक्फ बोर्ड और एच.ई.एच. निज़ाम के धार्मिक ट्रस्टों ने भाग लिया। इस अवसर पर श्रीनिवास रेड्डी कमिश्नर पुलिस हैदराबाद ने कहा कि पुलिस विभाग ने सभी विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय में सभी आवश्यक उपाय किए हैं ताकि मोहर्रम और बीबी का आलम जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में आयोजित किया जा सके। उन्होंने कहा कि पर्याप्त वाहन पार्किंग सुविधाएं प्रदान की जाएंगी और यह सुनिश्चित करने के लिए यातायात डायवर्जन उपाय किए जाएंगे ताकि जुलूस में भाग लेने वाले को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा वृक्षारोपण किया गया

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित हरित हारम कार्यक्रम के अन्तर्गत डी वी कॉलोनी स्थित राम मंदिर के प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शाखा अध्यक्षा रक्षा जैन की अध्यक्षता में सभी साथियों ने वृक्ष लगाकर वातावरण सुरक्षित रहे ऐसा प्रयास किया, दिनबदिन बढ़ते प्रदूषण में यही एक मानव जीवन का सच्चा सहारा है शाखा आप सभी से आग्रह करती है कि अधिक से अधिक वृक्षारोपण कार्य करें जिससे प्रकृति का संरक्षण हो। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पूनम बोहरा, संतोष गुजरानी, कविता मांडण, सुमन घोड़ेला रजनी जैन, सुनीता डूंगरवाल, पायल पारीक, पुष्पा कोठारी, मंजू घोडेला का सराहनीय योगदान रहा। शाखा की वृक्षारोपण संयोजिका अंकिता जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री नायुडू ने बिजली क्षेत्र पर श्वेत पत्र जारी किया

अमरावती, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू ने आज राज्य में बिजली क्षेत्र की स्थिति पर एक श्वेत पत्र जारी किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि वाईसीपी सरकार ने पिछले पांच वर्षों में बिजली क्षेत्र को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में राज्य के लोगों पर 32,166 रुपये के शुल्क का बोझ डाला गया है और उसके बाद बिजली क्षेत्र में 49596 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। चंद्रबाबू ने दुख जताते हुए कहा कि पिछले पांच सालों में बिजली क्षेत्र को कुल 129503 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। नायुडू ने दुख जताते हुए कहा कि वाईएसआरसीपी के नेतृत्व वाली सरकार के अकुशल शासन और अकुशल उपायों के कारण बिजली क्षेत्र को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि पवन ऊर्जा पर 21 समझौते रद्द कर दिए गए हैं। चंद्रबाबू ने बताया कि ट्रू-अप चार्ज के नाम पर अतिरिक्त बोझ डाला गया है और कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं पर शुल्क 45 प्रतिशत बढ़ा दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि 50 यूनिट इस्तेमाल करने वाले गरीबों के शुल्क में भी 100 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। चंद्रबाबू ने कहा कि पिछली सरकार के फैसलों के कारण राज्य को निवेश नहीं मिला। उन्होंने कहा कि पांच साल में बिजली विभाग का कर्ज 79 प्रतिशत बढ़ गया है। दूसरी ओर उन्होंने कहा कि कृषि पंप सेटों के लिए स्मार्ट मीटर पर जल्द ही निर्णय लिया जाएगा।

किसान ने किया आत्महत्या का प्रयास

खम्मम, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के रघुनाथपालम मंडल के रजब अली नगर में एक पोडू किसान ने कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास किया। 32 वर्षीय किसान प्रसाद ने सोमवार देर रात अपने घर पर कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की। उन्हें सरकारी सामान्य अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि एक कांस्टेबल ने अवैध रूप से उस जमीन पर मालिकाना हक ले लिया है, जिस पर प्रसाद पिछले 15 सालों से खेती कर रहे थे। यह जमीन साढ़े छह एकड़ बताई गई है।

एनएमडीसी में मासिक हिंदी प्रतियोगिता का आयोजन

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी लिमिटेड में कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने तथा इसके

प्रचार-प्रसार हेतु लागू मासिक हिंदी प्रतियोगिता योजना के अंतर्गत आज दिनांक 9 जुलाई, 2024 को हिंदी वाक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता अन्य भाषी कार्मिकों के लिए ई-गेमिंग का प्रभाव विषय पर तथा हिंदीभाषी कार्मिकों के लिए प्रदूषण नियंत्रण में री-साइक्लिंग का योगदान विषय पर पृथक रूप से आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में कार्मिकों ने रूचि के साथ प्रतिभागिता की।

प्रतियोगिता के प्रारंभ में श्री रुद्र नाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने मुख्य अतिथि, प्रतियोगिता की निर्णायक तथा प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा प्रतियोगिता के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि कार्मिकों में राजभाषा हिंदी के प्रति रूचि उत्पन्न करने एवं दैनिक कार्यालयीन कार्यों को राजभाषा हिंदी में निष्पादित करने में आ रही झिझक को दूर करने के उद्देश्य से एनएमडीसी में ऐसी प्रतियोगिताओं का निरंतर आयोजन किया जा रहा है।

इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एम. जयपाल रेड्डी, अधिशासी निदेशक (संसाधन योजना एवं पर्यावरण) ने प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए कहा कि हर्ष का विषय है कि एनएमडीसी राजभाषा के क्षेत्र में निरंतर नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, जिसका श्रेय एनएमडीसी के सभी कार्मिकों को जाता है। उन्होंने इस प्रतियोगिता में उपस्थित सभी कार्मिकों को

तत्पश्चात प्रतियोगिता की निर्णायक श्रीमती अनुराधा पाण्डे, राजभाषा अधिकारी, डीआरडीओ, हैदराबाद ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रतियोगिता के नियमों की जानकारी दी तथा अपनी शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता के अंत में विजेताओं की घोषणा की गई। तदुपरांत पुरस्कार विजेताओं को मुख्य अतिथि के कर-कमलों से पुरस्कार वितरित किए गए। इस अवसर पर 29 मई को आयोजित की गई हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कार वितरित किए गए।

प्रतियोगिता का संचालन डॉ. रजिन्दर कौर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने किया तथा आयोजन में राजेश कुमार गोंड, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), देबाशीष घोष, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), एस.के. सनोडिया, उप प्रबंधक (सचि.) तथा सुश्री फोजिया, अप्रेंटिस प्रशिक्षु ने सहयोग प्रदान किया।

फसल की खेती में जागरूकता प्रदान करने के लिए रैतु नेस्थम कार्यक्रम : धोत्रे

आसिफाबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि किसानों को फसल की खेती में आने वाली समस्याओं को दूर करने और उच्च उपज के लिए जागरूकता प्रदान करने के लिए रायथु नेस्थम कार्यक्रम बहुत उपयोगी है। जिला अपर कलक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी, जिला कृषि विभाग अधिकारी आर. श्रीनिवास राव के साथ शामिल हुए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान वर्षा ऋतु में धान की अल्पकालीन खेती एवं महत्वपूर्ण फसलों में खरपतवार प्रबंधन पर राज्य के स्थानीय वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि किसानों को इकाइयों का सदुपयोग करना चाहिए और फसलों की खेती में आने वाली समस्याओं को हर मंगलवार को होने वाले रायथु नेस्तम मुख मुखी कार्यक्रम में वैज्ञानिकों के सामने रखना चाहिए, शंकाओं को दूर करना चाहिए और अच्छी पैदावार हासिल करनी चाहिए। इस कार्यक्रम में सहायक कृषि निदेशक मिलिंद कुमार, कृषि अधिकारी खादर हुसैन, संभाग स्तरीय कृषि विस्तार अधिकारी, लगभग 250 किसानों और संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।

खम्मम विज्ञान संग्रहालय तैयार

जुलाई के अंत तक खुलने की उम्मीद

खम्मम, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती खम्मम जिले के छात्रों के लिए अच्छी खबर है, क्योंकि बहुप्रतीक्षित जिला विज्ञान संग्रहालय और जिला विज्ञान केंद्र बनकर तैयार हो रहे हैं और जल्द ही इन्हें खोल दिया जाएगा। खम्मम के ट्रंक रोड स्थित पुराने डीईओ कार्यालय में स्थित संग्रहालय में विज्ञान प्रदर्शनियों की स्थापना से संबंधित कार्य चल रहा है। हैदराबाद के वैज्ञानिक प्रदर्शन प्रदाता जीपी बिड़ला से जीव विज्ञान, विज्ञान, भौतिकी, गणित और मनोरंजक वस्तुओं से संबंधित 27 प्रदर्शनियां खरीदी गई हैं।

संग्रहालय की स्थापना में 56.75 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। प्रदर्शनी की खरीद पर 40 लाख रुपये खर्च किए गए और पुराने डीईओ कार्यालय के जीर्णोद्धार पर 16.75 लाख रुपये खर्च किए गए। शिक्षा विभाग ने विज्ञान संग्रहालय की प्रदर्शनी के डिजाइन और निर्माण के लिए हैदराबाद में बीएम बिड़ला विज्ञान संग्रहालय के साथ समझौता किया है।

बलकमपेटा एल्लमा मंदिर में आयोजित बोनाला उत्सव में पूजा-अर्चना करते हुए भाजपा नेता गोविंद राठी, मनोज जायसवाल अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

कांग्रेस पर जमकर ...

उन्होंने कहा कि कांग्रेस संविधान के रक्षक और अगुआ होने के बारे में बड़े-बड़े दावे करती रही है। राहुल गांधी जो मीडिया के सामने भारत के संविधान की धज्जियां उड़ाते हैं और भाजपा द्वारा इसके उल्लंघन पर बहुत रोते हैं, वे भी इसके अपमान के लिए जिम्मेदार हैं।

रामा राव ने कहा कि कांग्रेस, जो तेलंगाना में दलबदल को बढ़ावा दे रही है, गोवा, मध्य प्रदेश और हरियाणा जैसे राज्यों में अपने विधायकों के भाजपा और अन्य राजनीतिक दलों में शामिल होने पर बहुत शोर मचा रही है। उन्होंने याद दिलाया कि राहुल गांधी ने गोवा में कांग्रेस उम्मीदवारों को दूसरे दलों में शामिल न होने की शपथ दिलाई। जब कर्नाटक में कांग्रेस के विधायक भाजपा में शामिल हुए, तो सिद्धारमैया ने दावा किया कि भाजपा ने उन्हें 50 करोड़ रुपये में खरीदा है। यहां तक कि अपने घोषणापत्र में भी कांग्रेस ने संविधान की अनुसूची 10 में संशोधन करने का वादा किया था, ताकि दलबदल करने पर निर्वाचित प्रतिनिधियों की स्वतः अयोग्यता सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कांग्रेस के लोकसभा नेता राहुल गांधी पर संसद में संविधान को हाथ में लेकर ऑस्कर स्तर का अभिनय करने और उसके तुरंत बाद बीआरएस से अलग हुए विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी से हाथ मिलाकर उनका पार्टी में स्वागत करने के लिए कटाक्ष किया। उन्होंने सवाल किया कि यह किस तरह का पाखंड है? एक सवाल के जवाब में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि विलय और दलबदल में बहुत अंतर है। उन्होंने कहा कि बीआरएस के शासनकाल में संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार राजनीतिक दलों का बीआरएस विधायक दल में विलय हुआ है, जबकि कांग्रेस दलबदल को बढ़ावा दे रही है।

उन्होंने कहा कि अगर किसी विधायक दल के दो तिहाई सदस्य एक हो जाते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट भी कुछ नहीं कर सकता लेकिन तेलंगाना के मुख्यमंत्री देर रात बीआरएस विधायकों के घर जा रहे हैं और कानून के खिलाफ उन्हें खरीद रहे हैं। पूर्व मंत्री टी हरीश राव, बीआरएस के राज्यसभा नेता केआर सुरेश रेड्डी, बीआरएस सांसद वड्डीराजू रविचंद्र, डी दामोदर राव और बी पार्थसारथी रेड्डी ने भी इसमें हिस्सा लिया।

पतंजलि ने 14 ...

उत्तराखंड स्टेट लाइसेंस अथॉरिटी ने अप्रैल में सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड और दिव्य फार्मेसी के 14 प्रोडक्ट्स के लाइसेंस सस्पेंड कर दिए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 14 मई को भ्रामक विज्ञापन मामले में योग गुरु रामदेव, उनके सहयोगी बालकृष्ण और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड को जारी अवमानना नोटिस पर 14 मई को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने 14 मई को सुनवाई में मीडिया में दिए बयान को लेकर आईएमए चीफ की डॉ. आरवी अशोकन की माफी स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। दरअसल, कोर्ट ने कहा था कि आईएमए को अपने डॉक्टरों पर भी विचार करना चाहिए, जो अक्सर मरीजों को महंगी और गैर-जरूरी दवाइयां लिख देते हैं। अगर आप एक उंगली किसी की ओर उठाते हैं, तो चार उंगलियां आपकी ओर भी उठती हैं।

सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी को आईएमए चीफ ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया था। 29 अप्रैल को न्यूज एजेंसी से इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों का मनोबल तोड़ा है। आईएमए चीफ के इस बयान पर पतंजलि के चेयरमैन बालकृष्ण ने सुप्रीम कोर्ट ने याचिका दाखिल कर कहा था, अशोकन ने कानून की गरिमा कम की।

सुप्रीम कोर्ट ने इस बयान को लेकर आईएमए चीफ डॉ. आरवी अशोकन को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने 14 मई को कहा था कि अभिव्यक्ति की आजादी ठीक है, लेकिन कभी-कभी इंसान को संयमित भी होना पड़ता है। आप सोफे पर बैठकर अदालत के बारे में कुछ भी नहीं कह सकते। इसके बाद आईएमए चीफ ने कोर्ट में हलफनामा दायर कर बिना शर्त माफी भी मांगी थी।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

'पेरिस ओलंपिक में दम दिखाएंगे एथलीट'

भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए बोले पीएम मोदी

मॉस्को, 9 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों रूस के दौरे पर हैं और उन्होंने मॉस्को में मंगलवार को भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने भारतीय क्रिकेट टीम को मिली टी20 विश्व कप में जीत पर भी अपनी राय रखी, जबकि इस महीने के अंत में होने वाले पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई। पेरिस ओलंपिक का आयोजन 26 जुलाई से होगा।

भारत ने जीता था टी20 विश्व कप

भारतीय टीम ने रोहित शर्मा की कप्तानी में 29 जून को बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। इसके साथ ही भारत ने आईसीसी ट्रॉफी जीतने का 11 साल का लंबा इंतजार समाप्त किया था। स्वदेश लौटने पर भारतीय टीम ने नई दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की थी और प्रधानमंत्री ने टीम को मिली इस ऐतिहासिक सफलता के लिए बधाई दी थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा, आपने भी हाल में टी20 विश्व कप में भारत को मिली जीत का जश्न मनाया होगा। मुझे विश्वास है कि आपको भी यहां रूस में भारतीय टीम की सफलता पर गर्व हुआ होगा। गर्व हो रहा था कि नहीं हो रहा था? विश्व कप को जीतने की असली कहानी, जीत की यात्रा भी है।

आज का युवा और भारत आखिरी गेंद और आखिरी पल तक हार नहीं मानता। विजय उन्हीं के चरण में चूमती है, जो आखिरी तक लड़ते हैं। बीते साल में हमने अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में ऐतिहासिक प्रदर्शन किए हैं। इस बार पेरिस ओलंपिक में भी भारत की तरफ से एक शानदार टीम भेजी जा रही है। आप देखिएगा पूरी टीम, सारे एथलीट कैसे अपना दम दिखाएंगे।

भारत की युवा शक्ति का यही आत्मविश्वास भारत की असली पूंजी है और यही युवा शक्ति भारत को 21वीं सदी की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने का सबसे बड़ा सामर्थ्य दिखाती है।

भारत ने टोक्यो में जीते थे सात पदक

भारतीय टीम ने टोक्यो ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया था और एक स्वर्ण सहित कुल सात पदक जीते थे। भारत का पदक जीतने के मामले में यह ओलंपिक का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

भारत को उम्मीद है कि इस बार भी एथलीट दमदार प्रदर्शन करेंगे और पदक की संख्या दोहरे अंक तक पहुंचाने में सफल रहेंगे।

ओलंपिक से पहले गौतम अडानी ने दी खिलाड़ियों को बधाई, भारत में 'फैन जोन' बनाएगा फ्रांस

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक की शुरुआत में अब 18 दिन शेष हैं। भारतीय दल इसके लिए पूरी तैयार है। भारत को इस बार पेरिस जाने वाले खिलाड़ियों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। इससे पहले उद्योगपति गौतम अदाणी ने भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को बधाई दी है। वहीं, फ्रांस ने भारत में फैन जोन बनाने का एलान किया है।

गौतम अदाणी ने दी शुभकामनाएं

पेरिस ओलंपिक का आयोजन 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होगा और इसके लिए भारत 100 से अधिक खिलाड़ियों का दल भेजेगा। इस बीच उद्योगपति गौतम अदाणी ने ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को बधाई दी है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल से लिखा, ₹जैसे-जैसे हम 2024 के पेरिस ओलंपिक के लिए तैयार हो रहे हैं, मैं उन असाधारण एथलीटों को शुभकामनाएं देता हूं जो दुनिया के सबसे भव्य खेल मंच पर हमारे देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनका अथक रियाज और अटूट समर्पण वास्तव में भारत की नई अदम्य भावना का प्रतीक है। मुझे विश्वास है कि इस साल, हम अपना अब तक का सबसे बड़ा पदक हासिल करेंगे।

भारत में बनेगा 'फैन जोन'

वहीं, भारत में ओलंपिक के खेलों को बढ़ावा देने के लिए टीम फ्रांस ने बड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, टीम फ्रांस पेरिस ओलंपिक के दौरान भारत में अलग-अलग जगहों पर फैन जोन बनाने का एलान किया है। इस दौरान ओलंपिक की लाइव स्क्रीनिंग की जाएगी। फ्रांस के राजदूत थिएरी मथो ने कहा, ₹हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे सभी भारतीय मित्र पेरिस 2024 ओलंपिक की भावना में भाग ले सकें। हमें उम्मीद है कि यह पहल पेरिस 2024 को भारतीय दर्शकों के करीब लाएगी और ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत की बोली के मद्देनजर भारत-फ्रांस खेल सहयोग को भी गति देगी।

सीएम माझी ने किया बड़ा एलान

पेरिस ओलंपिक 2024 से पहले ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने को हॉकी खिलाड़ी अमित रोहिदास और दिग्गज भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना के लिए 15-15 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि की घोषणा की। ये दोनों पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, ''ओडिशा में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और राज्य सरकार राज्य के हर कोने में ऐसी प्रतिभाओं के सर्वांगीण विकास के लिए जमीनी स्तर पर आवश्यक बुनियादी ढांचा, वित्तीय सहायता और अन्य सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।''

विराट कोहली के रेस्टोरेंट के खिलाफ केस

बेंगलुरु, 9 जुलाई (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप जीत का जश्न खत्म होने वाली रात ही विराट कोहली लंदन के लिए रवाना हो गए थे क्योंकि उनकी बीवी और बच्चे वहीं हैं. इधर भारत में उनके बेंगलुरु स्थित रेस्टोरेंट के खिलाफ केस दर्ज हो गई है. इस एक्शन के पीछे पूरा मामला क्या है, यहां जानें.

विराट कोहली तो इस वक्त लंदन में है. वो टी20 वर्ल्ड कप जीत का जश्न खत्म होने वाली रात ही लंदन के लिए रवाना हो गए थे क्योंकि उनकी बीवी और बच्चे वहीं हैं. लेकिन, इधर भारत में उनके रेस्टोरेंट के खिलाफ केस दर्ज हो गई है. ये मामला बेंगलुरु स्थित विराट कोहली के वन8 कम्यून रेस्टोरेंट से जुड़ा है, जिसे लेकर बेंगलुरु पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

अब सवाल है पुलिस ने कार्रवाई क्यों की? क्यों बेंगलुरू पुलिस ने उनके शहर के एमजी रोड स्थित रेस्तरां के खिलाफ केस दर्ज की? तो इसका जवाब वहां देर रात हो रही एक ऐसी चीज से जुड़ा है, जिसके बाद मजबूरन पुलिस को कदम उठाना पड़ा है. विराट कोहली के बेंगलुरु स्थित रेस्टोरेंट के बारे में कार्रवाई की जानकारी शहर के डीसीपी सेंट्रल ने दी है.

विराट कोहली के रेस्टोरेंट पर क्यों हुई केस?

डीसीपी सेंट्रल ने बताया कि उन्होंने बेंगलुरु के 3-4 पब के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिनके खिलाफ उन्हें शिकायत मिली थी कि वो रात के डेढ़ बजे तक खुले रहते हैं. हमें वहां से तेज म्यूजिक बजने की शिकायत मिली थी. शहर में पब्स के खुले रहने का समय केवल रात के 1 बजे तक ही है, उसके बाद नहीं.

उद्घाटन समारोह में पीवी सिंधू-शरत कमल होंगे भारत के ध्वजवाहक

गगन नारंग को मिली यह जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। इस टूर्नामेंट में चार बार के ओलंपियन और 2012 ओलंपिक खेलों के पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल के कांस्य पदक विजेता गगन नारंग को भारतीय दल के शेफ-डी-मिशन के रूप में एमसी मैरी कॉम की जगह चुना गया है।

पेरिस ओलंपिक की शुरुआत में अब 18 दिन शेष हैं। भारतीय दल इसके लिए पूरी तैयार है। भारत को इस बार पेरिस जाने वाले खिलाड़ियों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। इन खेलों के उद्घाटन समारोह में स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और दिग्गज टेबल टेनिस खिलाड़ी ए शरत कमल भारत के ध्वजवाहक होंगे। वहीं, ओलंपिक पदक विजेता पूर्व निशानेबाज गगन नारंग को भी बड़ी जिम्मेदारी मिली है।

उद्घाटन समारोह में सिंधू-शरत कमल होंगी ध्वजवाहक

पेरिस ओलंपिक का आयोजन 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होगा और इसके लिए भारत 100 से अधिक खिलाड़ियों का दल भेजेगा। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने कहा, ₹मुझे यह घोषणा करते हुए भी खुशी हो रही है कि भारत की एकमात्र महिला खिलाड़ी, जिसने दो ओलंपिक पदक जीते हैं, पीवी सिंधू, टेबल टेनिस के दिग्गज ए. शरत कमल के साथ उद्घाटन समारोह में महिला ध्वजवाहक होंगी।

उन्होंने आगे कहा, ₹मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे एथलीट पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में भारत के लिए सर्वश्रेष्ठ परिणाम देने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं।₹

गगन नारंग को मिली बड़ी जिम्मेदारी

इस टूर्नामेंट में चार बार के ओलंपियन और 2012 ओलंपिक खेलों के पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल के कांस्य पदक विजेता गगन नारंग को भारतीय दल के शेफ-डी-मिशन के रूप में एमसी मैरी कॉम की जगह चुना गया है। पीटी उषा ने आगे कहा कि मैरी कॉम के इस्तीफे के बाद 41 वर्षीय गगन नारंग को डिप्टी शेफ-डी-मिशन के पद से हटाना एक स्वतःस्फूर्त निर्णय था। उन्होंने कहा, ₹मैं अपने दल का नेतृत्व करने के लिए एक ओलंपिक पदक विजेता की तलाश में थी और मेरी युवा सहकर्मी मैरी कॉम के लिए एक उपयुक्त प्रतिस्थापन है।

अभिनव बिंद्रा ने मौजूदा समय के खिलाड़ियों के लिए कही अहम बात, भारतीय दल को दी ये सलाह

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक का आयोजन कुछ ही दिनों में होना है और इसके लिए भारत सहित इसमे हिस्सा लेने वाले सभी देश के एथलीट पूरी तरह तैयार हैं। इस बीच, 2008 बीजिंग ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले निशानेबाद अभिनव बिंद्रा ने अपने समय के खिलाड़ियों की तुलना मौजूदा दौर के खिलाड़ियों से करते हुए बड़ी बात कही है। भारत के पहले व्यक्तिगत स्पर्धा के ओलंपिक चैंपियन बिंद्रा का मानना है कि खिलाड़ियों की मौजूदा पीढ़ी उनके समय के कमजोर दिल वाले खिलाड़ियों की तुलना में अधिक मजबूत है।

बिंद्रा ने कहा कि भारत को 30-40 ओलंपिक पदक जीतने का सपना देखना शुरू करने के लिए जमीनी स्तर पर बहुत काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'हमें खेल को अलग तरह से देखना शुरू करना होगा। वर्तमान में हम यह देख रहे हैं कि विश्व स्तर पर एथलीट कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं। यह

हमें मजबूती देता है। हमें राष्ट्र निर्माण में खेल की बड़ी भूमिका को देखने की जरूरत है।' बीजिंग ओलंपिक में निशानेबाजी में स्वर्ण पदक जीतने वाले बिंद्रा ने 26 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए देश की तैयारियों पर आयोजित एक पैनल चर्चा के दौरान भारतीय दल को सलाह दी कि वे अतीत या भविष्य के बारे में सोचने की गलती न करें। भारत के लगभग 125 खिलाड़ियों ने इन खेलों के लिए क्वालिफाई कर लिया है, जो देश के इतिहास में सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा, एथलीटों की सबसे बड़ी गलती यह है कि वे या तो अतीत में जीते हैं या भविष्य के बारे में सोच रहे हैं। वे इस वास्तविकता के बारे में भूल जाते हैं मौजूदा समय की अहमियत सबसे ज्यादा है।

बिंद्रा ने कहा, मैं एक ऐसी पीढ़ी से आया हूं जो स्वभाव से कमजोर दिल वाली थी। आज के दौर के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास कहीं अधिक है। वे इन खेलों में सिर्फ हिस्सा लेना नहीं बल्कि पदक जीतना चाहते हैं। ये खिलाड़ी कोई और पदक नहीं बल्कि स्वर्ण पदक जीतना चाहते है। यह हमारे समाज का प्रतिबिंब है कि पिछले कुछ वर्षों में यह कैसे विकसित हुआ है।

इस 41 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि खेलों को देखने और उसके बारे में बात करने का तरीका बदल गया है लेकिन जिस चीज में बदलाव नहीं आया है वह है एथलीटों को मिलने वाली कड़ी प्रतिस्पर्धा। बिंद्रा ने कहा, अब अलग तरह से बातचीत होती है। उसमें हालांकि कई समानताएं है, उन्हें पेरिस में अपना दमखम दिखाना होगा और उस विशेष दिन पर प्रदर्शन करना होगा। यह किसी भी तरह से आसान नहीं होने वाला है। उन्हें दबाव झेलना सीखना होगा।

रूने को हराने के बाद दर्शकों से भिड़े नोवाक जोकोविच

चिढ़ाने का लगाया आरोप

लंदन, विंबलडन में सात बार के चैंपियन जोकोविच रिकॉर्ड 25वें ग्रैंडस्लैम की तलाश में उतरे हैं। जोकोविच उस वक्त अपना आपा खो बैठे जब सेंटर कोर्ट पर मौजूद कुछ दर्शक लगातार मैच के दौरान रूने के समर्थन में नारेबाजी कर रहे थे। सर्बिया के नोवाक जोकोविच वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन के प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले के बाद टेनिस कोर्ट पर मौजूद कुछ दर्शकों से भिड़ गए।

जोकोविच ने आरोप लगाया कि होल्गर रूने के खिलाफ मैच के दौरान स्टैंड पर मौजूद कुछ दर्शकों ने बू करने (चिढ़ाने) की कोशिश की। जोकोविच रूने को हराकर 15वीं बार विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। विंबलडन में सात बार के चैंपियन जोकोविच रिकॉर्ड 25वें ग्रैंडस्लैम की तलाश में उतरे हैं।

राहुल द्रविड़ नहीं रहेंगे 'बेरोजगार'

होने वाली है केकेआर के टीम में एंट्री, कमाएंगे करोड़ों

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने के बाद राहुल द्रविड़ ने मजाक ही मजाक में कह दिया था कि वो अब बेरोजगार हैं और उन्हें नई नौकरी की तलाश है. अब खबर ये आई है कि द्रविड़ को नई नौकरी मिलने वाली है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो राहुल द्रविड़ जल्द ही आईपीएल में नजर आ सकते हैं. खबरों की मानें तो राहुल द्रविड़ जल्द ही गौतम गंभीर की जगह लेने वाले हैं. उनसे कोलकाता नाइट राइडर्स ने संपर्क साथा है.

द्रविड़ बनेंगे केकेआर के मेंटॉर?

राहुल द्रविड़ से केकेआर ने संपर्क साधा है उन्हें ये टीम मेंटॉर पद देना चाहती है. आईपीएल 2024 में गौतम गंभीर केकेआर के मेंटॉर थे और टीम चैंपियन भी बनी लेकिन अब माना जा रहा है कि गौतम गंभीर टीम इंडिया के हेड कोच बनने वाले हैं और ऐसे में उन्होंने केकेआर का साथ छोड़ दिया है. लेकिन केकेआर ने भी राहुल द्रविड़ को अपना मेंटॉर बनाने का फैसला कर लिया है.

आईपीएल में काम आएगा द्रविड़ का अनुभव

वैसे राहुल द्रविड़ को आईपीएल का लंबा अनुभव भी है. राहुल द्रविड़ ने आईपीएल में 89 मैच खेले हैं और साथ ही वो राजस्थान रॉयल्स के कोच भी रह चुके हैं. द्रविड़ ने हाल ही में टीम इंडिया को वर्ल्ड चैंपियन बनाया है और अब केकेआर उम्मीद कर रही होगी कि ये दिग्गज उनकी टीम से जुड़े. द्रविड़ अगर केकेआर से जुड़ते हैं तो उन्हें बड़ी रकम हासिल हो सकती है. द्रविड़ को बीसीसीआई ने सालाना 12 करोड़ रुपये दिए थे, मुमकिन है कि इसी के आसपास की रकम उन्हें केकेआर से भी मिले.

द्रविड़ का हुआ स्वागत

वैसे टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम इंडिया के हर खिलाड़ी को जोर-शोर से स्वागत हो रहा है. राहुल द्रविड़ को तो बेंगलुरू में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. द्रविड़ एक एकेडमी में बतौर गेस्ट बनकर गए थे जहां उनका जबरदस्त स्वागत किया गया.

भारत ने हॉकी में जीते हैं सर्वाधिक पदक, टेनिस में अच्छा नहीं रहा है प्रदर्शन

नई दिल्ली

लंबे अरसे बाद टोक्यो 2020 में पदक का सूखा समाप्त करने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम की नजरें अब स्वर्ण पदक पर रहेंगी। भारत ने 1980 में मॉस्को ओलंपिक के बाद से इन खेलों में अब तक स्वर्ण नहीं जीता है।

पेरिस ओलंपिक का काउंडटाउन शुरू हो चुका है और भारतीय दल इसके लिए पूरी तरह है। भारत को इस बार उम्मीद है कि पेरिस में खिलाड़ी अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन करेंगे। वहीं, लंबे अरसे बाद टोक्यो 2020 में पदक का सूखा समाप्त करने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम की नजरें अब स्वर्ण पदक पर रहेंगी। भारत ने 1980 में मॉस्को ओलंपिक के बाद से इन खेलों में अब तक स्वर्ण नहीं जीता है। भारत अब तक हॉकी में कुल 12 पदक जीत चुका है जिसमे आठ स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं।

भारत ने 41 साल का सूखा किया था समाप्त

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में जर्मनी को 5-4 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया था। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने इस तरह ओलंपिक खेलों में 41 साल का पदक का सूखा समाप्त किया था। यह 1980 में मॉस्को ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद उसका पहला पोडियम फिनिश था। यह भारत का हॉकी में तीसरा कांस्य पदक भी था। इस बार पुरुष टीम की कोशिश पदक का रंग बदलने पर रहेगी। टीम से ज्यादा उम्मीद इसलिए भी होगी क्योंकि महिला हॉकी टीम पेरिस खेलों के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी है।

भारत को इस बार एथलेटिक्स से भी काफी उम्मीदें है जिसमे पिछली बार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण पदक जीता था। 121 साल में पहली बार भारत को ट्रैक एंड फील्ड में स्वर्ण पदक हासिल हुआ था। टोक्यो ओलंपिक में भारत ने भारोत्तोलन, बैडमिंटन, हॉकी, मुक्केबाजी, कुश्ती और एथलेटिक्स में पदक अपने नाम किए थे। दिलचस्प बात यह है कि भारत का ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हॉकी में रहा है और देश ने सबसे ज्यादा पदक इसी खेल में जीते हैं।

हॉकी में भारत ने कब-कब जीते पदक

भारत के लिए हॉकी में स्वर्णिम युग की शुरुआत 1928 में एम्स्टर्डम ओलंपिक से हुई थी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दिग्गज खिलाड़ी ध्यान चंद के नेतृत्व में 29 गोल किए और एक भी गोल खाए बिना अपना पहला

स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद टीम ने 1932 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भी स्वर्ण पदक जीता था और अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया था। भारत ने फिर 1936 बर्लिन ओलंपिक में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीतकर स्वर्णिम हैट्रिक लगाई थी। द्वितीय विश्व युद्ध के चलते 1940 और 1944 में ओलंपिक खेलों का आयोजन नहीं किया गया था और फिर 1948 में लंदन ओलंपिक से भारत ने एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अपने पहले ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया। भारत ने यहां भी अपनी छाप छोड़ी और हॉकी में लगातार चौथा स्वर्ण जीता। इसके बाद 1952 और 1956 में भी टीम स्वर्ण पदक जीतने में सफल रही थी। भारत ने इस तरह लगातार छह ओलंपिक में हॉकी में स्वर्ण पदक जीते थे।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम 1960 रोम ओलंपिक में पाकिस्तान से फाइनल में 0-1 से हार गई थी और इस तरह उसका स्वर्ण पदक जीतने का सिलसिला टूट गया था। भारत ने उस वक्त रजत पदक हासिल किया था। हालांकि, चार साल बाद फिर 1964 में टोक्यो ओलंपिक में भारत ने स्वर्ण पदक जीता। इस बार टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को मात दी और पुरानी हार का बदला चुकता किया। 1968 में मेक्सिको सिटी में हुए ओलंपिक में पुरुष हॉकी टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और उसे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, टीम ने वेस्ट जर्मनी को हराकर कांस्य पदक जीता। 1972 में म्यूनिख ओलंपिक में भी टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। उस समय सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने भारत को हराया था, लेकिन भारतीय टीम ने नीदरलैंड को हराकर ओलंपिक में दूसरा कांस्य पदक जीता था। 1980 मॉस्को ओलंपिक में पुरुष हॉकी टीम ने फिर अपना दबदबा बनाया और स्पेन को हराकर आठवीं बार ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय पुरुष हॉकी टीम का दबदबा इसके बाद लंबे समय तक गायब रहा और टीम टोक्यो 2020 से पहले तक कोई पदक नहीं जीत सकी थी। हालांकि, भारत ने टोक्यो में 41 साल का पदक का सूखा समाप्त किया, लेकिन ओलंपिक में 44 साल से हॉकी में भारत स्वर्ण नहीं जीत सका है।

टेनिस में आया है सिर्फ एक पदक

भारत ने 1924 के पेरिस ओलंपिक में टेनिस में अपना डेब्यू किया था। चार पुरुष और एक महिला खिलाड़ियों ने सिंगल्स वर्ग में हिस्सा लिया। पुरुष डबल्स और मिक्स्ड डबल्स में दो जोड़ियों ने हिस्सा लिया। हालांकि, इस खेल में भारत का प्रदर्शन ओलंपिक में बेहतर नहीं रहा है और देश ने अब तक सिर्फ एक पदक जीता है। भारत को 1996 में एटलांटा ओलंपिक में लिएंडर पेस ने कांस्य पदक दिलाया था जो ओलंपिक में टेनिस में भारत का एकमात्र पदक है। पेस ने उस वक्त फर्नांडो मेलिगेनी को हराकर पोडियम फिनिश किया था। अब तक भारत को कितने पदक मिले हैं...

किस खेल में कितने पदक जीते?

खेल	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
एथलेटिक्स	1	2	0	3
बैडमिंटन	0	1	2	3
मुक्केबाजी	0	0	3	3
हॉकी	8	1	3	12
निशानेबाजी	1	2	1	4
टेनिस	0	0	1	1
भारोत्तोलन	0	1	1	2
कुश्ती	0	2	5	7
कुल	***10***	***9***	***16***	***35***

बलकमपेट येल्लम्मा का दिव्य विवाह सम्पन्न

पुलिस ने श्रद्धालुओं को प्रवेश करने से रोका

मंत्री कोंडा सुरेखा मंदिर प्रबंधन पर खफा

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। देवी बाल्कम्पेट येल्लम्मा का दिव्य विवाह मंगलवार को भव्य पैमाने पर सम्पन्न हुआ। देवी येल्लम्मा का दिव्य विवाह देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में उमड़े। इसके अलावा, एक छोटी सी हाथापाई भी हुई और मेयर को मामूली चोटें आईं। इससे प्रोटोकॉल को लेकर विवाद हो गया।

मंदिर प्रशासकों और अधिकारियों के व्यवहार से नाराज पोन्नम और मेयर ने मंदिर में एक संक्षिप्त विरोध प्रदर्शन किया। बाद में, मंदिर के अधिकारियों ने इस घटना पर खेद व्यक्त किया। पोन्नम और विजयलक्ष्मी दोनों को अधिकारियों ने मना लिया और मंदिर के अंदर ले गए। पुलिस की अत्यधिक कार्रवाई के कारण महिला श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने दर्शन के लिए टिकट होने के बावजूद श्रद्धालुओं को प्रवेश करने से रोक दिया। मंत्री कोंडा सुरेखा ने भी मंदिर में खराब भीड़ प्रबंधन पर असंतोष व्यक्त किया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पुलिस के रवैये की जांच करें, जिन्होंने भक्तों के साथ अभद्र व्यवहार किया है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि मीडिया प्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यवहार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। दूसरी ओर, मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने उन रिपोर्टों की निंदा की, जिनमें कहा गया था कि वे अधिकारियों के रवैये से नाराज हैं। पोन्नम प्रभाकर ने कहा, मैं यहां देवी के भक्त के रूप में आया हूं और किसी से नाराज नहीं हूं। लेकिन, मंदिर में भीड़ को नियंत्रित करने में खराब प्रबंधन है। भीड़ को नियंत्रित करने और व्यवस्था की निगरानी के लिए एक आईपीएस अधिकारी को तैनात किया जाना चाहिए था।

शेर ने केयरटेकर पर किया हमला

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को नेहरू जूलॉजिकल पार्क में एक पशुपालक पर शेर ने हमला कर दिया। शेर के बाड़े की देखभाल करने वाले सैयद हुसैन पशुपालक के घर की सफाई करने गए थे, तभी जंगली जानवर ने उन पर हमला कर दिया। वह व्यक्ति किसी तरह मामूली चोटों के साथ बच निकलने में कामयाब रहा। चिड़ियाघर के अधिकारियों ने हुसैन को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

एक हफ़्ते पहले, चिड़ियाघर पार्क में एक अन्य कर्मचारी सैयद फरहान को सांप ने काट लिया था। वह व्यक्ति जानवरों के बाड़े की सफ़ाई कर रहा था, तभी उसे सांप ने काट लिया। उसे उस्मानिया अस्पताल में भर्ती कराया गया और उसका इलाज चल रहा है। सूत्रों ने बताया कि फरहान की किडनी खराब हो गई है और अब वह नेफ्रोलॉजिस्ट के पास इलाज करा रहा है।

मुख्यमंत्री ने सिराज को आवासीय भूखंड और सरकारी नौकरी देने की घोषणा की

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को क्रिकेटर मोहम्मद सिराज को नौकरी और आवास आवंटित करने का निर्देश दिया है। टी-20 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने मंगलवार को यहां मुख्यमंत्री से उनके आवास पर मुलाकात की। इस अवसर पर रेवंत रेड्डी ने क्रिकेटर को टी-20 विश्व कप जीतने के लिए बधाई दी और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी अद्भुत प्रतिभा दिखाने के लिए उनकी प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सिराज को बधाई दी और कहा कि उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भारत और तेलंगाना राज्य को सम्मान दिलाया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को क्रिकेटर सिराज को एक आवासीय भूखंड और सरकारी नौकरी आवंटित करने का आदेश दिया। अधिकारियों को हैदराबाद या आसपास के इलाकों में भूखंड के लिए उपयुक्त भूमि की पहचान करने और भारत के तेज गेंदबाज सिराज को तुरंत सरकारी नौकरी प्रदान करने के लिए कदम उठाने के लिए कहा गया है।

नाश्ते में मिली छिपकली छात्रावास के 35 छात्र बीमार

मेदक, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले में सरकारी छात्रावास की रसोई में लापरवाही का एक और मामला मंगलवार को सामने आया। टीजी मॉडल स्कूल रामायमपेट के 35 छात्र नाश्ता करने के बाद बीमार पड़ गए। छात्र उल्टी और दस्त से पीड़ित थे। छात्रों का आरोप है कि उन्होंने नाश्ते में छिपकली देखी, जिसके कारण यह घटना हुई। चूंकि छात्रों के पास कोई मोबाइल फोन नहीं था, इसलिए वे नाश्ते के समय छिपकली की तस्वीरें या वीडियो नहीं ले सके। बीमार छात्रों को रामायमपेट के एरिया अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

तेलुगु मूल के 4 लोगों पर श्रम तस्करी का आरोप

आरोपियों की तलाश में जुटी प्रिंसटन पुलिस * मार्च से चल रही कार्रवाई, सोमवार को जारी हुआ था वारंट

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। टेक्सास राज्य में प्रिंसटन पुलिस मजदूर तस्करी के सिलसिले में तेलुगु मूल के 5 लोगों की तलाश कर रही है। पुलिस की यह कार्रवाई इस साल मार्च में शुरू हुई थी, जिसके बाद सोमवार को गिरफ़्तारी वारंट जारी किए गए। प्रिंसटन पुलिस ने कहा कि जब एक व्यक्ति ने कल्याण संबंधी चिंता और 'संदिग्ध परिस्थिति' की सूचना दी थी तब 13 मार्च को कोलिन काउंटी के गिंसबर्ग लेन के 1000 ब्लॉक स्थित एक घर में अधिकारियों को भेजा गया था। जांच के दौरान, प्रिंसटन पुलिस ने संतोष कटकोरी नामक एक एनआरआई व्यक्ति के घर के लिए सर्च वारंट प्राप्त किया। घर के अंदर, पुलिस को 15 महिलाएं मिलीं, जिन्होंने बताया कि उन्हें कटकोरी और उनकी पत्नी द्वारका गुंडा के स्वामित्व वाली कई शेल कंपनियों के लिए काम करने के लिए मजबूर किया गया था।

जांचकर्ताओं ने बताया कि पीड़ित, जिनमें महिलाएं और पुरुष दोनों शामिल थे, प्रोग्रामर के रूप में काम करते थे और आवास की तलाशी के दौरान कई लैपटॉप, फोन, प्रिंटर और फर्जी दस्तावेज जब्त किए गए। प्रिंसटन पुलिस ने कहा कि बाद में उन्हें पता चला कि प्रिंसटन, मेलिसा और मैकिनी शहरों में कई स्थानों पर जबरन श्रम कार्य चल रहा था और बाद में उन्होंने अन्य स्थानों से और लैपटॉप, फोन और दस्तावेज जब्त किए। पुलिस के बयान में उन अन्य स्थानों के पते या दम्पति की कथित फर्जी कंपनियों के लिए किए गए प्रोग्रामिंग कार्य की प्रकृति के बारे में विवरण शामिल नहीं किया गया।

प्रिंसटन पुलिस ने सोमवार को कहा कि जांचकर्ताओं द्वारा जब्त किए गए सभी इलेक्ट्रॉनिक्स का विश्लेषण करने और ऑपरेशन की प्रकृति की पुष्टि होने के बाद, चार लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए हैं, जिन पर मानव तस्करी का आरोप लगाया गया है, जो कि द्वितीय श्रेणी का अपराध है।

पुलिस ने संदिग्धों की पहचान मेलिसा के 31 वर्षीय संतोष कटकूरी, 31 वर्षीय द्वारका गुंडा, 24 वर्षीय चंदन दासिरेड्डी और प्रॉस्पर के 37 वर्षीय अनिल माले के रूप में की है। प्रिंसटन पुलिस के बयान में कहा गया है कि यह स्पष्ट नहीं है कि चारों आरोपियों में से किसी ने अपनी ओर से बोलने के लिए वकील हासिल किए हैं या नहीं। पुलिस ने कहा कि जांच जारी रहने के कारण कई पक्षों के खिलाफ और आरोप अभी भी लंबित हैं। तस्करी के बारे में जानकारी रखने वाले या तस्करी का शिकार हुए किसी भी व्यक्ति से प्रिंसटन पुलिस विभाग को फोन करने को कहा गया है।

दक्षिण मध्य रेलवे के नए मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्रीधर ने कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे यातायात सेवा के अधिकारी ए. श्रीधर ने मंगलवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के रूप में कार्यभार संभाला है। वह भारतीय रेलवे यातायात सेवा (आईआरएस) के 2011 बैच के हैं। नए कार्यभार से पहले, वह दक्षिण मध्य रेलवे में उप महाप्रबंधक (जी) के रूप में कार्यरत थे। वह चौधरी राकेश का स्थान लेंगे, जो अब एससीआर में उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (यातायात और आरपीएफ) की जिम्मेदारी संभालेंगे। श्रीधर के पास प्रतिष्ठित उस्मानिया विश्वविद्यालय से एम.ए. की डिग्री है। उन्होंने भारतीय रेलवे में एससीआर के सिकंदराबाद डिवीजन के भद्राचलम में एरिया ऑफिसर के रूप में अपना करियर शुरू किया। सिकंदराबाद डिवीजन के डिवीजनल ऑपरेशन मैनेजर, हैदराबाद डिवीजन के वरिष्ठ डिवीजनल कमर्शियल मैनेजर, नांदेड़ डिवीजन के वरिष्ठ डिवीजनल ऑपरेशन मैनेजर और एससीआर के प्लानिंग और एफओआईएस के उप मुख्य ऑपरेशन मैनेजर की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। अधिकारी वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें 2022 का महाप्रबंधक पुरस्कार दिया गया है। पूर्णता के प्रति दृढ़ निश्चयी श्रीधर सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं और नवीन कार्य पद्धतियों के प्रति झुकाव रखते हैं।

महिला को पुलिसकर्मी ने किया परेशान

करना पड़ा कार्रवाई का सामना

नलगोंडा, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। थाने में अपनी शिकायत लेकर आयी एक विवाहित महिला का यौन उत्पीड़न करने की कोशिश करना एक सब इंस्पेक्टर को महंगा पड़ गया। विभागीय कार्रवाई के बाद उसे पद से हटा दिया गया है। बताते हैं कि शालिगोराम के उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार नामक पुलिसकर्मी को रिक्ति रिजर्व (वीआर) के तहत रखा गया था, क्योंकि महिला ने उसके उत्पीड़न के बाद पुलिस महानिदेशक और नलगोंडा के पुलिस अधीक्षक से संपर्क किया था। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए उन्होंने विभागीय जांच के आदेश दिए और रिपोर्ट आने के बाद प्रवीण कुमार के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई। आरोपी पुलिसकर्मी की जगह एसआई सैदुलु को शालगौराम में तैनात किया गया।

जेएनटीयू-सुल्तानपुर मुद्दे से अनभिज्ञ हैं मंत्री

बीआरएस नेता ने लगाया आरोप

चटनी में चूहा पाए जाने का मामला गरमाया

संगारेड्डी, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एंडोले के पूर्व विधायक चांटी क्रांति किरण ने स्वास्थ्य मंत्री दामोदरा राजा नरसिम्हा पर जेएनटीयू-सुल्तानपुर के छात्रों के मुद्दों पर अनभिज्ञता जताने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि दामोदर राजा नरसिम्हा कॉलेज के छात्रों की समस्याओं पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं, जबकि यह कॉलेज स्वास्थ्य मंत्री के निर्वाचन क्षेत्र में आता है। क्रांति किरण ने मंगलवार को एक वीडियो बयान जारी किया, जिसके अनुसार छात्रावास के एक रसोईघर में नाश्ते के लिए बनाई गई चटनी में चूहा पाया गया। क्रांति किरण ने कहा कि छात्र पिछले कुछ दिनों से उन्हें दिए जा रहे भोजन की खराब गुणवत्ता को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और अधिकारियों के समक्ष मुद्दे उठा रहे हैं।

पूर्व विधायक ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री ने छात्रों की समस्याओं को जानने के लिए कभी इन छात्रावासों का दौरा नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि दामोदर राजा नरसिम्हा सार्वजनिक मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय केवल अपने लिए आय-उत्पादक संसाधनों पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे।

पूर्व बीआरएस विधायक ने आरोप लगाया कि राजा नरसिम्हा खनन और रियल एस्टेट के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जहां से वह आय उत्पन्न कर सकते हैं। क्रांति किरण ने स्वास्थ्य मंत्री से जिले में स्वास्थ्य, विकास और कल्याण पर ध्यान देने की मांग की।

उन्होंने कहा कि जब बीआरएस 10 साल तक सत्ता में थी, तब जेएनटीयू-सुल्तानपुर में ऐसी घटनाएं कभी नहीं हुईं।

सेप्टिक टैंक में गिरा 8 वर्षीय बच्चा, मौत

सरकारी अस्पताल में हुई घटना से हड़कंप

भाजपा कार्यकर्ताओं ने की नारेबाजी, कार्रवाई की मांग

पेड्डापल्ली, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला मुख्यालय स्थित सरकारी अस्पताल में मंगलवार सुबह 8 वर्षीय एक बच्चा खुले सेप्टिक टैंक में गिर गया। मां के शोर मचाने पर अस्पताल के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और बच्चे को सेप्टिक टैंक से बाहर निकाला तथा उपचार प्रदान किया। उसकी हालत गंभीर होने पर उसे करीमनगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है।

अस्पताल के कर्मचारियों के अनुसार, महबूबबाद जिले के कोरिवी मंडल के सुदानपल्ली के मूल निवासी श्रीनिवास और रामुलम्मा कुछ दिन पहले रोजगार की तलाश में और निर्माण मजदूर के रूप में काम करने के लिए पेड्डापल्ली चले गए थे। दंपति का एक बेटा जॉन विलियम्स था। श्रीनिवास को सोमवार को डायरिया की शिकायत के बाद पेड्डापल्ली सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

मंगलवार की सुबह, रामुलम्मा बच्चे को शौच के लिए अस्पताल के पीछे ले गई थी। वह उसे कुछ देर के लिए वहीं छोड़कर वापस लौटी तो वह गायब था। परिसर की तलाशी लेने के बाद, उसने अस्पताल के कर्मचारियों को सूचित किया, जिन्होंने लड़के को सेप्टिक टैंक में पाया और उसे टैंक से बाहर निकाला। लड़के को अस्पताल में प्रारंभिक उपचार दिया गया। उनकी स्वास्थ्य स्थिति गंभीर होने पर अस्पताल अधिकारियों ने कलेक्टर से अनुमति लेकर उन्हें करीमनगर के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया। अस्पताल अधीक्षक डॉ. रमाकांत ने बताया कि मंगलवार को केंद्रीय टीम के अस्पताल दौरे के बाद अस्पताल के कर्मचारियों ने सेप्टिक टैंकों की सफाई के लिए उनके ढक्कन हटा दिए थे। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश, लड़का दुर्घटनावश सेप्टिक टैंक में गिर गया। घटना से गुस्साए भाजपा कार्यकर्ताओं ने पेड्डापल्ली कस्बे में राजीव राहदारी पर रास्ता रोको प्रदर्शन किया और घटना के लिए जिम्मेदार अस्पताल कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने अस्पताल अधीक्षक को निलंबित करने की भी मांग की।

श्रद्धांजलि साहू ने 20505 फीट की ऊंचाई पर माउंट कांग यात्से-II पर विजय प्राप्त की

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) के लड़के और लड़कियों के माउंट कांग यात्से-II शिखर पर पर्वतारोहण अभियान को लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, डीजी एनसीसी ने 28 मई, 2024 को नई दिल्ली से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह शिखर लद्दाख क्षेत्र की मार्खा घाटी में 20,505 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। टीम में विभिन्न एनसीसी निदेशालयों से पांच अधिकारी, 17 स्थायी प्रशिक्षक और 24 कैडेट (12 लड़के और 12 लड़कियां) शामिल थे। एनसीसी ग्रुप हैदराबाद की 7 तेलंगाना बटालियन की जेयूओ श्रद्धांजलि साहू इस कठिन अभियान का हिस्सा थीं। इस चुनौतीपूर्ण अभियान ने उनके असाधारण पर्वतारोहण कौशल और अटूट दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित किया। सफल शिखर सम्मेलन उनके कठोर प्रशिक्षण और एनसीसी ग्रुप हैदराबाद के समर्थन का प्रमाण है। उनकी उपलब्धि न केवल संगठन के लिए गौरव की बात है, बल्कि युवा कैडेटों और महत्वाकांक्षी पर्वतारोहियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। माउंट कांग यात्से-2 पर जेयूओ साहू की जीत एनसीसी समुदाय के भीतर साहस और लचीलेपन की भावना को उजागर करती है। श्रद्धांजलि ने बताया कि टीम को जवाहर पर्वतारोहण और शीतकालीन खेल संस्थान, पहलगाम और सोनमर्ग में 10 दिनों का प्रशिक्षण मिला। टीम ने लेह, मार्खा घाटी, थाचुंगसे में विभिन्न ऊंचाई स्तरों पर अनुकूलन किया और 18 जून 24 को बेस पर पहुंच गई। शरधांजलि उन 10 कैडेटों में से एक थीं, जिन्होंने 21 जून 24 को अत्यंत प्रतिकूल मौसम की स्थिति में माउंट कांग यात्से-II पर चढ़ाई की। एनसीसी ग्रुप हैदराबाद में एक सम्मान समारोह का आयोजन न केवल जेयूओ श्रद्धांजलि की सफलता का जश्न मनाने के लिए किया गया था, बल्कि एनसीसी ग्रुप कमांडर कर्नल अनिल द्वारा उनकी अदम्य भावना और कभी हार न मानने वाले रवैये की भी सराहना की गई थी। उन्हें नकद पुरस्कार और स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने प्रतिकूल मौसम की स्थिति जैसी कई बाधाओं का सामना करने के बावजूद उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के अभियान न केवल एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धी भावना को बढ़ावा देने में मदद करते हैं, बल्कि कैडेटों के बीच नेतृत्व, सौहार्द, दृढ़ता भी पैदा करते हैं और उन्हें उनके व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन दोनों में भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं।

'अयोध्या-काशी: पुण्य क्षेत्र यात्रा' भारत गौरव पर्यटक ट्रेन सिकंदराबाद से रवाना

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत गौरव, एक थीम आधारित पर्यटक सर्किट ट्रेन है, जिसे भारतीय रेलवे द्वारा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शानदार ऐतिहासिक स्थलों को प्रदर्शित करने के लिए शुरू किया गया था, जो रेल यात्रियों के बीच काफी सफल रही है। भारत गौरव की एक और यात्रा, अयोध्या-काशी : पुण्य क्षेत्र यात्रा ने मंगलवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से अपनी यात्रा शुरू की है। 21वीं भारत गौरव ट्रेन ने अपनी यात्रा शुरू की, जिसमें ट्रेन से यात्रा करने वाले वरिष्ठ नागरिकों में से एक, हनमंथू, उम्र 67 वर्ष ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से इसे लॉन्च किया। अयोध्या-काशी पुण्य क्षेत्र यात्रा, भारत गौरव ट्रेन, जिसने आज अपनी यात्रा शुरू की, 360 यात्रियों के साथ चल रही है। पुण्य क्षेत्र यात्रा का यह 9 दिवसीय दौरा गया, वाराणसी, अयोध्या और प्रयागराज के दिव्य/तीर्थ स्थलों को कवर करेगा। पुण्य क्षेत्र यात्रा: अयोध्या-काशी तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के रेल यात्रियों को आध्यात्मिक ज्ञान के लिए नवनिर्मित राम जन्मभूमि (अयोध्या) और ज्योतिर्लिंग (काशी विश्वनाथ मंदिर) के दर्शन करने या गया में पिंडदान अनुष्ठान (अपने पूर्वजों को श्रद्धांजलि अर्पित करने) का अनूठा अवसर प्रदान करती है। सिकंदराबाद के अलावा, ट्रेन में यात्रियों के लिए काजीपेट (वारंगल), तेलंगाना में खम्मम और विजयवाड़ा, एलुरु, राजमंड्री, समालकोट, वैजाग (पेंडुर्थी), आंध्र प्रदेश में विजयनगरम और ओडिशा में टिटलागढ़ में बोर्डिंग/डी-बोर्डिंग की सुविधा प्रदान की गई है। एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने एससीआर से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन के लिए यात्रियों से मिली अच्छी प्रतिक्रिया पर प्रसन्नता व्यक्त की है।

उन्होंने कहा कि भारत गौरव ट्रेनें देश में आध्यात्मिक पर्यटन के विकास को बढ़ावा दे रही हैं। उन्होंने कहा कि यह ट्रेन यात्रियों के लिए सभी वर्गों की सुविधा प्रदान करती है, जिसमें एसी और नॉन-एसी दोनों कोच उपलब्ध हैं। उन्होंने रेल उपयोगकर्ताओं से सांस्कृतिक रूप से प्रमुख और ऐतिहासिक स्थानों पर जाने के अवसर का लाभ उठाने की अपील की।

सर्पदंश से बच्ची की मौत

कामारेड्डी, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नागिरेड्डीपेट मंडल के जमी जनकम्पल्ले गांव में सोमवार देर रात अपने घर में फर्श पर सो रहे 7 वर्षीय एक बच्ची की सांप ने डस लिया, जिससे उसकी मौत हो गई तथा उसके दादा की हालत गंभीर है।

रिपोर्ट के अनुसार, वैष्णवी अपने दादा शंकरैया के साथ फर्श पर सो रही थी, तभी घर में घुसे एक सांप ने उन्हें डस लिया। सुबह वैष्णवी के माता-पिता ने उसके मुंह के आसपास झाग देखा और उन्हें लगा कि शायद उसे सांप ने काट लिया है। माता-पिता तुरंत वैष्णवी को सरकारी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस बीच शंकरैया को राजन्ना सिरसिला जिले के येल्लारेड्डीपेट के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

एपी का छात्र न्यूयॉर्क के झरने में डूबा

पार्थिव शरीर भारत वापस लाने की तैयारी

अमरावती, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के एक छात्र जी साई सूर्या अविनाश की हाल ही में अमेरिका में दुर्घटनावश झरने में फिसलकर मौत हो गई। न्यूयॉर्क स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास ने बताया कि पूर्वी गोदावरी जिले के चिताल्या निवासी अविनाश की शनिवार 7 जुलाई को न्यूयॉर्क के अल्बानी स्थित बार्बरविले फॉल्स में डूबकर मौत हो गई। वाणिज्य दूतावास ने मंगलवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हम ट्राइन विश्वविद्यालय के छात्र साई सूर्या अविनाश गद्दे की दुखद क्षति से बहुत दुखी हैं, जो 7 जुलाई को अल्बानी, न्यूयॉर्क के बार्बरविले फॉल्स में डूब गए थे।

मृतक छात्र के परिवार और मित्रों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए वाणिज्य दूतावास ने कहा कि वह अविनाश के पार्थिव शरीर को भारत वापस लाने के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रहा है।

इस बीच, अविनाश के गृहनगर चित्याला के एक रिश्तेदार ने बताया कि वह 18 महीने पहले अमेरिका गया था और एमएस कोर्स पूरा करने वाला था।

रिश्तेदार ने बताया कि मैं उसका (अविनाश का) चाचा हूं और वह 18 महीने पहले अमेरिका गया था। उसका एमएस कोर्स खत्म होने वाला है। वह अपने दोस्तों के साथ झरने पर गया था, लेकिन गलती से उसमें गिर गया। अविनाश की मौत को उनके परिवार के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए उन्होंने कहा कि तेलुगु एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (टीएएनए) को उनका पार्थिव शरीर मिल गया है, जो शुक्रवार तक चित्याला पहुंच सकता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.